- दिल्ली : 2023 में वायु प्रदूषण की वजह से हुई 15 प्रतिशत मौतें
- 12

- अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता जारी रखे भारत
- 12

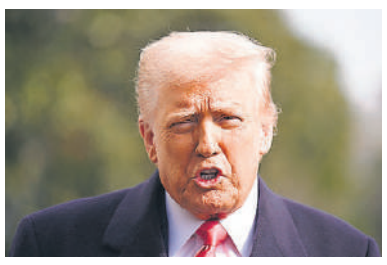

- अमेरिका का परमाणु परीक्षण शुरू करना मानवता के लिए खतरनाक
- 13

- दूसरे टी-20 में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को चार विकेट से हराया
- 14

आज का मौसम

27.0⁰ अधिकतम तापमान

15.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.25

सूर्यास्त 05.26

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष दशमी 09:12 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 1 नवंबर 2025, वर्ष 5, अंक 251, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

पटेल पूरे कश्मीर को भारत में मिलाना चाहते थे, नेहरू ने अनुमति नहीं दी : मोदी

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में बोले प्रधानमंत्री

- कहा- घुसपैठिए भारत की एकता और जनसांख्यिकीय संतुलन के लिए खतरा
- गुजरात के एकता नगर में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के पास राष्ट्रीय एकता दिवस परेड आयोजित

एकता नगर (गुजरात), एजेंसी

गुजरात के नर्मदा जिले में पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते प्रधानमंत्री मोदी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि सरदार पटेल अन्य रियासतों की तरह पूरे कश्मीर को भी भारत में मिलाना चाहते थे, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने ऐसा नहीं होने दिया। गुजरात के एकता नगर में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के पास राष्ट्रीय एकता दिवस परेड के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि घुसपैठ की घटनाएं भारत के जनसांख्यिकीय संतुलन को बिगाड़ रही थीं जिसके खिलाफ निर्णायक लड़ाई का फैसला किया गया है।

उन्होंने कहा, सरदार पटेल का मानना था कि इतिहास लिखने में समय बर्बाद नहीं करना चाहिए बल्कि इतिहास बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। आजादी के बाद सरदार पटेल ने 550 से अधिक रियासतों का भारत संघ में विलय कराने का असंभव सा लगने वाला कार्य पूरा किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने जो नीतियां बनाईं, जो निर्णय लिए, उन्होंने नया इतिहास रच दिया। एक भारत, श्रेष्ठ भारत का विचार उनके लिए सर्वोपरि था। कांग्रेस पर हमला करते हुए मोदी ने कहा कि कश्मीर और देश को इस मुद्दे से निपटने में पार्टी की गलतियों की भारी कीमत चुकानी पड़ी है। उन्होंने कहा, सरदार पटेल अन्य रियासतों की तरह पूरे कश्मीर का एकीकरण करना चाहते थे। लेकिन नेहरू जी ने उनकी इच्छा पूरी नहीं होने दी। कश्मीर का विभाजन हुआ, उसे अलग संविधान और अलग झंडा दिया गया और कांग्रेस की इस गलती का खामियाजा देश को दशकों तक भुगतना पड़ा। मोदी ने कहा कि सरदार पटेल के लिए देश की संप्रभुता सर्वोपरि थी लेकिन उनकी मृत्यु के बाद, सरकारों ने देश की संप्रभुता के संबंध में उतनी गंभीरता नहीं दिखाई।

कांग्रेस की कमजोर नीतियों से प्रायोजित आतंकवाद पनपा

कांग्रेस की कमजोर नीतियों के कारण कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान के अवैध कब्जे में चला गया, जिसने फिर राज्य प्रायोजित आतंकवाद को बढ़ावा दिया। कश्मीर और देश ने भारी कीमत चुकाई, फिर भी कांग्रेस हमेशा आतंकवाद के आगे झुकी। वह सरदार पटेल के दृष्टिकोण को भूल गई, लेकिन हम नहीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अनुच्छेद 370 की बेड़ियां तोड़कर कश्मीर पूरी तरह से मुख्यधारा में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा, आज पाकिस्तान और आतंकवादी भी जानते हैं कि भारत की असली ताकत क्या है।

दुनिया ने देखा भारत घुसकर मारता है

ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने देखा कि अगर कोई भारत पर बुरी नजर डालेगा तो हम उसके घर में घुसकर उसे खत्म कर देंगे। यह सरदार पटेल का भारत है। पिछले 11 वर्षों में नक्सलवाद के खिलाफ सरकार की कार्रवाई पर प्रकाश डालते हुए मोदी ने कहा कि यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक यह समस्या देश से जड़ से समाप्त नहीं हो जाती। मोदी ने कहा, 2014 से पहले देश के लगभग 125 जिले माओवाद के आतंक से प्रभावित थे। आज यह 11 जिलों तक सीमित है। उनमें भी केवल तीन जिलों में ही नक्सलवाद कायम है। अवैध प्रवासी भारत की एकता और आंतरिक सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ये अवैध प्रवासी हमारे संसाधनों पर कब्जा कर रहे हैं और जनसांख्यिकीय संतुलन को बिगाड़ रहे हैं जिससे देश की एकता खतरे में पड़ रही है।

देश औपनिवेशिक मानसिकता के निशान को मिटा रहा

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि पार्टी को भारत पर राज करने वाले अंग्रेजों से 'गुलामी की मानसिकता' विरासत में मिली है। आज देश औपनिवेशिक मानसिकता के हर निशान को मिटा रहा है। मोदी ने पूछा, राजनीतिक अस्पृश्यता को देश में एक संस्कृति बना दिया गया था। हम सभी जानते हैं कि कांग्रेस सरकारों के शासनकाल में सरदार पटेल और उनकी विरासत का क्या हश्र हुआ। इन लोगों ने बाबासाहेब आंबेडकर के साथ उनके जीवनकाल में और उनकी मृत्यु के बाद भी क्या किया? उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस, डॉ. लोहिया और जयप्रकाश नारायण के साथ क्या किया? आरएसएस पर भी हमले और षड्यंत्र किए गए। कांग्रेस पर धार्मिक आधार पर 'वंदे मातरम' के कुछ हिस्से को हटाने का आरोप लगाया और इसे समाज को विभाजित करने वाला बताया।

कुंभ के कार्यों में अनियमितता न बरतें, नहीं तो होगी सख्त कार्रवाई

- मुख्यमंत्री धामी ने दी अधिकारियों व कार्यदायी संस्थाओं को चेतावनी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

देवभूमि रजत उत्सव में सीएम धामी ने मातृशक्ति का सम्मान किया।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि धर्मनगरी में वर्ष 2027 में आयोजित होने वाले कुंभ के लिए हम अभी से तैयारियों में जुट गए हैं लेकिन, उनके संज्ञान में कुंभ के लिए किए जा रहे निर्माण कार्यों में कुछ अनियमितताएं बरतने की शिकायत आई हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्यों में लगे अधिकारियों व कार्यदायी संस्थाएं या तो गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य करें, अन्यथा सख्त कार्रवाई के लिए तैयार रहें क्योंकि हमारी सरकार धर्मनगरी हरिद्वार को एक विश्वस्तरीय शहर बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को हरिद्वार में देवभूमि रजत उत्सव-2025 में राज्य निर्माण में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले राज्य आंदोलनकारियों, मातृशक्ति को नमन करते कहा कि यह मात्र उत्सव नहीं, बल्कि उन राज्य आंदोलनकारियों, माताओं-बहनों और युवाओं के प्रति अपनी भावांजलि अर्पित करने का पावन अवसर है, जिन्होंने उत्तराखंड राज्य स्थापना के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। कहा कि वर्ष 2000 में जब उत्तराखंड अस्तित्व में आया, तब ये नवजात राज्य भौगोलिक कठिनाइयों, सीमित संसाधनों समेत अनेक चुनौतियों से घिरा हुआ था, लेकिन हमारी देवभूमि की जनता में ये अटूट विश्वास था कि कुछ भी हो जाए, हम इस राज्य को आगे बढ़ाकर ही दम लेंगे और आज जब 25 वर्षों बाद हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो ये गर्व से कह सकते हैं कि इन वर्षों में उत्तराखंड न केवल इन चुनौतियों से लड़कर आगे बढ़ा, बल्कि आज विकास के नए मानक स्थापित कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार धर्मनगरी को काशी विश्वनाथ एवं उज्जैन महाकाल कॉरिडोर की भांति भव्य और दिव्य रूप देने के लिए हरिद्वार-ऋषिकेश कॉरिडोर का निर्माण भी करा रही है, जिसकी डीपीआर भी तैयार हो चुकी है। साथ ही, हरिद्वार में हेली सेवाओं के लिए हेलीपोर्ट का निर्माण करने की कार्ययोजना भी तैयार की जा रही है। हम हरकी पैड़ी से मां चंडी देवी तक रोपवे के निर्माण और लालढांग की बरसाती नदी पर पुल का निर्माण करवा रहे हैं।

4 वर्षों के कठोर निर्णय जनहित के निर्णय

इस मौके पर मुख्यमंत्री धामी ने चार वर्षों में लिए गए कठोर निर्णयों को जनहित के निर्णय बताया। उन्होंने धर्मांतरण विरोधी, सख्त दंगारोधी कानून, लैंड जिहाद, लव जिहाद और थूक जिहाद सहित नकल विरोधी कानून का उल्लेख किया। इसके साथ ही समान नागरिक संहिता कानून, अवैध मदरसों पर की गई कार्यवाही सहित ऑपरेशन कालनेमि अभियान का भी बखान किया। उन्होंने भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत की जा रही कार्यवाही की भी बात कही।

ब्रीफ न्यूज

ईडी के कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी

चेन्नई। चेन्नई के शास्त्री भवन स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्यालय में बम रखे जाने के दावे वाला एक ई-मेल पुलिस महानिदेशक कार्यालय को मिला। बम की यह धमकी जांच में झूठी साबित हुई।पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बम निरोधक दस्ते (बीडीडीएस) की एक टीम खोजी कुत्ते के साथ तुरंत यहां नुंगमबक्कम स्थित ईडी के दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यालय पहुंची तथा परिसर की गहन तलाशी ली गई। जांच में बम की धमकी झूठी साबित हुई। तमिलनाडु में ईडी कई बड़े प्रतिष्ठित मामलों की जांच कर रहा है तथा हाल ही में इसने नगर प्रशासन और जल आपूर्ति विभाग के भर्ती अभियान में कथित तौर पर नौकरी के लिए नकदी घोटाले का खुलासा किया है।

छात्र ने 18वीं मंजिल से छलांग लगाई, मौत

गुरुग्राम। गुरुग्राम में 18 वर्षीय एक लड़के ने शुक्रवार तड़के एक आवासीय सोसायटी एवं अपार्टमेंट परिसर की 18वीं मंजिल से कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि किशोर के परिवार ने संदेह जताया है कि आत्महत्या का कारण उसकी पढ़ाई या रीढ़ की हड्डी की पुरानी बीमारी हो सकती है।

भारत-अमेरिका के बीच हुआ 10 साल का अहम रक्षा सौदा

नई दिल्ली, एजेंसी

- रक्षामंत्री राजनाथ और हेगसेथ ने कुआलालंपुर में 'यूएस-इंडिया मेजर डिफेंस पार्टनरशिप फ्रेमवर्क' समझौते पर किए हस्ताक्षर

मलेशिया में रक्षा सौदे पर हस्ताक्षर के बाद हाथ मिलाते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पीट हेगसेथ।

भारत और अमेरिका ने शुक्रवार को 10 वर्ष के एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक सामंजस्य का संकेत बताया, जबकि वाशिंगटन ने एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए नई दिल्ली के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई।

सिंह और उनके अमेरिकी समकक्ष पीट हेगसेथ ने कुआलालंपुर में व्यापक वार्ता के बाद 'यूएस-इंडिया मेजर डिफेंस पार्टनरशिप फ्रेमवर्क' समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसमें सभी स्तंभों में रणनीतिक संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह समझौता ऐसे समय पर हुआ है जब अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क (टैरिफ) लगाने के बाद दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण हैं। हेगसेथ के साथ अपनी वार्ता को सार्थक बताते हुए सिंह ने कहा कि यह समझौता हमारी पहले से ही मजबूत रक्षा साझेदारी में एक नए युग की शुरुआत करेगा।

सिंह ने सोशल मीडिया पर कहा, यह रक्षा ढांचा भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों के संपूर्ण आयाम को नीतिगत दिशा प्रदान करेगा। यह हमारे बढ़ते रणनीतिक तालमेल का संकेत है और साझेदारी के एक नए दशक का सूत्रपात करेगा। उन्होंने कहा, रक्षा क्षेत्र हमारे द्विपक्षीय संबंधों का एक प्रमुख स्तंभ बना रहेगा।

भारत अमेरिका के लिए एक प्राथमिकता वाला देश

रक्षा मंत्रालय ने बयान में कहा, हेगसेथ ने दोहराया कि रक्षा सहयोग में भारत अमेरिका के लिए एक प्राथमिकता वाला देश है और वे स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को सुनिश्चित करने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें कहा गया है कि 2025 की रूपरेखा अगले 10 वर्षों में साझेदारी को और अधिक मजबूत करने के लिए एक नया अध्याय है।

1,466 पुलिस कर्मियों को केंद्रीय गृह मंत्री दक्षता पदक

नई दिल्ली। पहलगाम हमले में शामिल आतंकवादियों को मार गिराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के 40 कर्मियों सहित देशभर के 1,466 पुलिस कर्मियों को वर्ष 2025 के लिए केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक से सम्मानित किया जाएगा।

महानिरीक्षक (कश्मीर रेंज) वीके बिरदी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (श्रीनगर) जीवी संदीप चक्रवर्ती जम्मू-कश्मीर के उन 19 अधिकारियों में शामिल हैं जिन्हें 'ऑपरेशन महादेव' के लिए पदक से सम्मानित किया जाएगा, जिसमें दुस्साहसिक पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को मार गिराया गया था। सुलेमान उर्फ आसिफ को सुरक्षा बलों द्वारा एक अचानक की गयी कार्रवाई के दौरान मार गिराया गया। इस अभियान का कूट नाम ऑपरेशन महादेव था। सुलेमान 22 अप्रैल के हमले का मुख्य षड्यंत्रकर्ता माना जाता है।

कालिंदी महोत्सव

देवोत्थान एकादशी की पूर्व संध्या पर कुंभ नगरी प्रयागराज में कालिंदी महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों ने यमुना नदी के किनारे मौज गिरी घाट पर दीपक जलाए। ● एजेंसी

स्वास्थ्य विभाग में होगी 287 चिकित्सकों की सीधी भर्ती

- दंत चिकित्साधिकारियों को मिला एसडीएसीपी का लाभ

देहरादून। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में शीघ्र ही 287 चिकित्सकों की और भर्ती होगी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत की मंजूरी के बाद शुक्रवार को शासन ने उक्त पदों पर सीधी भर्ती के लिए उत्तराखंड चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड को अधियाचन भेज दिया है।

अधियाचन में 231 पद सीधी भर्ती और 56 बैकलाग के पद हैं। सीधी भर्ती हेतु आयु सीमा संबंधी प्राविधानों को स्पष्ट किया गया है जिसके तहत आगामी भर्ती विज्ञापन में आयु सीमा संबंधी प्रविधानों का स्पष्ट उल्लेख किया जाएगा और जिस कैलेंडर वर्ष में पद विज्ञापित होंगे, उस वर्ष की 1 जुलाई को अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 21 वर्ष व अधिकतम आयु 42 वर्ष होनी चाहिए। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, शीघ्र ही चयन बोर्ड द्वारा भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। वहीं, विगत दो माह पूर्व चयन बोर्ड के माध्यम से प्रांतीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में चिकित्साधिकारी (बैकलॉग) के 220 पदों पर चयनित डॉक्टरों को प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्र के चिकित्सा इकाईयों में नियुक्ति दे दी गई है। उधर, उत्तराखंड सरकार ने दंत चिकित्साधिकारियों (डेंटल सर्जन) को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए ''स्पेशल ड्यूटी अलाउंस कम प्रमोशन'' (एसडीएसीपी) का लाभ देने की औपचारिक मंजूरी दे दी है। स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने शुक्रवार को जारी आदेश में कहा कि प्रांतीय चिकित्सा सेवा संवर्ग के दंत शल्य चिकित्साधिकारियों को एसडीएसीपी का लाभ प्रदान किया जाएगा। स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा की गई संस्तुति के आधार पर यह लाभ अनुमन्य किया जाता है। इसमें चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-1, देहरादून की संस्तुति को स्वीकार करते हुए एसडीएसीपी का लाभ प्रदान करने की अनुमति दी गई है। बता दें कि, प्रांतीय चिकित्सा सेवा संवर्ग से जुड़े कई दंत चिकित्सक कई वर्षों से इस लाभ की प्रतीक्षा कर रहे थे।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर अभद्रता का लाइसेंस नहीं दिया जा सकता : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, नैनीताल

- हाईकोर्ट ने एफबी समेत सोशल साइट्स को दिया नोटिस

अमृत विचार: हाईकोर्ट ने हल्द्वानी के नन्ही परी हत्याकांड में फांसी की सजा पाए दोष सिद्ध अभियुक्त अख्तर अली के शीर्ष अदालत से बरी हो जाने के मामले में महिला अधिवक्ता के खिलाफ सोशल मीडिया पर धमकी दिए जाने और अभद्र भाषा का प्रयोग किए जाने के मामले को गंभीरता से लेते हुए शुक्रवार को सभी सोशल मीडिया साइट को नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए हैं।

यही नहीं अदालत ने एसटीएफ के एसएसपी को भी पक्षकार बनाने के निर्देश दिए हैं। खंडपीठ ने सभी सोशल मीडिया साइट्स से यह भी पूछा है कि क्या ऐसा कोई मैकेनिज्म या तकनीक है कि असंवैधानिक शब्द तत्काल सेंसर हो जाएं। अदालत ने इस मामले में रिपोर्ट पेश करने को कहा है। हाईकोर्ट ने इस मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए जनहित याचिका दायर की है। इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में हुई। खंडपीठ ने इस मामले में गंभीर रुख अख्तियार करते हुए कहा कि अदालत के निर्णय की निष्पक्ष आलोचना सही है लेकिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर किसी को अभद्रता करने और गाली देने का लाइसेंस नहीं दिया जा सकता है। सरकार की ओर से कहा गया कि इस प्रकरण में मामला दर्ज कर लिया गया है। एसआईटी को जांच सौंपी गई है। सोशल मीडिया साइट पर अभद्र मैसेज नहीं हैं। अदालत ने दो सप्ताह में रिपोर्ट पेश करने को कहा है। मामले के अनुसार, नैनीताल के काठगोदाम में 10 साल पहले नन्ही परी की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी और आरोपी अख्तर अली फांसी की सजा मिली थी। उच्चतम न्यायालय ने फांसी की सजा रद्द कर दी थी। इस निर्णय के बाद के बाद प्रदेश में कई जगह पर प्रदर्शन हुए और सोशल मीडिया में महिला अधिवक्ता के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया।

आवारा कुत्तों का मामला | डिजिटल माध्यम से पेश होने की अनुमति देने के अनुरोध को सुप्रीम कोर्ट ने किया खारिज

राज्यों से शीर्ष कोर्ट नाराज, कहा- हमारे आदेश का सम्मान नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल और तेलंगाना को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को आवारा कुत्तों के मामले में तीन नवंबर को अदालत के समक्ष डिजिटल माध्यम से पेश होने की अनुमति देने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया और कहा कि अदालत के आदेशों का कोई सम्मान नहीं है।

शीर्ष अदालत ने पश्चिम बंगाल और तेलंगाना को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को तीन नवंबर को उसके समक्ष उपस्थित होकर यह बताने का निर्देश दिया था कि अदालत के 22 अगस्त के आदेश के बावजूद अनुपालन हलफनामा क्यों नहीं दाखिल किया गया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने 22 अगस्त के पीठ के आदेश का पालन नहीं करने पर नाराजगी व्यक्त की और कहा कि 27 अक्टूबर तक पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को छोड़कर किसी भी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ने अनुपालन हलफनामा दाखिल नहीं किया था। न्यायालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) नियमों के बारे में पूछा था। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मामले का उल्लेख करते हुए पीठ से अनुरोध किया था कि मुख्य सचिवों को तीन नवंबर को अदालत के समक्ष डिजिटल माध्यम से पेश होने की अनुमति दी जाए। मेहता ने कहा, यह कुत्तों से खतरे का मामला है।

राज्यों को बताना होगा अनुपालन हलफनामे क्यों नहीं दाखिल किए

पीठ ने स्पष्ट किया कि मुख्य सचिवों को अदालत में उपस्थित होकर यह बताना होगा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अनुपालन हलफनामे क्यों नहीं दाखिल किए। मेहता ने कहा कि मामले में अनुपालन हलफनामे दाखिल किए गए थे। पीठ ने कहा कि जब 27 अक्टूबर को मामले की सुनवाई हुई थी तब केवल पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और एमसीडी ने ही अनुपालन हलफनामे दाखिल किए थे। पीठ ने कहा, उन्हें (मुख्य सचिवों को) आने दीजिए। शीर्ष अदालत ने 27 अक्टूबर को आवारा कुत्तों के मामले की सुनवाई करते हुए सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को तीन नवंबर को अदालत के समक्ष उपस्थित होकर यह बताने का निर्देश दिया था कि अदालत के 22 अगस्त के आदेश के बावजूद अनुपालन हलफनामा क्यों नहीं दाखिल किया गया।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शनिवार,1 नवंबर 2025

स्टेट ब्रीफ

प्रधानमंत्री मोदी नौ नवंबर को देहरादून में

देहरादून : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नौ नवंबर को उत्तराखंड राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने के मौके पर देहरादून में होने वाले समारोह में भाग लेंगे। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि प्रधानमंत्री का कार्यक्रम तय होने के बाद अब तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है । वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) में राज्य स्थापना के रजत जयंती समारोह की तैयारियां की जा रही हैं। प्रधानमंत्री के प्रस्तावित भ्रमण के मद्देनजर जिलाधिकारी सविन बंसल ने अधिकारियों के साथ बैठक कर दिशानिर्देश दिए। कहा राज्य स्थापना के रजत जयंती समारोह में प्रधानमंत्री की उपस्थिति अत्यंत गौरव का विषय है जिसे देखते हुए सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण कर ली जाएं।

फूलों की घाटी पर्यटकों के लिए हुई बंद

गोपेश्वर : चमोली जिले में स्थित विश्व धरोहर में शामिल फूलों की घाटी राष्ट्रीय पार्क शुक्रवार को पर्यटकों के लिए बंद हो गयी। बदरीनाथ के समीप स्थित यह राष्ट्रीय पार्क अब अगले साल एक जून को खुलेगा। फूलों की घाटी का प्रबंधन नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान वन प्रभाग द्वारा किया जाता है। अधिकारियों ने बताया कि इस साल प्रतिकूल मौसम के बाद भी 15,924 पर्यटक फूलों की घाटी घूमने आए जिनमें 416 विदेशी पर्यटक थे। फूलों की घाटी राष्ट्रीय पार्क की सीमा घांघरिया के समीप शुरू होती है जिसके लिए बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर जोशीमठ और बदरीनाथ के बीच पुलना गांव से पैदल चलना पड़ता है।

रजत जयंती समारोह का बहिष्कार करेंगे राज्य आंदोलनकारी

रामनगर : चिह्नित राज्य आंदोलनकारी संयुक्त समिति के केंद्रीय मुख्य संरक्षक और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता धीरेंद्र प्रताप ने आरोप लगाया कि सरकार आंदोलनकारियों की मांगों के प्रति गंभीर नहीं है। इसीलिए राज्य आंदोलनकारियों ने 1 नवंबर से शुरू होने वाले राज्य स्थापना दिवस (रजत जयंती) समारोह का बहिष्कार करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि आरक्षण को लेकर सरकार की बेरुखी कायम है और राज्य आंदोलनकारियों की पेंशन व अन्य सवालों पर सरकार कुंभकरण की नींद सोई हुई है। उन्होंने सरकार को 48 घंटे का नोटिस देते हुए कहा कि वह इस संबंध में राज्य आंदोलनकारी सम्मान परिषद के अध्यक्ष सुभाष बड़थ्वाल से बात करेंगे। बैठक में वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी प्रभात ध्यानी, राज्य आंदोलनकारी पुष्कर दुर्गापाल, सुमित्रा बिष्ट, चंद्रशेखर जोशी, इंद्र सिंह मनराल, सुरेंद्र सिंह नेगी, राजेंद्र खुल्बे, प्रभात ध्यानी, योगेश सती, शेर सिंह लटवाल, हरीश भट्ट, नवीन नैथानी रहे।

मैदान में अत्यधिक ठंड, बढ़ता वायु प्रदूषण, पर्यटकों को लुभाती सरोवर नगरी, हिल स्टेशन पर समर की तरह विंटर सीजन के भी रफ्तार पकड़ने का अनुमान

खुशनुमा मौसम में छिपा नैनीताल के शीतकालीन पर्यटन का भविष्य

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: सरोवर नगरी का मौसम जितना खुशनुमा होगा, शीतकालीन पर्यटन का भविष्य उस लिहाज से सुनहरा होगा। मौसम के साथ देने से इस हिल स्टेशन पर समर की तरह विंटर सीजन भी रफ्तार पकड़ने लगा है। मैदानी भागों में अत्यधिक ठंड के साथ बढ़ता वायु प्रदूषण और पर्वतीय क्षेत्रों में खुशमिजाज मौसम, विंटर सीजन चल पड़ने का बड़ा कारण बनने जा रहा है।

जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं तो इसके सार्थक नतीजे भी हैं, जिसका सकारात्मक रूप पर्वतीय क्षेत्रों के पर्यटन में देखने को मिलने लगा है। दरअसल, मैदानी क्षेत्रों में वायु प्रदूषण बड़ी समस्या बनता जा रहा है, जो दिन पर दिन बढ़ता जा रहा है। साथ ही शीतकालीन मौसम में तापमान कई स्थानों पर शून्य तक पहुंचने लगा है मगर पर्वतीय क्षेत्रों की बात करें तो अब यहां के मौसम में भारी बदलाव आने लगा है। दो दशक पहले जैसी कड़ाके की ठंड अब लगभग बंद हो चुकी है। तापमान में वृद्धि के कारण हिमपात भी लगभग मुंह मोड़ चुका है। पिछले कुछ वर्षों में नैनीताल सरीखे ऊंचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों का अधिकतम तापमान 20 डिग्री के आसपास रहने लगा है और न्यूनतम तापमान चार डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं जा रहा है। साथ ही, मौसम सुहावना रहने लगा है और मैदानी भागों की तुलना में खुशमिजाज रहने लगा है। यही कारण है कि कुछ वर्षों से शीतकाल में सैलानियों की आमद में खासी वृद्धि होने लगी है।

सैलानियों को खींचती ठंडी जलवायु

पर्यटन विशेषज्ञों का कहना है कि पर्यटन का प्रमुख आधार मौसम पर निर्धारित होता है। ग्रीष्मकाल में मैदानों में भीषण गर्मी सैलानियों को ठंडी जलवायु वाले क्षेत्रों में खींच लाती है तो अब शीतकाल के लिहाज से मौसम की परिस्थितियां बदलने लगी हैं। शीत के दौरान पिछले कुछ वर्षों से नैनीताल का मौसम बदल चुका है। अब यहां कड़ाके की ठंड नहीं पड़ती। जाड़ों के अधिकांश दिनों में सुनहरी धूप खिली रहती है, जिस कारण यहां का शीतकालीन पर्यटन सीजन का भविष्य सुनहरा होना स्वाभाविक है।

सुहावना मौसम बढ़ा रहा नैनीताल का पर्यटन

नैनीताल : जिला पर्यटन अधिकारी अतुल भंडारी के अनुसार, किसी भी क्षेत्र का मौसम पर्यटन पर आधारित होता है। पूर्व में नैनीताल में शीतकाल में पड़ने वाली भीषण ठंड के कारण सैलानियों का आना तो दूर नगरवासी गर्म जलवायु वाले क्षेत्रों की ओर पलायन कर जाते थे। ढाई दशक पहले तक दिसंबर से फरवरी के बीच सरकारी दफ्तर भी मैदानी भागों में शिफ्ट हो जाया करते थे। मगर अब मौसम के हालात बदल चुके हैं। सरोवर नगरी में शीत के तापमान में वृद्धि के कारण सैलानियों की संख्या साल दर साल बढ़ रही है। यह वृद्धि भविष्य में भी जारी रहने की संभावना से कतई इंकार नहीं किया जा सकता है।

दिसंबर व जनवरी में सैलानियों की आमद

2021 जनवरी 32918, दिसंबर 36946
2022 जनवरी 23539 , दिसंबर 56909
2023 जनवरी 37960, दिसंबर 87198
2024 जनवरी 45191, दिसंबर 90058
2025 जनवरी 69908

शीत का तापमान अब पहले जैसा नहीं रहा

नैनीताल : आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ वायुमंडलीय वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह के अनुसार, नैनीताल में अब पहले जैसी ठंड नहीं रही। ढाई दशक पहले तक निचला तापमान शून्य डिग्री सेल्सियस के इर्द गिर्द रहा करता था और अधिकतम 12 डिग्री के करीब पहुंच पाता था, जो अब अधिकतम तापमान 25 डिग्री तक पहुंचने लगा है, जबकि न्यूनतम पांच डिग्री से अधिक ही रहता है। तापमान में वृद्धि से नगर के जीवन स्तर में सुधार आया है।

फॉरेस्ट फायर पर हाईकोर्ट में सुनवाई सरकार की भूमिका पर उठाए सवाल

हाईकोर्ट ने जंगलों में आग संबंधी याचिकाओं पर सुनवाई करते जतायी नाराजगी

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाइकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने नाराजगी जताते हुए कहा है कि प्रदेश के जंगलों में आग लगना (फॉरेस्ट फायर) एक फेस्टिवल (त्योहार) की तरह हो गया है। उसके बाद भी सरकार कोई ठोस कदम नहीं उठा पा रही है, जिसकी वजह से पर्यावरणीय क्षति के अलावा वन्य जीवों और आम नागरिकों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है जबकि कोर्ट वर्ष 2017 से सरकार का मार्गदर्शन करते हुए निर्देश दे रही है कि पूर्व के आदेशों का अनुपालन किया जाए।

फायर सीजन में प्रदेश के जंगलों में लगने वाली आग पर स्वतः संज्ञान जनहित याचिका सहित कई अन्य जनहित याचिकाओं पर शुक्रवार को एक साथ सुनवाई करते खंडपीठ ने आगे कहा कि, अभी तक सरकार उन निर्देशों का अनुपालन नहीं कर रही है। आगामी सोमवार तक सरकार कोर्ट को बताए कि पूर्व में दिए गए दिशा-निर्देशों पर कितना अमल किया गया। खंडपीठ ने चिंता जताते हुए कहा कि, आग लगने की वजह से उच्च हिमालयी क्षेत्रों का तापमान बढ़ने लगा है। राज्य में बादल फटने की वजह से जन-धन की हानि हो रही है। कोर्ट हर साल राज्य सरकार का मार्गदर्शन करती आई है लेकिन इसके बाद भी आग पर काबू पाने के लिए सरकार कोई ठोस उपाय ढूंढ नहीं पा रही है। अभी तक जो कदम सरकार द्वारा उठाए गए, वे भी कोर्ट के आदेश पर उठाए गए। आज भी कोर्ट सहित न्यायमित्र मैनाली ने इस पर काबू करने के लिए अपने सुझाव दिए।

फायर लाइन पर करें काम

कोर्ट ने अपने सुझाव में कहा कि उच्च हिमालयी क्षेत्रों में खाल बनायी जाएं। जो जल स्रोत हैं, उनका पानी खालों में जमा किया जाए। जहां पानी नहीं है, उनमें भी खालें बनाई जाएं। सभी खालों को एक-दूसरे से जोड़ा जाए जिससे फायर सीजन में उनका उपयोग फायर लाइन की तरह किया जा सके। न्यायमित्र की तरफ से कहा गया कि वर्ष 2021 से राज्य सरकार कोर्ट को आश्वासन देने के अलावा कुछ नहीं कर रही है।

हाईकोर्ट ने जारी की थी विस्तृत गाइड लाइन

हाईकोर्ट ने वर्ष 2021 में मुख्य समाचार पत्रों में प्रकाशित आग की खबरों पर स्वत: संज्ञान लिया था। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने भी इस पर काबू पाने के लिए मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजा था। हाईकोर्ट ने इनका संज्ञान लेकर कई दिशानिर्देश राज्य सरकार को जारी किए थे लेकिन अभी तक उन आदेशों का सही तरह से अनुपालन नहीं होने पर कोर्ट ने इस मामले को पुन: सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जबकि हाइकोर्ट ने वर्ष 2016 में भी जंगलों को आग से बचाने के लिए गाइड लाइन जारी की थी। कोर्ट ने अपने दिशानिर्देशों में कहा था कि गांव स्तर से ही आग बुझाने के लिए कमेटियां गठित की जाएं। नागरिकों में जागरूकता अपनाने के साथ-साथ अन्य कई निर्देश दिए थे जिस पर आज तक अमल नहीं किया गया।

याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट से राहत

नैनीताल : बागेश्वर नगर पालिका के प्रभारी अधिशासी अधिकारी (ईओ) के पद पर नियुक्ति के मामले में शुक्रवार को विवाद खत्म हो गया है। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता को राहत देते हुए बागेश्वर नगर पालिका के प्रभारी अधिशासी अधिकारी के पद पर नगर पालिका के अध्यक्ष की ओर से उठाए गए कदम पर रोक लगा दी है।

लौह पुरुष की सोच से आज भारत शक्तिशाली राष्ट्र की श्रेणी में: धामी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि लौह पुरुष, भारत रत्न, सरदार वल्लभभाई पटेल के अदम्य साहस, दूरदर्शिता और राष्ट्र समर्पण की भावना के कारण ही आज भारत एक शक्तिशाली और एकीकृत राष्ट्र के रूप में खड़ा है।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयन्ती के अवसर पर घंटाघर में उनकी मूर्ति पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी एवं एकता पदयात्रा का शुभारंभ कर उसमें प्रतिभाग भी किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वदेशी अपनाने और नशा मुक्त उत्तराखंड की शपथ भी दिलाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल का सम्पूर्ण जीवन देश की एकता और अखंडता को समर्पित था। उन्होंने 560 से अधिक रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर अखंड भारत का निर्माण किया। ऐसे महापुरुष के योगदान को नमन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 से उनकी जयंती को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया, जो उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि राज्यभर में 16 नवंबर तक प्रत्येक जिले के तीन स्थानों पर वॉकथॉन कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रत्येक आयोजन स्थल पर 8 से 10 किलोमीटर की पदयात्रा के साथ नशा मुक्त भारत, एक पेड़ मां के नाम तथा आत्मनिर्भर भारत जैसे जन-जागरूकता अभियानों को भी जोड़कर समाज में सकारात्मक संदेश देने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे सरदार पटेल के आदर्शों को आत्मसात करते हुए एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करने में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, गणेश जोशी, रेखा आर्या, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक खजानदास, सविता कपूर, जिलाधिकारी देहरादून सविन बंसल एवं एसएसपी अजय सिंह मौजूद रहे।

देहरादून में यूनिटी मार्च में प्रतिभाग करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी। ● अमृत विचार

- **मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजधानी में किया यूनिटी मार्च वॉकथॉन का शुभारंभ, सरदार पटेल को दी श्रद्धांजलि**

कौशलम प्रशिक्षण में स्थानीय उत्पादों से शिक्षकों ने तैयार किए कई उत्पाद

संवाददाता, भीमताल

कौशलम प्रशिक्षण शिविर में तैयार प्रोजेक्ट दिखाते शिक्षक। ● अमृत विचार

अमृत विचार: तीन दिवसीय कौशल आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम का खंड शिक्षा अधिकारी सभागार में समापन हो गया। मास्टर ट्रेनर डॉ. नीलम पांडे ने बताया कि, प्रशिक्षण की शुरुआत प्रातःकालीन माइंडफुलनेस और पिछले दिनों के प्रशिक्षण की आख्या प्रस्तुतीकरण के साथ की गई। इसमें कक्षा 10 के शिक्षकों के प्रत्येक समूह ने करियर काउंसलिंग से जुड़े विभिन्न पहलुओं को विस्तारपूर्वक समझाया। मास्टर ट्रेनर गौरी शंकर कांडपाल ने बताया कि, कक्षा 11 में अध्यापन करा रहे शिक्षकों ने कुछ तुम बेचो, कुछ हम खरीदें की अवधारणा पर आधारित अपने प्रोजेक्ट और प्रोडक्ट तैयार किए और सदन के समक्ष अपना प्रस्तुतीकरण रखा। प्रथम समूह ने स्थानीय उत्पादन तिमुर से दंतमंजन तैयार किया जबकि द्वितीय समूह ने पौराणिक लोक वाद्य यंत्रों और परंपराओं पर प्रोजेक्ट बनाया। कार्यक्रम के तृतीय सत्र में फीडबैक के दौरान सभी शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कौशलम कोऑर्डिनेटर दीपा रैकवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया। यहां अनुराधा, भावना, रेणुका बाला, चंद्र मोहन तिवारी, तारा दत्त, रिचा रानी, रश्मि गहतोड़ी, किरण भाटिया रहे।

भांजी से छेड़छाड़ के आरोपी की अग्रिम जमानत मंजूर

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: उत्तराखंड हाईकोर्ट ने बहन की पांच साल की बेटी के साथ छेड़छाड़ करने के आरोपी कनाडा निवासी एक व्यक्ति की अग्रिम जमानत याचिका मंजूर कर ली है ।

मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने पॉक्सो एक्ट के आरोपी पौड़ी गढ़वाल निवासी आरोपी, जो अब कनाडा में है, की याचिका पर सुनवाई की और याचिकाकर्ता के खिलाफ उत्पीड़न की कार्रवाई पर रोक लगा दी। उसके खिलाफ कोटद्वार थाने में उसी की बहन ने मुकदमा दर्ज कराया है। इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एएस रावत ने पैरवी की। खंडपीठ ने अपने आदेश में कोतवाली कोटद्वार को याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई भी उत्पीड़नात्मक कार्रवाई न करने को कहा है लेकिन याचिकाकर्ता संबंधित पुलिस के साथ सहयोग करेगा। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता कनाडा का स्थायी निवासी है और इसी कारण से याचिका सीधे हाईकोर्ट में दायर की गई, क्योंकि वह जिला अदालत में अधिवक्ता की सेवाएं लेने में असमर्थ था। इस तथ्य को न्यायालय ने भी स्वीकार किया और उसी के आलोक में मामले पर विचार किया। कोर्ट के समक्ष यह भी दलील दी गई कि याचिकाकर्ता के भारत आने का मुख्य उद्देश्य ही जांच अधिकारी के साथ सहयोग करना और सही एवं सच्चे तथ्य सामने रखना है। खंडपीठ ने याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए इस बयान को रिकॉर्ड पर रखा है।

- **मूल रूप से पौड़ी गढ़वाल निवासी आरोपी अब कनाडा में है**

हाईकोर्ट ने पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए

नैनीताल : बैलपड़ाव और रामनगर में गोमांस के आरोप में बीती 23 तारीख को हुई तोड़फोड़ के मामले में दूसरे वाहन स्वामी अल शिफा ट्रेडिंग कंपनी जिसके पिकअप में पुलिस चौकी बैलपड़ाव में तोड़फोड़ की गई थी, उनके द्वारा सुरक्षा के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। हाईकोर्ट ने मामले के वीडियो देखने के बाद पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। साथ ही, कोर्ट ने इस पहलू की जांच के लिए भी कहा है कि इस मामले में साजिशकर्ताओं द्वारा किसके व्यावसायिक हितों की पूर्ति की जा रही थी। कोर्ट का कहना था कि मामला वैचारिक न होकर व्यावसायिक प्रतिद्वंद्वियों की पीठ पीछे के खेल का लगता है। हाइकोर्ट ने नाकाम पुलिस कर्मियों, बैलपड़ाव इंचार्ज और कालाढूंगी एसओ की नाकामी पर भी जांच के लिए कहा है। अदालत ने कहा, जब वीडियो में आरोपियों के चेहरे साफ दिख रहे हैं तो पुलिस उनको अब तक गिरफ्तार क्यों नहीं कर पाई है। इसके साथ ही कोर्ट ने रामनगर के छोई में उस दिन भीड़ द्वारा पीटे गए दूसरे ड्राइवर की पत्नी नूरजहां के मामले के साथ सुनवाई के लिए सम्बद्ध करते हुए पुलिस से प्रोग्रेस रिपोर्ट मांगी है। साथ ही कालाढूंगी पुलिस को भी निर्देश दिया गया है कि यदि वैध मीट ट्रांसपोर्टर उन्हें 24 या 48 घंटे पहले अपने वाहन के गुजरने की सूचना देते हैं तो पुलिस चालक और क्लीनर की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। पुलिस की ओर से अधिवक्ता ने शेष अभियुक्तों को शीघ्र गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है और साथ में कोर्ट ने उस मुखबिर का पता लगाने को भी पुलिस से कहा जिसने भीड़ को गलत सूचना दे कर उकसाया था।

राजस्व गांव को केंद्र को भेजेंगे जल्द प्रस्ताव

नैनीताल : ऊधमसिंह नगर जिले के पिछले कई दशकों से राजस्व गांव की बाट जोह रहे तीन गांवों सिबिका, मिलक सिबिका और मनोरथपुर-तृतीय के मामले में राज्य सरकार केन्द्र सरकार को नया प्रस्ताव भेजेगी और केन्द्र सरकार से उनके मामले में जल्द निर्णय लेने का अनुरोध करेगी। सरकार की ओर से यह बात शुक्रवार को हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ के समक्ष कही गई। खंडपीठ में सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से कहा गया कि अक्टूबर में तीन गांवों का सर्वे कर लिया गया है। छह सप्ताह में केन्द्र सरकार को प्रस्ताव भेजकर जल्द ही कार्रवाई की मांग की जाएगी। इसके बाद अदालत ने सरकार को छह सप्ताह में अनुपालन रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

बाघों की गिनती को पार्क में दिया जाएगा प्रशिक्षण

संवाददाता, रामनगर

- **18-20 नवंबर तक आयोजित होगी कार्यशाला**

अमृत विचार: राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) द्वारा कराई जा रही बाघों की गिनती के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन राजा जी नेशनल पार्क में किया जाएगा।

यह जानकारी कॉर्बेट पार्क के निदेशक डॉ. साकेत बडोला ने दी है। उन्होंने बताया कि 18, 19 और 20 नवंबर को राजाजी नेशनल पार्क में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण द्वारा आयोजित ऑल इंडिया टाइगर एस्टीमेशन-2026 के तहत इस कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान के डीएफओ, एसडीओ, ट्रेनर और अन्य वन अधिकारी शामिल होंगे। चार फेज में होने वाली इस काउंटिंग में ट्रेनरों द्वारा बाघों की गिनती करने से संबंधित जानकारी दी जाएगी। उसके बाद ये सभी प्रदेशों के वन अधिकारी अपने-अपने प्रदेशों में बाघों की गिनती का काम करेंगे। बताते चलें कि विगत 2022 की गणना में कॉर्बेट पार्क में कुल 260 बाघ थे। विशेषज्ञों द्वारा अब बाघों के बढ़ने की उम्मीद है।

पर्यटन | विदेशी व स्वदेशी पर्यटकों की बुकिंग 24 जनवरी व 10 दिसंबर तक फुल

कॉर्बेट पैक, बाघों की दहाड़ का रोमांच बरकरार

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: कॉर्बेट पार्क का दिल कहे जाने वाले ढिकाला में बाघों की दहाड़ और हाथियों की चिंघाड़ सुनने के साथ ही, कुलांचे भरते हिरनों के झुंड, नाचते मयूरों के दृश्य देखने के लिए भारतीय और विदेशी पर्यटकों में कार्बेट पार्क आने का रोमांच और बेताबी बढ़ रही है। आलम यह है कि खुलने से पहले ही कार्बेट पार्क पूरी तरह से पर्यटकों के लिए पैक हो चला है।

पार्क वार्डन अमित गवासाकोटी के अनुसार, कॉर्बेट नेशनल पार्क के ढिकाला में विदेशी पर्यटकों के लिए हटमेंट के चार रूम आरक्षित रहते हैं जिसकी बुकिंग गेट खुलने से 90 दिन पूर्व ऑनलाइन शुरू हो जाती है। वर्तमान में 24 जनवरी तक विदेशी पर्यटक की एडवांस बुकिंग फुल हो चुकी है जबकि भारतीय पर्यटकों की बुकिंग गेट खुलने के 45 दिन पूर्व खोल दी जाती है जिसमें 10 दिसंबर 2025 तक भारतीय पर्यटकों की बुकिंग भी पूरी तरह से पैक हो गई है। विदेशी पर्यटकों के लिए केवल ढिकाला में चार रूम आरक्षित रहते हैं जबकि स्वदेशी पर्यटकों के लिए बिजरानी, ढिकाला, ढेला, झिरना, मलानी रेंज में रात्रि विश्राम की व्यवस्था है। बता दें कि पंद्रह नवंबर को कार्बेट का ढिकाला जोन खुलने जा रहा है। इसी दिन से पार्क के सभी पर्यटन जोनों में रात्रि विश्राम की व्यवस्था भी सुचारू हो जाती है। पर्यटन सीजन होने की वजह से जहां इन दिनों रिसॉर्ट स्वामियों के चेहरों पर चमक दिखाई दे रही है। वहीं, सभी को आगामी पर्यटन सीजन में बेहतर कारोबार की उम्मीद है।

मथुरा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान इनर व्हील क्लब हल्द्वानी की सदस्य।

इनर व्हील ने मथुरा में दिखाई उत्तराखंड की संस्कृति

हल्द्वानी : इनर व्हील क्लब हल्द्वानी के 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मथुरा में आयोजित डिस्ट्रिक्ट रैली में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर क्लब की सदस्याओं ने विभिन्न कार्यक्रमों में उत्तराखंड संस्कृति की शानदार प्रस्तुति दी, जो कन्या मान आदि पर आधारित रहीं। साथ ही, कई पुरस्कार भी अपनी झोली में डाले। प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से क्लब अध्यक्ष मधुर अग्रवाल, दीपा तिवारी, लिली सिंह, अमिता मेहरा, सुशीला भाकुनी, रीतू त्यागी, राशि कौशल, प्रीति दर्मवाल, आशा दर्मवाल, प्रतिभा मनराल, मंजूलता और रेखा दर्मवाल शामिल रहीं।

सिटी ब्रीफ

मौसम बदला, लगातार गिर रहा है तापमान

हल्द्वानी : मौसम में बदलाव की वजह से पारे में लगातार गिरावट आ रही है। हल्द्वानी के कुछ हिस्सों में शुक्रवार की सुबह के समय बहुत ही मामूली बूंदाबांदी भी हुई। शहर में अधिकतम तापमान 27 .8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20 .4 डिग्री रहा। मुक्तेश्वर में 20 .1 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10 .2 डिग्री रहा। पहाड़ों में दिन के समय चटक धूप निकल रही और लोग गुनगुनी धूप का आनंद ले रहे हैं। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के अनुसार अगले कुछ दिनों तक इसी तरह का मौसम बना रहेगा।

बागजाला के ग्रामीणों का धरना 75वें दिन भी जारी

हल्द्वानी : बागजाला के ग्रामीणों का आठ सूत्रीय मांगों को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुक्रवार को 75वें दिन भी जारी रहा। धरने पर बैठे ग्रामीणों की मुख्य मांगों में उन्हें काबिज भूमि पर मालिकाना हक देना, बागजाला को राजस्व गांव घोषित करना, क्षेत्र में निर्माण कार्यों पर लगी रोक हटाना, पेयजल योजना का काम शीघ्र पूरा करना, बिजली कनेक्शन पर लगी रोक हटाना और आगामी पंचायत चुनावों में सम्मिलित करना शामिल है। धरने में अखिल भारतीय किसान महासभा के प्रदेश अध्यक्ष आनन्द सिंह नेगी, महिला संगठन एपवा की नेता कामरेड विमला रौथाण, हरक सिंह बिष्ट रहे।

वन दरोगा की संदिग्ध हालात में मौत

कोटाबाग में तैनात थे, विभागीय आवास में गेट तोड़ा तो अचेत पड़े मिले, जांच शुरू

संवाददाता, हल्द्वानी/ शांतिपुरी

अमृत विचार : कोटाबाग में देचौरी रेंज अंतर्गत कल्याणपुर वन चौकी में तैनात वन दरोगा की शुक्रवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह मूलरूप के शांतिपुरी के निवासी थे।

पूरन चंद्र आर्या। (फाइल)

वन दरोगा पूरन चंद्र आर्या (46) गुरुवार रात रोजाना की तरह खाना खाने के बाद सोने चले गए थे। शुक्रवार सुबह वे काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं निकले। पहले तो साथियों ने सोचा कि शायद पूरन की तबीयत खराब है, वह देर तक सो रहे हैं लेकिन जब काफी देर तक उनके कमरे में हलचल नहीं हुई तो साथियों ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। अनहोनी की आशंका पर वनकर्मियों की सूचना पर पहुंची कोटाबाग पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो देखा कि पूरन अचेत पड़े हैं। उन्हें सीएचसी कोटाबाग ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

शांतिपुरी नंबर तीन स्थित आवास पर रोते बिलखते परिजन। ● अमृत विचार

चिकित्सकों ने हार्ट अटैक से मौत की संभावना जताई है। कोतवाल अमरचंद शर्मा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

उधर, पूरन चंद्र की मौत की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। पत्नी सीता देवी, पुत्र आयुष और पुत्री आकृति का रो-रोकर बुरा हाल है। पुत्र आयुष ने बताया कि छह माह पूर्व ही पिता का ट्रांसफर तराई पूर्वी वन प्रभाग डोली रेंज, लालकुआं से कोटाबाग हुआ था। शुक्रवार दोपहर बाद वन दरोगा का अंतिम संस्कार गौला नदी के इमलीघाट पर किया गया।

दिसंबर में भी हुई थी 1 वन दरोगा की मौत

पिछले साल दिसंबर में टांडा रेंज कार्यालय में तैनात वन दरोगा ललित मोहन जोशी की सड़क दुर्घटना में हुई मौत हो गई थी। मामले में पुलिस ने अब अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था। वह मूलरूप से जज फार्म हल्द्वानी के रहने वाले थे। वहीं, गौला रेंज में फायर वाचर के पद पर कार्यरत 43 वर्षीय वनकर्मी मोहन सिंह संभल का अप्रैल में संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका शव मिला था।

मध्य प्रदेश से पहुंचे मामा, छोटे भाई की हालत नाजुक

हल्द्वानी : मध्य प्रदेश निवासी सगे दो भाईयों ने हल्द्वानी में आकर बुधवार को जंगल में सल्फास खा लिया था। 22 वर्षीय शिवेश मिश्रा की मौत हो गई और छोटा भाई 21 वर्षीय बृजेश मिश्रा का एसटीएच में उपचार चल रहा है। सूचना मिलने पर शुक्रवार को उनका मामा सुरेंद्र पांडे हल्द्वानी पहुंचा। उसकी मौजूदगी में पुलिस ने शिवेश का पंचनामा भरा। सुरेंद्र ने बताया कि माता-पिता के जाने के बाद दोनों भाईयों के दादा-दादी और बुआ उन्हें काफी परेशान करते थे। हर समय घर में क्लेश होता रहता था। जिस वजह से दोनों ही भाई परेशान रहते थे। उन्होंने घर में बताया था कि वे दोनों काम ढूंढने के लिए पुणे जा रहे हैं और 26 अक्टूबर को घर से निकल गए। किसी को नहीं पता था कि वे लोग पुणे नहीं बल्कि काठगोदाम आ रहे हैं। इधर एसटीएच के एमएस डॉ. अरुण जोशी ने बताया कि छोटा भाई बृजेश अब बात भी कर रहा है। जब उसके मामा आए, तब उसने अपने मामा से भी बात की। बताया कि फिलहाल उसकी स्थिति ठीक है लेकिन सल्फास के मामलों में काफी लंबे समय तक मरीज पर नजर रखनी होती है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। पुलिस दूसरे भाई की तबीयत पर भी नजर बनाए हुए है।

युवती से छेड़छाड़ के तीनों आरोपी दबोचे

लालकुआं : पुलिस ने मुख्य बाजार में महिला से छेड़छाड़ करने के तीनों आरोपियों को स्कॉर्पियो समेत गिरफ्तार कर लिया है। तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक बीएम सिंह राणा गुरुवार की रात करीब 11 बजे महिला अपनी भांजी के साथ बाजार से घर जा रही थी कि तभी शिव मंदिर के पास किच्छा की ओर से आ रही स्कॉर्पियो में बैठे युवकों ने उसके साथ छेड़छाड़ कर दी। इस पर महिला ने विरोध किया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज दो घंटे में तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी शिनाख्त चंदन आर्या (21) पुत्र सुरेश राम, अनिल आर्या (26) पुत्र मोहन राम, विनोद आर्या (30) पुत्र चतुर राम निवासी कार रोड बिन्दुखत्ता शामिल हैं। घटना में इस्तेमाल वाहन को सीज कर दिया है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने तीनों के खिलाफ बीएनएस की धारा 75(ii)/76/78(i) में केस दर्ज कर लिया है। इसकी जांच एसआई वंदना चौहान को सौंपी गई। गिरफ्तार करने वाली टीम में एसआई शंकर नयाल, कांस्टेबल गुरमेज सिंह, गणेश गिरी, प्रहलाद सिंह, और खीम सिंह दानू थे।

झपटमारी के आरोप में पकड़े गए आरोपी। ● अमृत विचार

वृद्ध से झपटमारी करने वाले दोनों आरोपी पकड़े

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : पुलिस ने सरेराह वृद्ध से झपटमारी करने वाले दो आरोपियों को दबोच लिया है। दोनों आरोपी के नशे के आदी हैं।

गुरुवार को ढूनामानी, मुनस्यारी जिला पिथौरागढ़ निवासी ललित सिंह भण्डारी (61) ने बताया कि वह जम्मू से पिथौरागढ के लिये जा रहे थे। रोडवेज स्टेशन हल्द्वानी पर वह सुबह करीब 6:30 बजे नैनीताल तिराहे की ओर को गए। अचानक दो लोग उनके पास पहुंचे और उनकी जेब से मोबाइल और 25000 रूपये छीनकर भाग गए। पुलिस ने मामला दर्ज किया और आरोपियों की तलाश शुरू की। शुक्रवार को रामलीला ग्राउंड हल्द्वानी के अन्दर मंच के पीछे सीढ़ियों के पास से दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। उनके पास से छीना गया मोबाइल भी बरामद हुआ। पुलिस ने बताया कि दोनों ही पुराने अपराधी हैं और नशा करते हैं। नशे की लत की वजह से ही ये दोनों झपटमारी भी करते हैं। पुलिस को आरोपियों ने अपना नाम आकाश कुमार (28) निवासी कालिका कालोनी, चौफुला चौराहा, दमुवाढूंगा हल्द्वानी और अजीम अली (28) निवासी गोलागेट, टनकपुर रोड, जवाहर नगर बताया है।

पुलिस के अनुसार दोनों के ऊपर पूर्व में लूट, एनडीपीएस और अवैध शस्त्र जैसे गंभीर अपराध दर्ज हैं।

देवलचौड़ खाम पेयजल योजना से 700 परिवारों को होगा लाभ

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत ने शुक्रवार को देवलचौड़ खाम पेयजल योजना का लोकार्पण किया। विधायक भगत ने विगत माह आवास पर हुई जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को 31 अक्टूबर तक इस योजना का लोकार्पण के सख्त निर्देश दिए थे, जिसे शुक्रवार को पूरा किया गया। आनंदलोक कॉलोनी, देवलचौड़ बंदोबस्ती में हुए लोकार्पण कार्यक्रम में स्थानीय जनता और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। विधायक भगत ने बताया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत 458.37 लाख रुपये से देवलचौड़ खाम पेयजल योजना बनाई गई है। योजना के मुख्य कार्यों में 800 एलपीएम का एक नलकूप, पम्प हाउस व बाउंड्री का निर्माण, 100 केएल क्षमता वाला ओवरहैड टैंक और 15.5 किलोमीटर लंबी पाइप लाइन बिछाने के काम शामिल हैं। विधायक भगत ने बताया कि इस महत्वपूर्ण योजना का सीधा लाभ क्षेत्र के लगभग 700 परिवारों को मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मूलभूत सुविधाओं को हर घर तक पहुंचाने के संकल्प के साथ कार्य किया जा रहा है। जिस प्रकार पूर्व में हर गांव को बिजली से जोड़ा गया, उसी तरह अब जल जीवन मिशन के माध्यम से हर घर जल से जोड़ा जा रहा है। इस दौरान आनंद दरम्वाल, भुवन आर्या, नवीन जोशी, रेबाधर बृजवासी, बीडीसी सदस्य नेहा गोस्वामी, प्रधान किशन दरमवाल, समरपाल चौधरी, राहुल पाठक, अवध बिहारी, अनिल मिश्रा रहे।

विधयक भगत पेयजल योजना का लोकार्पण करते हुए। ● अमृत विचार

सड़क किनारे खड़े स्कूटी सवार को बस ने कुचला

संवाददाता, हल्द्वानी

- बेस अस्पताल के सामने हुआ हादसा
- जब तक अस्पताल लेकर गए तब तक हो चुकी थी मौत

अमृत विचार: बनभूलपुरा निवासी एक व्यक्ति की स्कूटी रास्ते में खराब हो गई। वह स्कूटी को सड़क किनारे खड़ी करके किसी सवारी का इंतजार करने लगे लेकिन इतने में एक बस ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी चालक ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

वजीर अहमद निवासी काबुल का बगीचा, इंद्रानगर, बनभूलपुरा बुधवार की सुबह 7.30 बजे अपने बच्चे को स्कूल छोड़ने स्कूटी से गए थे। वापसी में सोबन सिंह जीना अस्पताल के पास उनकी स्कूटी खराब होकर बंद हो गई। उन्होंने बहुत प्रयास किया लेकिन स्कूटी स्टार्ट नहीं हुई। बेस अस्पताल के पास सड़क किनारे उन्होंने अपनी स्कूटी को खड़ा कर दिया और किसी सवार की इंतजार करने लगे। इतने में रोडवेज बस स्टेशन की तरफ से एक बस संख्या यूके 06 पीए 0969 आ रही थी।

आरोप है कि बस चालक बस को तेजी और लापरवाही के साथ चला रहा था और वजीर को टक्कर मार दी। घटना में वजीर के सिर में गंभीर चोटें आईं और लोग उन्हें उपचार के लिए एसटीएच लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने वजीर के भाई अमीर अहमद निवासी इंद्रानगर की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। साथ ही बस चालक व वाहन की तलाश की जा रही है

सड़क के गड्ढे को लेकर भाजपा-कांग्रेस में छिड़ी जुबानी जंग

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : विधानसभा चुनाव शुरू होने में अब एक साल और तीन माह का ही समय रह गया है। ऐसे में कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र में राजनीति की जंग तेज हो गई है। यहां के क्षत्रप और कालाढूंगी सीट बनने के बाद से अभी तक विजय हुए विधायक बंशीधर भगत के सामने कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता नीरज तिवारी ने मोर्चा खोल दिया है। इस लड़ाई में एक एंट्री भाजपा प्रदेश प्रवक्ता और विधायक भगत के बेटे विकास की भी हुई है। अब दोनों ही पक्षों में खुली जुबानी जंग चल रही है।

गुरुवार को कठघरिया क्षेत्र में सड़कों की दुर्दशा को लेकर स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन किया था। यहां कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता नीरज तिवाड़ी भी रहे। इस दौरान विकास भगत ने भी एंट्री मार ली और दोनों में आपस में खूब कहासुनी हुई। अब विधायक बंशीधर ने भी मोर्चा संभाला है और कहा है कि चुनाव से पहले बरसाती मेंढक बाहर आ गए हैं और टर्र-टर्र कर रहे हैं। यह निशाना सीधे नीरज तिवारी के ऊपर लगाया गया है। नीरज तिवाड़ी ने इसका उत्तर दिया है और कहा कि चकलुवा, गैबुआ, कोटाबाग में सड़कों में गड्ढे हैं और इनमें पानी भर जाते हैं। लोगों ने इन गड्ढों में पौधे तक लगाए गए हैं। इसलिए विधायक यह ध्यान रखें कि कहीं इन गड्ढों में ये मेढक घर न बना लें। उल्लेखनीय है कि इससे पहले विधायक भगत का कुछ ग्रामीण महिलाओं के साथ कहासुनी का भी वीडियो वायरल हुआ था। इसके बाद लगातार वह चर्चाओं में चल रहे हैं।

नीरज तिवारी की है दावेदारी

हल्द्वानी : कद्दावर नेता महेश शर्मा के कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद नीरज तिवारी इस सीट से कांग्रेस के टिकट के लिए दावेदारी कर रहे हैं हालांकि यह सीट भाजपा का सुरक्षित गढ़ मानी जाती है। इस सीट के बनने के बाद से आज तक इस पर कभी भी भाजपा नहीं हारी है। अभी हाल ही में हुए मेयर के चुनाव में हल्द्वानी मेयर गजराज बिष्ट हल्द्वानी विधानसभा सीट के अंतर्गत आने वाले शहरी निकाय क्षेत्र में कांग्रेस से पीछे रहे थे। उनको निर्णायक जीत उस क्षेत्र से मिली थी जो कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र का जो हिस्सा शहरी निकाय क्षेत्र में आता है।

बिना लाइट के सड़कों पर नहीं चलेंगे ई-रिक्शा : रावत

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत ने परिवहन विभाग को दिए आदेश

अमृत विचार : सड़कों पर अंधेरे में ई-रिक्शा के बिना लाइट्स के चलने की शिकायतों पर आयुक्त दीपक रावत सख्त हो गए। उन्होंने परिवहन विभाग को निर्देश दिए कि एक भी ई-रिक्शा बिना लाइट संचालित नहीं होना चाहिए।

आयुक्त रावत ने बताया कि नैनीताल व हल्द्वानी में ई-रिक्शा के बिना लाइट के चलने की शिकायतें मिल रही थीं। इससे रात में ई-रिक्शा से टक्कर हो रही थीं। इसको देखते हुए नैनीताल में औचक निरीक्षण किया, पांच ई-रिक्शा बिना लाइट के सड़कों पर दौड़ते मिले। उन्होंने ने इन वाहनों का चालान करवाया। उन्होंने परिवहन विभाग को निर्देश दिए कि बिना लाइट के कोई भी ई-रिक्शा को सड़क पर संचालित नहीं होने दिया जाए। सड़क सुरक्षा के मद्देनजर यह गंभीर विषय है इसलिए राजस्व, पुलिस एवं परिवहन विभाग संयुक्त रूप से निरंतर चेकिंग अभियान चलाकर बिना लाइट के चलने वाले ई-रिक्शाओं के खिलाफ कार्रवाई करें।

खनन श्रमिकों से जुड़े प्रस्तावों को दें प्राथमिकता

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : डीएम ललित मोहन रयाल ने शुक्रवार को नैनीताल रोड स्थित कैंप कार्यालय में जिला खनन न्यास निधि में प्राप्त प्रस्तावों को लेकर बैठक की। उन्होंने कहा कि खनन न्यास निधि से प्राथमिकता खनन प्रभावित क्षेत्रों में खनन श्रमिकों व परिजनों के हित में हो। उनके बच्चों को शिक्षा एवं खेल संसाधन, महिलाओं व बच्चों के पोषण मिले, इस पर ध्यान दिया जाए।

डीएम ने कहा कि खनन न्यास निधि की धनराशि का उपयोग खनन प्रभावित क्षेत्रों में ही किया जाएगा। इस के लिए पेयजल, प्रदूषण नियंत्रण, स्वास्थ्य व शिक्षा व्यवस्था में सुधार के अतिरिक्त प्रभावित क्षेत्रों में स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने को कौशल विकास प्रशिक्षण, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन संबंधित योजनाओं को प्रस्तावित करें। उन्होंने कहा कि खनन प्रभावित क्षेत्रों में क्रशरों के संचालन से प्रदूषण से ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके प्रभावी नियंत्रण को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड प्रस्ताव उपलब्ध कराएं। प्रस्तावों पर जनप्रतिनिधियों से भी वार्ता की जाए। इस दौरान सीडीओ अनामिका, एडीएम विवेक राय व शैलेन्द्र नेगी, नगर आयुक्त परितोष वर्मा, डीडीए विजय नाथ शुक्ला, खान अधिकारी ताजवर सिंह रहे।

कैंप कार्यालय में जिला खनन न्यास के प्रस्तावों को लेकर बैठक करते डीएम ललित मोहन रयाल। ● अमृत विचार

शिक्षकों को बताए करियर काउंसलिंग के गुर

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : तीन दिवसीय कौशल आधारित प्रशिक्षण का समापन शुक्रवार को खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय धारी के सभागार में हुआ। मास्टर ट्रेनर डॉ. नीलम पांडे ने प्रशिक्षण रिपोर्ट व अन्य गतिविधियों के बारे में बताया। इस दौरान कक्षा 10 के शिक्षकों के प्रत्येक ग्रुप की ओर से करियर काउंसलिंग से जुड़े विभिन्न पहलुओं और करियर क्षेत्र में विभिन्न संभावनाओं के बारे में बताया। मास्टर ट्रेनर गौरी शंकर कांडपाल ने बताया कि कक्षा 11 में पढ़ाने वाले शिक्षकों ने कुछ तुम बेचो, कुछ हम खरीदें की अवधारणा पर आधारित प्रोजेक्ट और प्रोडक्ट तैयार किया और सदन के समक्ष रखा। प्रथम ग्रुप ने स्थानीय उत्पाद तिमुर के दंत मंजन, द्वितीय ग्रुप के पौराणिक लोक वाद्य यंत्रों और परंपराओं का प्रोजेक्ट तैयार किया। तृतीय ग्रुप की ओर से स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप कपड़ों को सिलकर उस क्षेत्र में सिलाई-कढ़ाई के संभावनाओं पर करियर तलाशने को विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में तृतीय सत्र में फीडबैक में सभी शिक्षकों ने हिस्सा लिया।

आरोप | उत्तराखंड मुक्त विवि के स्थापना दिवस समारोह में कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने पूर्व सीएम हरीश रावत को बताया भ्रष्टाचार का दूसरा नाम

यूओयू पहुंचे काबीना मंत्री उनियान का पूर्व सीएम रावत पर तीखा प्रहार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने शुक्रवार को अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भ्रष्टाचार का दूसरा नाम हरीश रावत है।

मंत्री उनियाल ने पूर्व मुख्यमंत्री रावत पर हमला कर राजनीतिक माहौल को गरमा दिया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि, जिस व्यक्ति के शासनकाल में विधायकों की खरीद-फरोख्त का खुला खेल हुआ हो, उसे भ्रष्टाचार पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार पारदर्शिता और जनसेवा के सिद्धांत पर काम कर रही है, जबकि पिछली कांग्रेस सरकारों में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद चरम पर था।

उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश लगातार विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। कहा कि यह पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है कि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) ने न केवल राज्य में बल्कि देश और विदेश में भी अपनी विशेष पहचान स्थापित की है।

यूओयू की स्थापना दिवस के अवसर पर शुक्रवार को विश्वविद्यालय परिसर में समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं और विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों की सराहना की। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना को 20 वर्ष पूरे हो चुके हैं। इस मौके पर परिसर में भाषा, साहित्य और संस्कृति का संगम देखने को मिला। साथ ही पुस्तक मेले का आयोजन भी किया गया, जिसमें प्रदेशभर से आए साहित्यकारों, विद्यार्थियों और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति, प्राध्यापक, विद्यार्थी और शहर के गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर साहित्यकारों को सम्मानित किया गया और विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का लोकार्पण भी किया गया।

यूओयू में आयोजित समारोह को संबोधित करते कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल।

पूर्व सीएम रावत का आरोप-इंदिरा गांधी के बलिदान को भाजपा द्वारा कमतर दिखाने की कोशिश

देहरादून : पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने शुक्रवार को भाजपा पर आरोप लगाया कि वह राजनीतिक स्वार्थ के चलते पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बलिदान को कमतर दिखाने की कोशिश कर रही है। रावत ने कहा कि भारतीय इतिहास में सरदार वल्लभभाई पटेल, जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी, तीनों का अपना-अपना योगदान है तथा सभी महापुरुष हैं। जब आप अपने ऐतिहासिक व्यक्तित्वों को एक-दूसरे से टकराने की कोशिश करते हैं, तो देश का सम्मान घटता है। रावत ने कहा, अगर आप सरदार पटेल के व्यक्तित्व को सामने रखकर इंदिरा गांधी के बलिदान को छोटा दिखाने की कोशिश करते हैं तो इससे पटेल की महानता भी कम होती है। सरदार पटेल इंदिरा गांधी के लिए भी उतने ही आदरणीय थे जितनी इंदिरा गांधी हमारे लिए हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि ऐसा करके भाजपा अपने राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति तो कर लेगी लेकिन इससे देश, समाज और भारतीयता का हित नहीं होगा।

नगर निगम कार्यालय में नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने अधिकारियों के साथ बैठक की।

अतिक्रमण चिन्हित कर ध्वस्त करें, प्राथमिकता शनि बाजार नाला निर्माण से हो : परितोष वर्मा

हल्द्वानी, अमृत विचार : नगर निगम ने अतिक्रमण को लेकर रणनीति तैयार की है। नगर निगम ने लोनिवि, यूयूएसडीए को अतिक्रमण चिन्हित कर ध्वस्तीकरण के लिए कहा है। शुक्रवार को नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने लोनिवि, यूयूएसडीए के अधिकारियों के साथ बैठक की। हुई बैठक में शनि बाजार नाले को अतिक्रमण मुक्त कराते हुए नाला निर्माण, तीनपानी से नरीमन चौराहे तक सड़क चौड़ीकरण और कालू सिद्ध मंदिर से कठघरिया चौराहे तक सड़क चौड़ीकरण के संबंध में चर्चा हुई। नगर आयुक्त वर्मा ने शनि बाजार नाला निर्माण के लिए अतिक्रमण चिह्नित कर अतिक्रमणकारियों को हटाने और प्राथमिकता पर नाला निर्माण किए जाने के निर्देश दिए। पूर्व में रकसिया नाले से भी अतिक्रमण हटाकर नाला निर्माण किया गया जो अब लगभग पूरा होने की स्थिति में है। इसके अलावा तीन पानी से नरीमन चौराहा और कालू सिद्ध मंदिर से कठघरिया चौराहा मार्ग चौड़ीकरण के लिए संयुक्त सर्वे कर अतिक्रमण चिह्नित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में लोनिवि ईई प्रत्यूष सिंह, प्रबंधक कुलदीप सिंह, एई ललित तिवारी आदि रहे।

सिटी ब्रीफ

होटल का सीवर झील में बहाने का आरोप

भीमताल : हल्द्वानी-भीमताल मोटर मार्ग स्थित एक होटल प्रबंधन द्वारा होटल के सीवर लाइन को नाली के माध्यम से भीमताल झील में छोड़ देने का मामला प्रकाश में आया है। यहां से गुजरने वाले राहगीरों ने बताया कि सीवर मोटर मार्ग को पार कर सीधे झील में समाती रही। प्रभावित लोगों ने जल संस्थान के अधिकारियों से इस प्रकार के सीवर को नालियों के माध्यम से झील पर छोड़ने वालों के खिलाफ चालानी कार्यवाही करने की मांग की है। इस संबध में अवर अभियंता जल संस्थान हर्षित कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है। कार्रवाई की जा रही है।

आज से पर्यटकों के लिए खुलेगी कॉर्बेट हैरिटैज जंगल सफारी

कालाढूंगी : रामनगर वन प्रभाग के कालाढूंगी रेंज के अंतर्गत कॉर्बेट हैरिटैज जंगल सफारी पर्यटकों के लिए आज शनिवार से खुल जायेगी। डिप्टी रेंजर भूपेन्द्र बिष्ट ने बताया कि शनिवार को 10 बजे मुख्य अतिथि विधायक बंशीधर भगत इसका उद्घाटन करेंगे। बरसाती नाले व बौर नदी के अधिक बहाव से मार्ग कई जगह क्षतिग्रस्त होने से 20 दिन बाद खुल रहा है। विधायक बंशीधर भगत व भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत के प्रयासों से पिछले साल खुला हैरिटेज जंगल सफारी एक नया पर्यटन जोन है जो प्रसिद्ध शिकारी व संरक्षणवादी जिम कॉर्बेट की जीवन व विरासत से जुडा है। कॉर्बेट हेरिटेज सफारी कालाढूंगी व पवलगढ़ रेंज के अंतर्गत बनी है जिसमें बाघ, तेदुआ, हाथी, हिरण, भालू व 300 से अधिक प्रजातियों के पक्षी पाए जाते हैं। पर्यटकों घने जंगल, घास के मैदान व नदियों के सुंदर दृश्यों का अनुभव कराती है। जंगल सफारी खुलने से कालाढूंगी को पर्यटन क्षेत्र में नई पहचान मिली है। जिससे पर्यटन के साथ स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिल रहा है।

योगीराज हंस महाराज की जयंती पर होगा भव्य समारोह

हल्दूचौड़ : योगीराज हंस महाराज की 125वीं पावन जयंती पूरे देशभर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई जा रही है। इसी क्रम में हल्द्वानी के उषा रूपक कॉलोनी, कुसुमखेड़ा स्थित मानव धर्म आश्रम में भी 2 नवंबर को भव्य आयोजन किया जाएगा। आश्रम की प्रबंधक प्रचारिका बाई जी ने बताया कि 2 नवंबर को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक सद्भावना सत्संग होगा, जिसके उपरांत महाप्रसाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर अनेक संत-महात्माओं का सानिध्य प्राप्त होगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर जयंती महोत्सव को सफल बनाने की अपी ल की है।

एसडीएम ने आपदा के कार्यों का किया निरीक्षण

कालाढूंगी : शुक्रवार को अपर जिलाधिकारी शैलेंद्र सिंह नेगी ने कोटाबाग विकासखंड क्षेत्र में चल रहे आपदा के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। अपर जिलाधिकारी नेगी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं पुनर्निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए, ताकि आम जनता को शीघ्र राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि कार्यों की निरंतर निगरानी की जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।इस दौरान खंड विकास अधिकारी श्वेता सैनी लोक निर्माण विभाग एवं सिंचाई विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामीण इलाकों को प्राधिकरण में शामिल करने के विरोध में प्रदर्शन

आक्रोशित ग्रामीणों ने एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री धामी को ज्ञापन भेजा

संवाददाता, कालाढूंगी

ग्रामीण क्षेत्रों को प्राधिकरण में शामिल करने के विरोध में नारेबाजी करते ग्रामीण। • अमृत विचार

अमृत विचार: सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों को विकास प्राधिकरण में शामिल किए जाने का विरोध करते हुए ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। किसानों ने प्राधिकरण के विरोध में नारेबाजी कर अपना रोष जताया। ग्रामीणों ने कहा कि प्राधिकरण में शामिल किए जाने से उन्हें भवन निर्माण करने में बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के जिलाध्यक्ष भगवान सिंह रौतेला के नेतृत्व में बैलपड़ाव क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक किसानों ने तहसील परिसर में पहुंचकर अपना विरोध जताया। ग्रामीणों ने प्रदेश सरकार होश में आओ और जिला विकास प्राधिकरण रद्द करो के नारे लगाए। एसडीएम बिपिन चंद्र पंत को ज्ञापन सौंपते हुए भाकियू के जिलाध्यक्ष भगवान रौतेला ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी और गरीबी एक बड़ी समस्या है। विकास प्राधिकरण स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा करने के बजाय, केंद्रीकृत योजनाओं पर अधिक ध्यान केंद्रित करेंगे, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नुकसान हो सकता है।

पूर्व ग्राम प्रधान पीयूष बिष्ट ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों को विकास प्राधिकरणों में शामिल होने पर खराब बुनियादी ढाँचा, सीमित आर्थिक अवसर, और विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन में भ्रष्टाचार की संभावना हो सकती है, साथ ही पंचायती राज संस्थाओं की स्वायत्तता खत्म हो सकती है। इससे ग्राम पंचायतें केवल एक पर्यवेक्षक की भूमिका में रह जाएंगी, और स्थानीय विकास के निर्णय लेने की शक्ति एक केंद्रीय प्राधिकरण के पास चली जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी खराब सड़कों, बिजली और डिजिटल कनेक्टिविटी जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी है और विकास प्राधिकरणों को इनमें सुधार करने की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा, सरकार ग्रामीण क्षेत्रों से प्राधिकरण नहीं हटाएगी तो हम लोग आंदोलन को बाध्य होंगे। सामाजिक कार्यकर्ता अजय रौतेला, पंकज बेलवाल, विपिन गोस्वामी, नरेंद्र अधिकारी, ललित छिम्वाल, जतिन रौतेला, चंदन मनराल, निर्मल सिंह, पुष्कर नेगी, संजय बिष्ट, हरीश तिवारी, पंकज पांडे सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

बौद्धिक संपदा अधिकार एवं गुणवत्ता पर मंथन

रामनगर: पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामनगर के बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ के तत्वावधान में उच्च शिक्षा में बौद्धिक संपदा अधिकार एवं गुणवत्ता का पारस्परिक संबंध विषय पर एक दिवसीय बौद्धिक संगोष्ठी का ऑनलाइन आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मोहन चंद्र पांडे ने किया। उन्होंने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार आधुनिक शिक्षा और अनुसंधान का आधार है। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता तभी बढ़ सकती है जब छात्र और शोधकर्ता अपने विचारों, आविष्कारों और रचनात्मक कार्यों को सुरक्षित रख सकें। मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व निदेशक उच्च शिक्षा प्रो. सीडी सूंठा ने कहा कि आज के ज्ञान-आधारित समाज में बौद्धिक संपदा अधिकार नवाचार और मौलिकता को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को चाहिए कि वे अपने शिक्षार्थियों को इस विषय के प्रति संवेदनशील बनाएं ताकि शोध में गुणवत्ता और मौलिकता दोनों सुनिश्चित हो सकें। कार्यक्रम में बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. पवन टम्टा, सदस्य डॉ. सुभाष पोखरियाल, डॉ. योगेश चंद्र, डॉ. शंकर मंडल सहित रामनगर महाविद्यालय व अन्य संस्थाओं के प्राध्यापक व छात्रों ने भाग लिया।

रामनगर में चार सूत्रीय मांगों को लेकर बैठक करते लोग। • अमृत विचार

मांगों को लेकर सामूहिक उपवास का किया ऐलान

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: रामनगर क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक संगठनों ने आगामी 6 नवंबर को 4 सूत्रीय मांगों को लेकर रामनगर तहसील परिसर में सामूहिक उपवास की घोषणा की है।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि हमने शासन व प्रशासन के समक्ष विगत 23 अक्टूबर को बैल पड़ाव एवं छोई क्षेत्र में बड़े का मीट लेकर आ रहे वाहन चालक नासिर व अन्य को जान से मारने का प्रयास करने वाले भाजपा समर्थित गुंडा तत्वों को गिरफ्तार करने, घायल वाहन चालक नासिर को 10 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग की थी लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। वक्ताओं ने कहा कि उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने 29 अक्टूबर को सुनवाई के दौरान पुलिस प्रशासन को माब लिंचिंग मामले में तहसीन पूनावाला केस में दिये गये दिशा निर्देश का अनुपालन करने को कहा है। बैठक में महिलाओं के साथ बढ़ रहे अपराधों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सभी ने रामनगर में हुई गैंगरेप की घटना की कड़े शब्दों में निन्दा की। बैठक में मुनीष कुमार, कैसर राना, जिशान कुरेशी, जगमोहन रावत, मौ. नबी अंसारी, रोहित रुहेला आदि लोग शामिल रहे।

धान की फसल काटते एडीएम शैलेंद्र नेगी, एसडीएम बिपिन चंद पंत व अन्य अधिकारी।

एसडीएम नेगी ने की बैलपड़ाव में धान की क्राप कटिंग

कालाढूंगी : तहसील कालाढूंगी के ग्राम हिम्मतपुर बैलपड़ाव में एसडीएम शैलेन्द्र नेगी, एसडीएम बिपिन चंद्र पंत ने प्रशासन के साथ शुक्रवार को धान की फसल की क्रॉप कटिंग की। 43 .402 स्कवायर मीटर में 29 किलोग्राम धान की पैदावर मिली। प्रति हेक्टेयर 67 क्विंटल धान की पैदावार हुई है। क्षेत्र में धान की बेहतर पैदावार होने की उम्मीद है। एसडीएम शैलेन्द्र नेगी ने शुक्रवार को एसडीएम बिपिन चंद्र पंत, तहसीलदार मनीषा मारकाना, राज्स्व अधिकारीयों के साथ किसान मुन्नीदेवी के खेत में धान की फसल की क्रॉप कटिंग कर धान की पैदावार का आकलन किया। अपर जिलाधिकारी शैलेन्द्र नेगी ने बताया कि क्रॉप कटिंग प्रक्रिया के माध्यम से फसल उत्पादन के सटीक आंकड़े प्राप्त होते हैं। ये आंकड़े राष्ट्रीय सांख्यिकी सर्वेक्षण में भी शामिल किए जाते हैं।इस दौरान अपर सांख्यिकी अधिकारी मीना नेगी, राजस्व उप निरीक्षक तारा चन्द्र घिल्डियाल, जीवन चन्द्र, रजिस्ट्रार कानूनगो मनोज कुमार जोशी, स्थानीय किसान पंकज नेगी, इन्द्र सिंह नेगी एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

वीवीआईपी हर वर्ष पहुंचे तो सड़कें रहेंगी चकाचक

नैनीताल: शहर में तीन और चार नवंबर को राष्ट्रपति के आगमन पर विभाग सड़क के गड्ढों को भरने और दीवारों को रंगने में जुट गए हैं। महीनों से गड्ढे वाली सड़कें दो दिन में गड्ढा मुक्त हो गई हैं। जिसे देख लोग चर्चा कर रहे हैं कि वीवीआईपी का दौरा हर साल हो तो सड़कों पर एक भी गड्ढा नहीं होगा। बता दें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नैनीताल दौरे को लेकर जिला प्रशासन तैयारियों में जुटा है। डीएम ललित मोहन रयाल ने बीते रोज विभिन्न विभागों के अधिकारियों को व्यवस्थाएं चाक चौबंद करने के निर्देश दिए। इसे लेकर विभाग ने राष्ट्रपति के आगमन से पूर्व अपना कार्य शुरू कर दिया है। लोनिवि के ईई रत्नेश सक्सेना ने बताया कि सड़कों में उभरे गड्ढों पर पैच कर दिया गया है। वहीं एनएच के एई प्रमोद सुयाल ने बताया कि ज्योलीकोट से बल्दियाखान के बीच के पैच भरे जा रहे हैं।

सीधी भर्ती परीक्षा स्थगित होने पर आतिशबाजी

संवाददाता, रामनगर

प्रधानाचार्य सीधी भर्ती परीक्षा स्थगित होने पर आतिशबाजी करते शिक्षक। • अमृत विचार

अमृत विचार: राजकीय इंटर कॉलेजों के प्रधानाचार्यों के लिए होने वाली सीधी भर्ती परीक्षा निरस्त किए जाने पर शिक्षकों ने आतिशबाजी कर अपनी खुशी का इजहार किया।

राजकीय इंटर कॉलेज ढेला में हुए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संगठन के प्रांतीय नेता नवेंदु मठपाल ने कहा, "संगठन विगत एक वर्ष से भी अधिक समय से इस भर्ती को निरस्त किए जाने और इन पदों को पदोन्नति से भरे जाने के साथ-साथ सभी स्तरों की पदोन्नति सूची तत्काल निर्गत किए जाने, स्थानांतरण किए जाने जैसे मुद्दों को लेकर लगातार संघर्षरत रहा है। इसी क्रम में शासन द्वारा अंततः लोक सेवा आयोग को इस परीक्षा की अधिसूचना वापस लिए जाने का पत्र भेजना संगठन के आंदोलन की जीत है। उन्होंने कहा ऐसे समय में जबकि सरकार क्लस्टर स्कूल योजना प्रारंभ कर सरकारी स्कूल व्यवस्था का ही निजीकरण करने की ओर बढ़ चुकी है, प्रधानाचार्य सीधी भर्ती परीक्षा का रद्द होना हमारे संघर्ष की शुरुआती जीत है। शिक्षक संघ शिक्षकों के सभी मुद्दों पर संघर्षरत रहने के लिए कृतसंकल्पित है। श्री मठपाल ने संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष रामसिंह चौहान और महामंत्री रमेश पैन्यूली के हवाले से जानकारी दी कि संगठन की 1 नवंबर को देहरादून में शिक्षा मंत्री आवास घेरो रैली को भी स्थगित कर दिया गया है।

निदेशक माध्यमिक शिक्षा मुकुल सती को भेजे गए पत्र में दोनों प्रांतीय पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि संगठन देहरादून रैली अवश्य स्थगित कर रहा है, परंतु समय रहते शिक्षकों की 34 सूत्रीय मांगों का निराकरण नहीं हुआ तो संगठन आंदोलन के लिए स्वतंत्र होगा। इस दौरान हरीश आर्य, सीपी खाती, महेंद्र आर्य, शैलेंद्र भट्ट, संत सिंह, नवेंदु मठपाल, बालकृष्ण चंद, सुभाष गोला, प्रदीप शर्मा, संजीव कुमार, उषा पवार, जया बाफिला, राजेंद्र बिष्ट रहे।

पालिकाध्यक्ष ने किया स्थलीय निरीक्षण

संवाददाता, भीमताल

विकास योजनाओं का निरीक्षण करतीं नगर पालिका अध्यक्ष सीमा टम्टा।

अमृत विचार: नगर पालिका अध्यक्ष सीमा टम्टा और अधिशासी अधिकारी राहुल सिंह ने नगर क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड संख्या-2 (डाक बंगला), वार्ड संख्या-3 (बिलासपुर) और वार्ड संख्या-4 (नौकुचियाताल) में नगर पालिका के अंतर्गत निर्माणाधीन विभिन्न विकास योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और निर्धारित समय अवधि के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विभिन्न वार्डों में स्वच्छता व्यवस्था का भी जायजा लिया गया।

उन्होंने डाक बंगला में सौंदर्यकरण के कार्य तथा नौकुचियाताल में पार्क और शौचालय को ठीक करने के निर्देश अधिशासी अधिकारी को दिए। नगर पालिका अध्यक्ष ने बताया कि नौकुचियाताल में पर्यटकों को सभी बेहतर सुविधाएं मिलें, इसके लिए प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके लिए साफ-सफाई और पार्कों को विकसित किया जाएगा। इस दौरान सभासद रामपाल गंगोला, हेमा दुम्का, विशाखा आर्य, पूर्व जिला पंचायत सदस्य अनिल चनौतिया, अवर अभियंता महेंद्र सिंह, विनोद दुम्का उपस्थित थे।

राज्य स्थापना दिवस पर दुग्ध संघ में होंगे कार्यक्रम

लालकुआं: राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती के अवसर पर नैनीताल दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ, लालकुआं में 1 नवम्बर से 9 नवम्बर तक नौ दिवसीय भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रमों की शुरुआत आज हल्द्वानी के सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल एवं राजकीय महिला अस्पताल में रोगियों को निशुल्क आंचल दूध वितरण से हुई। इसी क्रम में लालकुआं दुग्ध संघ प्रांगण में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर, स्कूली बच्चों का दुग्धशाला भ्रमण एवं भव्य संगोष्ठी का आयोजन भी किया जा रहा है। दुग्ध संघ के अध्यक्ष मुकेश बोरा ने बताया कि उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती को राज्यव्यापी उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है।

सड़कों के गड्ढों में ग्रामीणों ने रोपे पौधे

संवाददाता, कालाढूंगी

कालाढूंगी में सड़क के गड्ढों में पौधे रोपते लोग। • अमृत विचार

अमृत विचार: सरकार के निर्देश के बाद भी ग्रामीण सड़कें बदहाल हैं। जल जीवन मिशन के बाद से सड़कें बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो गई हैं। शुक्रवार को युवाओं ने लोक निर्माण विभाग हल्द्वानी के अधिकारियों की अनदेखी के चलते गुलजापुर-पूरनपुर मोटर मार्ग में पड़े गड्ढों के विरोध में पौधे रोपे।

युवाओं ने कहा कि सड़क में अक्सर कीचड़ और पानी भरा रहता है, जिससे ग्रामीणों के अलावा स्कूली बच्चों को स्कूल आने-जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद कुमार ने कहा कि राज्य सरकार का गड्ढा मुक्त अभियान हवाहवाई है। पूरे ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन की खुदी सड़कें आज भी बदहाल अवस्था में हैं। पूर्व प्रदेश सचिव यूथ कांग्रेस सिद्धार्थ कुमटिया ने कहा कि लोक निर्माण के अधिकारी जहां जल संस्थान के एनओसी नहीं देने की बात कर रहे हैं, वहीं जल संस्थान के अधिकारी पैसा नहीं होने की बात कह रहे हैं। लोनिवि के जेई गणेश सिंह रौतेला ने बताया कि जल संस्थान की एनओसी मिलते ही कार्य शुरू कर दिया जाएगा। जल संस्थान के एई हरीश पंत ने बताया कि पेयजल लाइन बिछाने का कार्य पूरा नहीं हुआ है। जल्द कार्य पूरा कर लोनिवि को एनओसी दी जाएगी। पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य तारा चंद्र, सामाजिक कार्यकर्ता जोगेंद्र प्रसाद, कृष्णा मेहरा, सागर चौहान, शुभम मेहरा, आकाश आर्य, अनिल आर्य व सोनू लोग मौजूद रहे।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda काशीपुर मुख्य शाखा, ऊधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बैंक ऑफ बड़ौदा, काशीपुर मुख्य शाखा श्री अशोक कुमार पुत्र श्री मदन लाल, श्रीमती निशा चावला पत्नी श्री राहुल चावला एवं श्रीमती रेखा रानी पत्नी श्री अशोक कुमार के नाम पर स्थित नीचे उल्लिखित संपत्ति को अपने एक ग्राहक द्वारा अनुरोधित ऋण/क्रेडिट सुविधा के लिए सुरक्षा के रूप में स्वीकार करना चाहती है।

यदि किसी को नीचे उल्लिखित संपत्ति पर कोई अधिकार/स्वामित्व/हित/दावा है, तो उन्हें सलाह दी जाती है कि वे अपने दावे को प्रमाणित करने के लिए आवश्यक सबूत के साथ 10 दिनों के भीतर बैंक से संपर्क करें।

यदि 10 दिनों के भीतर कोई प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं होती है, तो यह मान लिया जाएगा कि संपत्ति किसी भी प्रभार/दावे/भार से मुक्त है और बैंक बंधक के साथ आगे बढ़ेगा।

संपत्ति का विवरण

1. बंधक अचल सम्पत्ति के सभी भाग व हिस्से जो कि खसरा नं. 540 मिन, मौजा करनपुर, तहसील जसपुर, जिला उधमसिंह नगर में स्थित है। क्षेत्रफल 0.411 हेक्टेयर (कुल क्षेत्रफल 0.823 हेक्टेयर का आधा हिस्सा)। सम्पत्ति सेल डीड नं. 1080 दिनांक 16.05.2017 को श्री अशोक कुमार पुत्र श्री मदन लाल के नाम पर दर्ज है। कुल क्षेत्रफल 0.823 हेक्टेयर भूमि की सीमाऐं – पूरब में चिमन लाल की भूमि, पश्चिम में वेदप्रकाश बाथला की भूमि, उत्तर में 22 फीट चौड़ा रास्ता, दक्षिण में जबरूदी की भूमि।
2. बंधक अचल सम्पत्ति के सभी भाग व हिस्से जो कि खसरा नं. 540 मिन, खाता खतौनी नं. 00175 (नया खतौनी नं. 00174), मौजा करनपुर, तहसील जसपुर, जिला उधमसिंह नगर में स्थित है। क्षेत्रफल 0.2057 हेक्टेयर। सम्पत्ति सेल डीड नं. 1984 दिनांक 17.06.2022 को श्रीमती निशा चावला पत्नी श्री राहुल चावला के नाम पर दर्ज है। सेल डीड के अनुसार सीमाऐं – पूरब में चिमन लाल की भूमि, पश्चिम में वेदप्रकाश बाथला की भूमि, उत्तर में अशोक कुमार की सम्पत्ति, दक्षिण में रेखा रानी की सम्पत्ति। बंधक अचल सम्पत्ति 01 एवं 02 (जिसका कुल क्षेत्रफल 0.617 हेक्टेयर है) को लीज डीड नं. 8820 दिनांक 29.09.2022 एवं संशोधित डीड नं. 9354 दिनांक 14.10.2022 के द्वारा श्री अशोक कुमार एवं श्रीमती निशा चावला ने वी.आर. इण्डस्ट्रीज के नाम पर पट्टाधिकार दर्ज किया है।
3. बंधक अचल सम्पत्ति के सभी भाग व हिस्से जो कि खसरा नं. 540 मिन, खाता खतौनी नं. 00175 (नया खतौनी नं. 00174), मौजा करनपुर, तहसील जसपुर, जिला उधमसिंह नगर में स्थित है। क्षेत्रफल 0.2057 हेक्टेयर। सम्पत्ति सेल डीड नं. 1985 दिनांक 17.06.2022 को श्रीमती रेखा रानी पत्नी श्री अशोक कुमार के नाम पर दर्ज है। सेल डीड के अनुसार सीमाऐं – पूरब में चिमन लाल की भूमि, पश्चिम में वेदप्रकाश बाथला की भूमि, उत्तर में निशा चावला की सम्पत्ति, दक्षिण में जबरूदी की भूमि। सम्पत्ति को लीज डीड नं. 10324 दिनांक 18.11.2022 को श्रीमती रेखा रानी ने मैसर्स अनीकाफूड्स इण्टरनैशनल प्राईवेट लिमिटेड के नाम पर पट्टाधिकार दर्ज किया है।

बैंक ऑफ बड़ौदा, काशीपुर मुख्य शाखा | संपर्क नं. 8477009660 | नरेंद्र कुमार एडवोकेट 9412153081

महिला मुक्केबाजों ने दिखाया दम

नैनीताल: नैनीताल में चल रहे अखिल भारतीय महिला बॉक्सिंग प्रतियोगिता के दूसरे दिन 27 मुकाबले खेले गए। 45 से 48 भार वर्ग में उत्तराखंड की वणिका, राजस्थान की सरस्वती आर्य, हरियाणा की सुरेना, 48 से 51 वर्ग भार में हरियाणा की मीनाक्षी, आंध्र प्रदेश की सुगंधा गीत, उत्तराखंड की बबीता, राजस्थान की कन्नू प्रिया। 51 से 54 भार वर्ग में लद्दाख की आसियान बानो, उत्तर प्रदेश की संजना, महाराष्ट्र की सोनिका ने अपने-अपने मैच जीत कर अगले चक्र में प्रवेश किया। दूसरे दिन उत्तराखंड ओलंपिक एसोसिएशन अध्यक्ष महेश नेगी मुख्य अतिथि व विधायक सरिता आर्या, दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री दिनेश आर्य विशिष्ट अतिथि रहे। जोगेंद्र सौंन, धर्मेंद्र बोरा, मुकेश माया, देवेंद्र जीना, अजय कुमार, पुष्पा दरमवाल निर्णायक रहे। उत्तराखंड बॉक्सिंग एसोसिएशन अध्यक्ष मुखर्जी निर्वाण, गोपाल खोलिया आदि रहे।

कार्यक्रम

मत्स्य पालन, मशरूम उत्पादन, बायोटेक्नोलॉजी आधारित उद्यम रहे केंद्र बिंदु

स्टार्टअप और स्वरोजगार की अपार संभावनाओं पर मंथन

संवाददाता, नैनीताल

स्टार्टअप और स्वरोजगार में संभावनाओं को लेकर कार्यक्रम में मौजूद अतिथि।

अमृत विचार: उत्तराखंड जैवप्रौद्योगिकी परिषद् के क्षेत्रीय केन्द्र पटवाडांगर में शुक्रवार को उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पंतनगर स्थित उत्तराखंड जैवप्रौद्योगिकी परिषद् के निदेशक डॉ. संजय कुमार मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने सभी प्रतिभागियों, महिला प्रशिक्षुओं एवं देवीधुरा ग्राम प्रधान प्रेमा बोरा का स्वागत किया। डॉ. कुमार ने कहा कि राज्य स्थापना के 25 वर्षों में उत्तराखंड ने अभूतपूर्व प्रगति की है। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद यहां स्वरोजगार, स्टार्टअप और कृषि-आधारित उद्यमों के अनेक अवसर विकसित हुए हैं। उन्होंने कहा कि किसान यदि छोटे स्तर पर वैज्ञानिक पद्धतियों से व्यवसाय शुरू करें तो अपनी आय कई गुना बढ़ा सकते हैं।

डॉ. कुमार ने पटवाडांगर केन्द्र में चल रही विभिन्न शोध परियोजनाओं, पॉलीहाउस में उगाई जा रही सब्जियों और पालक की उन्नत प्रजातियों की जानकारी भी दी। पंतनगर विश्वविद्यालय के मत्स्य महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. आशुतोष मिश्रा ने पहाड़ी क्षेत्रों में सीमित जल संसाधनों के बावजूद आधुनिक तकनीकों से मत्स्य पालन की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बायोफ्लॉक, एक्वापोनिक एवं एफआरवी टैंक तकनीकों से किसान अपने घरों में कम पानी में भी मछलियों का उत्पादन कर सकते हैं। इन विधियों से एक हजार लीटर पानी में एक किलोग्राम तक मछली उत्पादन संभव है। उन्होंने बताया कि ग्रास कार्प, सिल्वर कार्प व कॉमन कार्प जैसी प्रजातियां कम लागत में अधिक लाभ देती हैं। डॉ. मिश्रा ने मछलियों के भोजन, तालाब प्रबंधन एवं चूने के उपयोग के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि मत्स्य पालन से प्राप्त जल पौधों की सिंचाई के लिए भी अत्यंत उपयोगी होता है क्योंकि इसमें पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। मछली में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड्स मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभदायक हैं।इसके बाद पंतनगर विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. एसके मिश्रा ने 'पोषण वाटिका' के सिद्धांत पर व्याख्यान दिया। हल्द्वानी के मधुमक्खी पालन विशेषज्ञ सजीव जोशी ने पहाड़ी मधुमक्खी प्रजातियों, उनके शहद की गुणवत्ता, मोम, पराग कण, रॉयल जेली एवं प्रोफोलिस के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। पंतनगर विश्वविद्यालय के निदेशक, संचार डॉ. जेपी. जयसवाल ने वोकल फॉर लोकल के सिद्धांत पर बल दिया। पटवाडांगर केन्द्र के प्रभारी डॉ. सुमित पुरोहित ने केन्द्र में विकसित कीवी फल, तिमूर के पौधों, विभिन्न मशरूम प्रजातियों एवं हाईटेक पॉलीहाउस में तैयार पालक, चेरी टमाटर और ब्रोकोली की जानकारी दी। ग्राम प्रधान प्रेमा बर्गली, विनीता बोरा, महक बेलवाल, प्रीती बहुगुणा, शुभांगी रौतेला, लैब एनालिस्ट ललित असवाल, अजय सिंह, प्रयोगशाला सहायक काजल, नलिनी, मानसी, नितिन, सौरभ आदि रहे।

हल्द्वानी में धावकों को हरी झंडी दिखाते जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत और लालकुआं विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट।

सरदार पटेल की जयंती और पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर पर पुष्प अर्पित करते विधायक सुमित हृदयेश व कांग्रेसी कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

पोस्टरों के माध्यम से जगाई जागरूकता

हल्द्वानी : भ्रष्टाचार मुक्त उत्तराखंड के संकल्प के साथ 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक सतर्कता विभाग(विजिलेंस) की ओर से सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। इस वर्ष की थीम सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी रखी गई है। सतर्कता विभाग, सेक्टर हल्द्वानी की ओर से हल्द्वानी और रुद्रपुर क्षेत्र के विभिन्न सरकारी कार्यालयों खाद्य नियंत्रण, समाज कल्याण, पेयजल निगम, लोक निर्माण, वन विभाग आदि में पोस्टरों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया गया। विभाग ने बीएलएम अकादमी, डीपीएस हल्द्वानी, मैक्सटोन स्ट्रांग बनबसा, यूनिवर्सल स्कूल हल्द्वानी और एबीसी अल्मा मैटर टनकपुर जैसे शिक्षण संस्थानों में ड्राइंग और वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित कर विद्यार्थियों को भ्रष्टाचार विरोधी शपथ दिलाई। सतर्कता अधिष्ठान के निदेशक डॉवी मुरूगेशन ने आमजन से भ्रष्टाचार के खिलाफ सक्रिय भागीदारी की अपील की है। शिकायत या सूचना के लिए नागरिक टोल फ्री नंबर 1064 या व्हाट्सऐप हेल्पलाइन 9456592300 पर संपर्क कर सकते हैं।

देश की एकता और अखंडता की शपथ ली

रामनगर : जय मोहन इंटर कॉलेज कानिया में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस बड़े ही उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने देश की एकता और अखंडता बनाए रखने की शपथ ली। छात्राओं द्वारा बनाई गई आकर्षक आर्ट गैलरी का प्रदर्शन किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य एमडी. तेवारी, प्रबंधक अमन जोशी, संरक्षक जीडी. जोशी तथा उप-प्रधानाचार्य देवेंद्र मनराल ने छात्राओं को राष्ट्र की एकता, अखंडता और सद्भाव बनाए रखने का संदेश दिया।

राज्य स्थापना दिवस पर आज होंगे कार्यक्रम

हल्द्वानी : उत्तराखंड राज्य के 25 वर्ष पूरे होने पर आज से राज्य स्थापना सप्ताह मनाया जाएगा। जिसके तहत जनपद के विभिन्न स्थानों पर भी जनभागीदारी वाले विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सरदार पटेल के प्रयासों से रियासतों में बंटा भारत एक देश बना

सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस पर निकाली पदयात्रा

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : प्रथम गृहमंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस पर भव्य पदयात्रा निकाली गई। साथ ही रियासतों में बंटे देश को एक सूत्र में बांधने के लिए उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

शुक्रवार की सुबह एमबीपीजी कॉलेज के एलबीएस ऑडिटोरियम से विधायक बंशीधर भगत एवं डॉ. मोहन सिंह बिष्ट, मेयर गजराज बिष्ट ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा का शुभारंभ किया। उन्होंने संयुक्त रूप से कहा कि गुजरात में सरदार पटेल की स्मृति में निर्मित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी देश की एकता और अखंडता का प्रतीक है।

सरदार पटेल ने 560 से अधिक रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर अखंड भारत का निर्माण किया। उन्हीं के दृढ़ निश्चय, नेतृत्व और साहस से भारत एकजुट और सशक्त राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर खड़ा है। यही वजह है कि उनका जन्मदिवस राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

पदयात्रा एमबीपीजी कॉलेज से शुरू होकर हाईडिल चौक, ठंडी सड़क से होती हुई कॉलेज परिसर में समाप्त हुई। इस अवसर पर ऑडिटोरियम में सांस्कृतिक दलों आंचल कला केंद्र, जन जागृति कला समिति, दिव्य ज्योति कला केंद्र ने रंगारंग कार्यक्रम किए। इस दौरान जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, दायित्वधारी डॉ.अनिल कपूर (डब्बू), शंकर कोरंगा, सुरेश भट्ट, सांसद प्रतिनिधि गोपाल सिंह रावत, एडीएम विवेक राय, एसडीएम राहुल शाह, सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान, नगर आयुक्त परितोष वर्मा, उप निदेशक मेरा युवा भारत डॉल्बी तेवतिया आदि रहे।

रामनगर कांग्रेस कार्यालय में इंदिरा गांधी एवं पटेल का स्मरण करते कांग्रेसी। ● अमृत विचार

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लौह पुरुष और आयरन लेडी को किया नमन

हल्द्वानी : कांग्रेस ने लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल व आयरल लेडी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके बताए आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। शुक्रवार को स्वराज आश्रम में विचार गोष्ठी हुई। गोष्ठी की शुभारंभ सरदार पटेल व इंदिरा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर हुई। विधायक सुमित हृदयेश ने कहा कि सरदार पटेल और इंदिरा गांधी दोनों ही भारत के इतिहास की ऐसी महान विभूतियां हैं जिन्होंने देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। उनके आदर्श आज भी हम सबके लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण और देश के एकीकरण में अद्वितीय साहस एवं दूरदर्शिता अविस्मरणीय है। वहीं इंदिरा गांधी के दृढ़ नेतृत्व, साहसिक निर्णय और देश की अखंडता के लिए अदम्य योगदान दिया। अंत में सभी ने देश की एकता व जनसेवा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान महानगर अध्यक्ष गोविंद सिंह बिष्ट, हेमंत बगड़वाल, एनबी गुणवत्त, मधु सांगुड़ी, सोहेल अहमद सिद्दीकी, मलय बिष्ट, मोहन सिंह बिष्ट, हेम पांडे, डॉ. मयंक भट्ट, राधा आर्य, कमला सनवाल, राजेंद्र उपाध्याय, नितिन भट्ट, भुवन तिवारी, गिरीश तिवारी, अमित रावत, पार्षद मोना शर्मा, हेमन्त साहू, गोविंद बगड़वाल आदि रहे।

रामनगर में पूर्व पीएम इंदिरा एवं सरदार पटेल को किया याद

रामनगर, अमृत विचार : पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्य तिथि और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को जयंती पर कांग्रेसियों ने दोनों का भावपूर्ण स्मरण किया। इस मौके पर पूर्व विधायक रणजीत रावत ने कहा कि दोनों महान विभूतियों से हमें देश हित में सर्वस्व त्याग और संपूर्ण समर्पण की सीख मिलती है। देश हित के लिए हम सबको आपसी प्रेम और सौहार्द के साथ मिलजुलकर कार्य करने की नितांत आवश्यकता है। वरिष्ठ कांग्रेसी लीलाधर जोशी ने कहा कि यह हम सब कांग्रेस जनों के लिए सौभाग्य की बात है कि दोनों महान विभूतियों का कांग्रेस से गहरा नाता रहा है। संचालन जिला उपाध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने किया। इस दौरान शंकर रावत, उमाकांत ध्यानी, भुवन चंद्र, खुर्शीद आलम, सुरेन्द्र नेगी, वीरेंद्र लटवाल, राजीव अग्रवाल, महेश पाण्डेय, जावेद खान, मो सोएब, प्रेम जैन, सनब्बर कुरैशी, सुमित तिवारी, अमरजोत, ललित जोशी, आनंद कपकोटी रहे।

भीमताल में श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पुष्प अर्पित करते कांग्रेसी। ● अमृत विचार

इंदिरा गांधी व सरदार पटेल को याद किया

भीमताल : कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भीमताल स्थित सांस्कृतिक मंच पर एकत्र होकर पूर्व प्रधानमंत्री, लौह महिला, स्वर्गीय इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया। उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए उनका स्मरण किया गया। वक्ताओं ने उन्हें एकता और अखंडता की मिसाल बताया और कहा कि उनके दृढ़ निश्चय, दृढ़ इच्छाशक्ति और कुशल नेतृत्व में देश ने अखंड भारत के रूप में उन्नति और प्रगति की। नगर कांग्रेस अध्यक्ष डीके डालाकोटी, चेयरमैन सीमा टम्टा, पूर्व चेयरमैन देवेंद्र चनोतिया, पूर्व अध्यक्ष सतीश लाल वर्मा, सभासद व महिला अध्यक्ष हेमा दुमका, विमला आर्य, रामपाल गंगोला, शुभम नैनवाल, वरिष्ठ कमरुलनिशा, जिला सचिव आशा आर्य, विपिन सनवाल, गोपाल दत्त पलाडिया, जिला युवा उपाध्यक्ष नीरज कुमार, प्रदेश युवा सचिव गुंजन रौतेला, युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष सूरज मेहरा थे। वहीं, राष्ट्रीय एकता दिवस पर राउमावि बड़ौन में देश के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई गई। प्रभारी प्रधानाध्यापक धर्मेन्द्र सिंह बसेड़ा ने सरदार पटेल के जीवन पर प्रकाश डाला। उमा जोशी, मिथिलेश, प्रियंका सिंह, कमल कुमार, पुष्कर मेहता रहे।

नैनीताल में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेसी। ● अमृत विचार

नैनीताल में पूर्व पीएम व पटेल को याद किया

नैनीताल, अमृत विचार : नगर कांग्रेस कमेटी नैनीताल ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा हृदयेश व सरदार वल्लभ भाई पटेल का भावपूर्ण स्मरण किया। कार्यक्रम में नगर कांग्रेस अध्यक्ष अनुपम कबड़वाल, मोहन कांडपाल, प्रेम शर्मा, दिनेश कर्नाटक, सुभाष कुमार, विरेंद्र सिंह बिष्ट, कैलाश अधिकारी, बंटू आर्या, ललित सिंह बोरा, पियूष जोशी, सुनीता आर्या, देवकी, गौरव कुमार, कनक साह, राजेंद्र मनराल आदि कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इधर, भारतीय शहीद सैनिक विद्यालय, नैनीताल मे राष्ट्र के महान स्वतंत्रता सेनानी सरदार वल्लभभाई पटेल एवं आचार्य नरेंद्र देव की जयंती तथा देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि मनाई गई। संचालन विद्यालय के उपप्रधानाचार्य प्रवीण सती ने किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य बिशन सिंह मेहता ने विद्यार्थियों को तीनों प्रेरणास्रोतों के जीवन वृत्त की जानकारी दी।

पटेल जयंती के उपलक्ष्य में एकता के लिए हुई दौड़

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: पुलिस ने नैनीताल जिले के सभी थाना क्षेत्र में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का आयोजन किया। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल और एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने युवाओं, स्थानीय और पुलिस के जवानों को राष्ट्र की एकता और अखंडता अक्षुण्ण बनाने की शपथ दिलाई। इसमें जिले के 64 स्कूलों के छात्र-छात्राओं, व्यापार मंडल, पूर्व सैनिक, स्वयंसेवी संस्थाओं, स्थानीय लोगों व पुलिस कर्मियों समेत 2672 प्रतिभागी शामिल हुए।

लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर एकता दौड़ आयोजित की गई। हल्द्वानी में कोतवाली से एमबीपीजी कॉलेज हल्द्वानी तक रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया। एसएसपी मंजूनाथ ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ शुरू करवाई। कार्यक्रम में बिड़ला स्कूल, सिंथिया स्कूल, मिनी स्टेडियम के खिलाड़ी, बहुद्देशीय भवन/पुलिस कार्यालय हल्द्वानी का स्टाफ और थाना हल्द्वानी, फायर सर्विस के अधिकारी/कर्मी सहित कुल 200 लोगों ने भाग लिया। इस दौरान एडीएम विवेक राय, एसपी हल्द्वानी मनोज कुमार कत्याल, एसडीएम राहुल शाह, सीओ हल्द्वानी नितिन लोहनी, सीएफओ गौरव किरार, कोतवाल अमर चंद्र शर्मा, निरीक्षक यातायात महेश चंद्रा, थानाध्यक्ष बनभूलपुरा सुशील जोशी, मुखानी थानाध्यक्ष दिनेश जोशी थे। इसके अतिरिक्त अन्य सभी थाना क्षेत्रों में रन फॉर यूनिटी के अन्तर्गत कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें पूर्व सैनिक, व्यापार मंडल, आरपीएफ, हल्द्वानी क्रिकेट फाउंडेशन अकादमी, समेत 64 स्कूलों के छात्र-छात्राएं रहीं।

जयंती के अवसर मिनी स्टेडियम से रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम में प्रतिभाग करते लोग।

नैनीताल में रन फॉर यूनिटी में शपथ दिलाते डीएम रयाल ● अमृत विचार

रन फॉर यूनिटी में दौड़े छात्रों को किया सम्मानित

रामनगर : भाजपा ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में डिग्री कॉलेज से रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का आयोजन किया। मुख्य अतिथि विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने हरी झंडी दिखाकर धावकों को रवाना किया। विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने कहा कि अपने अद्वितीय नेतृत्व, दृढ़ संकल्प और कूटनीतिक कुशलता से 550 से अधिक रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत की मजबूत नींव रखी। विधायक ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। मण्डल अध्यक्ष भूपेंद्र खाती, घनश्याम शर्मा, बलदेव रावत, प्रेम आर्य, महामंत्री नवीन करगेती, दीपक राणा, मीडिया प्रभारी अशोक कुमार गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष गणेश रावत, रुद्रपुर प्रभारी राकेश नैनवाल, संजय डोर्बी, प्रेम मेहरा, घनेशरी घिल्डियाल, भावना भट्ट, दीप्ति रावत, नीमा मठपाल, आशा बिष्ट, ग्रामीण प्रभारी पूरन नैनवाल, डॉ. तनवीर, रुचि गिरी शर्मा, भरत तिवारी मौजूद रहे।

तल्लीताल में भी हुई एकता की दौड़

नैनीताल : तल्लीताल में आयोजित कार्यक्रम में डॉट से कोतवाली मल्लीताल तक दौड़ हुई। डीएम ललित मोहन रयाल ने लोगों को एकता और अखंडता की शपथ दिलाई गई और हरी झंडी दिखाकर दौड़ को प्रारंभ किया। व्यापार मंडल तल्लीताल, मल्लीताल, नाव चालक समिति के सदस्यों, सेंट मेरी, सेंट जोसफ, ऑल सेंट्स, लॉन्गव्यू, बिशप, पीएमरइ कॉलेज तल्लीताल स्कूल के छात्र छात्राओं, थाना तल्लीताल, मल्लीताल, पुलिस लाईन व पुलिस कार्यालय नैनीताल एवं फायर सर्विस बल कुल 472 लोगों ने प्रतिभाग किया। एसपी क्राइम डॉ जगदीश चंद्र, सीओ नैनीताल अमित कुमार, सीओ रामनगर सुमित पांडे, कोतवाल मल्लीताल हेम चंद्र पंत, थानाध्यक्ष तल्लीताल मनोज नयाल रहे। भवाली में कैंची मार्ग में दौड़ का आयोजन किया गया, जिसमें व्यापार मंडल, थाना भवाली एवं फायर सर्विस के पुलिस बल कुल 360 लोगों द्वारा प्रतिभाग किया।

रैली निकालकर दिया स्वच्छता का संदेश

हल्द्वानी: सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। राजकीय महिला डिग्री कॉलेज में नमामि गंगे, एनसीसी और एनएसएस इकाई की ओर से एकता रैली निकाली गई। एकता, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

एनएसएस प्रभारी व नोडल अधिकारी नमामि गंगे, डॉ. रितुराज पंत ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस हमें यह प्रेरणा देता है कि हम सभी मतभेदों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें। एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट डॉ. रेखा जोशी ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स अनुशासन, एकता और सेवा के प्रतीक हैं। रैली यह दर्शाती है कि हमारे युवा देश की एकता, स्वच्छता और जल संरक्षण के प्रति पूरी ईमानदारी से समर्पित हैं। कॉलेज की प्राचार्य प्रो. आभा शर्मा ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने जिस अखंड, एकजुट और सशक्त भारत का सपना देखा था, उसकी भावना आज की युवा पीढ़ी के कार्यों में स्पष्ट दिखाई देती है। कार्यक्रम में शिक्षक-शिक्षणेत्तर कर्मचारी भी रहे।

महिला डिग्री कॉलेज की ओर से निकाली गई रैली में मौजूद छात्राएं। ● अमृत विचार

एसकेएम इंटर-स्कूल बास्केटबॉल टूर्नामेंट में टीमों का शानदार प्रदर्शन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : एसकेएम स्कूल में आयोजित इंटर स्कूल बास्केटबॉल टूर्नामेंट के दूसरे दिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। बालक और बालिका वर्ग के बीच खले गए मैचों में प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का ध्यान खींचा।

दूसरे दिन खेले गए मुकाबलों में बालक वर्ग में नैनी वैली ने क्वींस को 24-18 से हराया। इंस्पिरेशन ने यूनिवर्सल स्कूल को 22-16, निर्मला ने टैगोर स्कूल को 20-6, सेंट थेरेसा ने डीपीएस को 40-11, शिवालिक ने नैनी वैली स्कूल को 15-10, ऑरम ने वेंडी स्कूल को 28-21, गुरु तेग ने यूनिवर्सल को 26-10, निमोनिक ने सेंट लॉरेंस को 23-4 और एसकेएम ने सैम्फोर्ड स्कूल को 23-9 से मात दी। बालिका वर्ग में सेंट थेरेसा ने इंस्पिरेशन को 27-20 से हराया, जबकि ऑरम और शिवालिक स्कूल की बालिकाओं के बीच मैच समाचार लिखे जाने तक जारी था। पहले दिन भी मुकाबले देर शाम तक खेले गए। जिसमें बालिका वर्ग में शिवालिक ने वेंडी स्कूल को 4-2 से, एसकेएम ने एचडी फाउंडेशन को 14-2, ऑरम ने टैगोर स्कूल को 9-4 से हराया। बालक वर्ग में गुरु तेग बहादुर स्कूल ने निमोनिक स्कूल को 45-28 से और सेंट थेरेसा ने अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम को 37-13 से हराया। स्कूल की प्रधानाचार्या मोनिका शर्मा, उप प्रधानाचार्या भामिनी चौहान जोशी और प्रशासक ऋषभ जोशी ने खिलाड़ियों की सराहना की।

एसकेएम स्कूल में आयोजित बास्केट बॉल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते टीम।

हॉकी और वॉलीबॉल टीम का चयन तीन को

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : आगामी राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में जनपद नैनीताल का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों के चयन के लिए 3 नवंबर को स्पोर्ट्स स्टेडियम हल्द्वानी में अंडर-17 पुरुष हॉकी और ओपन अनुसूचित जाति/जनजाति वॉलीबॉल दोनों के लिए ट्रायल्स किए जाएंगे। खेल निदेशालय की ओर से आयोजित इन प्रतियोगिताओं के लिए नैनीताल की टीमें आमंत्रित की गई हैं। जिला खेल कार्यालय हरिद्वार की ओर से 5 से 8 नवंबर तक स्पोर्ट्स स्टेडियम हरिद्वार में राज्य स्तरीय अंडर-17 (पुरुष) हॉकी प्रतियोगिता की जा रही है। इस प्रतियोगिता में जिले की टीम के लिए ट्रायल 3 नवंबर को सुबह 9 बजे से स्पोर्ट्स स्टेडियम हल्द्वानी में शुरू होंगे। हॉकी ट्रायल्स से संबंधित जानकारी के लिए खिलाड़ी खेल प्रशिक्षक गोविन्द लटवाल से संपर्क कर सकते हैं। वहीं जिला खेल कार्यालय पिथौरागढ़ की ओर से राज्य स्तरीय अनुसूचित जाति/जनजाति ओपन बालक वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 7 से 9 नवंबर तक स्पोर्ट्स स्टेडियम पिथौरागढ़ में किया जाएगा। राज्य स्तरीय ओपन बालिका अनुसूचित जाति वॉलीबॉल प्रतियोगिता 8 से 9 नवंबर तक स्पोर्ट्स स्टेडियम यूएस नगर में होगी। वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं के लिए नैनीताल टीम के चयन हेतु ट्रायल्स 3 नवंबर को अपराह्न तीन बजे से स्पोर्ट्स स्टेडियम हल्द्वानी में होगा। वॉलीबॉल ट्रायल्स की जानकारी के लिए खेल प्रशिक्षक श्याम मून्नु भट्ट व तनुजा आर्या से संपर्क कर सकते है।

118 दिन बाद निद्रा से जाग जाएंगे भगवान विष्णु, शुरू होंगे शुभकार्य

संवाददाता, हल्द्वानी

- एक नवंबर को देवोत्थान एकादशी के साथ चातुर्मास का समापन
- दो नवंबर को दोपहर में होगा एकादशी व्रत का पारायण

अमृत विचार : चार माह की योग निद्रा के बाद भगवान विष्णु एक नवंबर, शनिवार को जागेंगे और सृष्टि का संचालन दोबारा संभालेंगे। इसी दिन देवोत्थान एकादशी के साथ चातुर्मास का समापन हो जाएगा। वहीं विवाह समेत सभी मांगलिक कार्यों पर लगी रोक हट जाएगी। ज्योतिष अशोक वार्ष्णेय के अनुसार, कार्तिक शुक्ल एकादशी तिथि एक नवंबर को सुबह 9:12 बजे शुरू होगी, जो दो नवंबर को 7:32 बजे तक रहेगी।

उदयातिथि के अनुसार, गृहस्थजन एक नवंबर को देवउठनी एकादशी का व्रत रखेंगे और दो नवंबर को दोपहर में पारायण करेंगे। वहीं, वैष्णव संप्रदाय के लोग दो नवंबर को एकादशी का व्रत रखेंगे। छह जुलाई को देवशयनी एकादशी से 118 दिन बाद एक नवंबर को भगवान विष्णु नींद से जागेंगे।

देवउठनी एकादशी के बाद दो नवंबर से पूर्णिमा तक तुलसी विवाह के आयोजन होंगे। पंडित विवेक शर्मा ने बताया कि दो नवंबर को रविवार होने के बावजूद तुलसी विवाह करने में कोई दोष नहीं है। उत्तराखंड के पंचांगों के अनुसार, हरिबोधिनी एकादशी के बाद से ही विवाह मुहूर्त शुरू हो जाएंगे। ज्योतिष अशोक वार्ष्णेय ने बताया कि देवउठनी एकादशी के बाद कार्तिक माह में होने वाले विवाह शुभ माने जाते हैं, जबकि देश के अन्य हिस्सों में सूर्य के तुला राशि में होने के कारण 21 नवंबर से लग्न माने गए हैं।

आगामी विवाह मुहूर्त

(1) **नवंबर 2025 :** 2, 3, 7, 8, 12, 13, 22, 23, 24, 25, 27, 29, 30

(2) **दिसंबर 2025 :** 4, 11, 12 (3) **जनवरी 2026 :** 20, 23, 25, 28

(4) **फरवरी :** 4, 5, 8, 10, 19, 20, 21, 22 (5) **मार्च :** 6, 7, 9, 10, 11

अमृत विचार

हल्द्वानी , शनिवार,1 नवंबर 2025

रुद्रपुर

सिटी ब्रीफ

युवती ने दुष्कर्म व मारपीट करने का लगाया आरोप

काशीपुर : ठाकुरद्वारा निवासी एक युवती ने कोतवाली पुलिस को तहरीर सौंपी। इसमें बताया कि तहसील ठाकुरद्वारा के बहादुरगंज निवासी शोएब बीते लगभग एक महीने से इंस्टाग्राम के माध्यम से उसे ब्लैकमेल कर रहा था। वह उसकी फोटो को वायरल करने की धमकी दे रहा था। पीड़िता ने बताया कि बीती 30 अक्तूबर की दोपहर लगभग 12 बजे शोएब ने उसको प्रिया मॉल बुलाया। वह खाना खाने के बहाने से मुरादाबाद रोड स्थित एक होटल में ले गया। जहां उसने उसके साथ अभद्रता करते हुए मारपीट की और दुष्कर्म किया। बताया कि वह उसको व परिवार को जान से मारने की धमकी देकर मौके से भाग गया। पीड़िता ने पुलिस में घटना के संबंध में तहरीर सौंपी। कोतवाली प्रभारी हरेंद्र चौधरी ने बताया कि पीड़िता का मेडिकल कराया जा रहा है। साथ ही आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म, मारपीट व धमकी देने समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया।

12.40 ग्राम स्मैक के साथ आरोपी दबोचा

नानकमत्ता : थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक आरोपी के कब्जे से 12 .40 ग्राम स्मैक बरामद कर उसे जेल भेज दिया है।थाना अध्यक्ष उमेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने चैकिंग के दौरान नगला जंगल जोगीठेर निवासी महेंद्र सिंह के कब्जे से 12 .40 ग्राम स्मैक बरामद की है। आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर उसे जेल भेज दिया गया है।

गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व 5 नवंबर को

नानकमत्ता : गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में नगर की संगत द्वारा पिछले तीन दिनों से प्रभात फेरियां निकाली जा रही हैं। नगर की संगत द्वारा श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व 5 नवंबर को बड़े ही श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। पर्व को लेकर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने पूरी तैयारी कर ली है।गुरुद्वारा प्रबंधक रणजीत सिंह ने बताया कि आगामी 5 नवंबर को प्रकाश पर्व पर गुरु ग्रंथ साहिब की पालकी के साथ नगर में नगर कीर्तन निकाला जाएगा। उत्सव को लेकर नगर की संगत द्वारा ढोलक-चिमटा बजाते हुए गुरु बाणी का गुणगान कर प्रात: प्रभात फेरी निकाली जा रही है।

सितारगंज में संस्कृत प्रतियोगिता 11 नवंबर से

सितारगंज : उत्तराखंड संस्कृत अकादमी, जीआईसी सितारगंज में संस्कृत प्रतियोगिता का आयोजन करने जा रहा है। 11 और 15 नवंबर को होने वाली इस प्रतियोगिता में वाद विवाद, नाटक, समूह गान जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। शुक्रवार को जीआईसी सितारगंज में शिक्षकों और अधिकारियों ने बैठक कर प्रतियोगिता को आयोजित करने की रणनीति पर चर्चा की। समन्वयक उमेश पांडे ने बताया कि प्रतियोगिता कनिष्ठ और वरिष्ठ दो वर्गों में आयोजित कराई जाएगी। जिसमें कक्षा छह से स्नातक में पढ़ने वाले छात्र भाग ले सकेंगे। बताया कि विभिन्न वर्गों में छह प्रतियोगिता का आयोजन होगा। जिसमें संस्कृत नाटक, संस्कृत समूह गान, संस्कृत वाद-विवाद, संस्कृत आशुभाषण, श्लोकोच्चारण और समूह नृत्य प्रतियोगिता शामिल है। विजेताओं को क्रमश: 800, 600 और 400 की धनराशि और प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।

पुण्यतिथि पर पूर्व प्रधानमंत्री गांधी को कांग्रेसियों ने किया याद

बाजपुर और खटीमा में आयरन लेडी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि मनाई गई, कांग्रेस ने देश के लिए किए गए योगदान की सराहना की

संवाददाता, बाजपुर/खटीमा

अमृत विचार: बाजपुर में कई स्थानों पर आयरन लेडी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि मनाई गई। इस दौरान उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें याद किया गया।

शुक्रवार को नेतृत्व और आत्मविश्वास की मिसाल आयरन लेडी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर आदर्श कन्या इंटर कालेज सभागार में कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी डॉ.नरेंद्र खत्री द्वारा इंदिरा गांधी की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्जवलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर नानू उप्रेती, अनीता राठौर, मीना सेठ, भारती बिष्ट, नीलम सूर्यवंशी, प्रियंशी तिवारी, रेखा, रितु, अर्चना, श्वेता सरना, श्वेता गुप्ता, कुलदीप, शिवांगी, अनिल कौशिक आदि मौजूद रहे। वहीं नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य के कैंप कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पुण्यतिथि मनाई गई और उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया गया। इस मौके पर कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष पवन शर्मा, जिल पंचायत सदस्य फुरकान रजा, जगवीर सिंह जग्गा, आदित्य चानना, प्रदीप, हामिद अली, ओमप्रकाश राठौर, यशोदा जोशी, शकुंतला देवी, विश्वजीत सिंह, जसवंत सिंह, अमित कुमार, मोहन सिंह, करन सिंह, प्रेमपाल, सोहन सिंह, मो.यावर, सोनू, वीर सिंह आदि मौजूद रहे।

खटीमा में कांग्रेस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि और भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर उनके चित्र के सम्मुख पुश अर्पित कर उन्हें याद किया। विधायक भुवन चन्द्र कापड़ी ने कहा कि इंदिरा गांधी ने अपने अटूट नेतृत्व, साहस और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण से भारत को विश्व पटल पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर कांग्रेस ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विनोद चंद, ग्राम प्रधान लक्ष्मण राणा, शांति सामंत, कृष्णा नेगी, क्षेत्र पंचायत सदस्य नेहा जोशी, वरिष्ठ कांग्रेसी रमेश जोशी, पंकज बिष्ट आदि उपस्थित रहे।

बाजपुर में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि देते कांग्रेस कार्यकर्ता।

काशीपुर के नव चेतना कांग्रेस भवन में श्रद्धांजलि देते कांग्रेसी। ● अमृत विचार

किच्छा में सरदार पटेल की मूर्ति पर माल्यार्पण करते कांग्रेसी। ● अमृत विचार

खटीमा में इंदिरा गांधी व सरदार पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित करते विधायक कापड़ी।

आयरन लेडी को दी कांग्रेसियों ने श्रद्धांजलि

काशीपुर : एनडी तिवारी एससी गुड़िया नव चेतना कांग्रेस भवन में भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि तथा भारत रत्न, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एआईसीसी सदस्य और प्रदेश कांग्रेस महासचिव अनुपम शर्मा के नेतृत्व में दोनों नेताओं के संघर्ष, त्याग और देश निर्माण में दिए गए उनके अमूल्य योगदान को नमन किया गया। अनुपम शर्मा ने कहा कि यह आयोजन हमारी एकता, निष्ठा और राष्ट्र सेवा की भावना को और अधिक सशक्त करेगा। इस दौरान कांग्रेस के समस्त पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने आने वाले 2027 विधानसभा चुनाव में एकजुट होकर चुनाव में योगदान देने की बात कही। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष मुशर्रफ़ हुसैन, पीसीसी सदस्य अलका पाल, दीपिका गुड़िया, अजीता शर्मा, गौरव चौधरी, सलीम सैफी, जितेंद्र सरस्वती, उमेश जोशी आदि मौजूद रहे।

पूर्व पीएम इंदिरा गांधी में थी राजनीतिक दूरदर्शिता

किच्छा : देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर कांग्रेसियों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। विधायक तिलक राज बेहड़ के नेतृत्व में तमाम कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आवास विकास स्थित कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके योगदान को याद किया। विधायक बेहड़ ने कहा कि आयरन लेडी इंदिरा गांधी एक अजीम शख्सियत थी, उनके भीतर गजब की राजनीतिक दूरदर्शिता थी। साथ ही कहा कि देश के प्रति सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान को कभी बुलाया नहीं जा सकता। इस मौके पर निवर्तमान पालिका अध्यक्ष दर्शन कोली, कांग्रेस नगर अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी बबलू, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष गुड्डू तिवारी, ओमप्रकाश दुआ, नजाकत खान, गुलशन सिंधी, छोटेलाल कोली, सुनीता कश्यप, जीवन जोशी, नितिन शर्मा, दलीप बिष्ट आदि मौजूद रहे।

भारत को आत्मनिर्भर बनाना जरूरी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: रुद्रपुर में भाजपा का आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान विधानसभा सम्मेलन का आयोजन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व सांसद बलराज पासी रहे।

शुक्रवार को भाजपा जिला कार्यालय में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद पासी ने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक का योगदान आवश्यक है। उन्होंने सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, रोजगार सृजन और महिला सशक्तिकरण को आत्मनिर्भर भारत के मूल स्तंभ बताया। सम्मेलन में वक्ताओं ने यह संकल्प लिया कि आत्मनिर्भर भारत अभियान को प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र, ग्राम और नगर तक पहुंचाया जाएगा, ताकि समाज का हर वर्ग सशक्त और सक्षम बन सके। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष कमल कुमार जिंदल, महामंत्री तरुण दत्ता, मेयर विकास शर्मा, पूर्व मेयर रामपाल, प्रीत ग्रोवर, संत कबीर मंडल अध्यक्ष मुकेश पाल, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष धिरेंद्र मिश्रा, हिमांशु शुक्ला, अक्षय अरोरा, रोशन अरोरा, विजय तोमर, प्रमोट मित्तल, मोर सिंह, अक्षय गेहलोत, सुरेंद्र चौधरी, शालिनी बोरा, स्वाति शर्मा, अर्चना राय, ममता जीना आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में पूर्व सांसद पासी को बुके देकर सम्मानित करते भाजपा जिलाध्यक्ष।

केलाखेड़ा में छात्र-छात्राओं ने लगाई एकता दौड़

बाजपुर : केलाखेड़ा में पुलिस व स्कूली छात्र-छात्राओं के साथ एकता दौड़ का आयोजन किया गया। रन फार यूनिटी को नगर पंचायत अध्यक्ष मोहम्मद सफी अंसारी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिसमें सैकड़ों लोगों, युवाओं ने प्रतिभाग किया। दौड़ केलाखेड़ा सरकड़ी मोड़ से प्रारंभ होकर श्री गुरु तेग बहादुर स्कूल से वापसी करते हुए थाना केलाखेड़ा में समापन हुआ, जहां पुलिस द्वारा लोगों को जलपान की व्यवस्था की गई। इसके पश्चात थाना अध्यक्ष केलाखेड़ा धर्मवीर सोलंकी द्वारा बच्चों को इंटरनेट मीडिया संबंधी अपराध के विषय में जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त एसएसआई विनोद फर्त्याल द्वारा भी अंग्रेजों के समय से वर्तमान समय की पुलिस कार्यप्रणाली से संबंधित विषय पर जानकारी दी। दौड़ में महेंद्र कालड़ा, अजय कालड़ा, अजय शर्मा, शशिप्रीत सिंह, परवीन, सचिन, ताजिम अली आदि ने प्रतिभाग किया।

तनाव कम करने को योगासन उत्तम

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के मल्टीपरपज हाल में उत्तराखंड योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन (यूकेवाईएसए) की ओर से स्पोर्ट्स अथारिटी आफ इंडिया (एसएआई) और खेलो इंडिया की पहल के तहत 'अस्मिता योगासन सिटी लीग' का आयोजन किया गया। मुख्य उद्देश्य महिलाओं को खेल का अनुभव प्रदान करना और खेलों में उनकी सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य व मुख्य अतिथि डा.वीके सिंह, यूकेवाईएसए के सचिव रंजीत सिंह, क्रीड़ा अधिकारी डा.विकास रंजन, योग प्रभारी डॉ.सूरजपाल सिंह, डॉ. मनुहार आर्य, डॉ. आदर्श चौधरी और जिला संयोजक करुणा आर्य ने दीप प्रज्ज्वलन करके किया। यूकेवाईएसए के सचिव रंजीत सिंह ने बताया कि यह भारत सरकार के खेल मंत्रालय की पहल है, जिसका उद्देश्य योगासन खेल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना और उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव देना है। डॉ.वीके सिंह ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में योग तनाव कम करने और शरीर को स्वस्थ बनाए रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. वीके सिंह, डॉ. मनुहार आर्य और रंजीत सिंह ने विजेताओं को प्रमाणपत्र व पदक प्रदान कर सम्मानित किया।

बाजपुर के पीजी कॉलेज में कार्यक्रम का शुभारंभ करते प्राचार्य डा .वीके सिंह व अन्य।

4950 अंकों के साथ येलो हाउस रहा अव्वल

खटीमा : सेंट जेवियर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में दो दिवसीय अंतर-गृह एथलेटिक मीट आयोजित की गई। प्रबंधक रेव . फादर पीटर मलिथारा और प्रधानाचार्या सिस्टर थेरेसा एंटोनी के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मार्च पास्ट और खेल शपथ ग्रहण समारोह से हुआ। इसका नेतृत्व विद्यालय के स्पोर्ट्स कैप्टन महिमा ऐरी ने किया। दूसरे और अंतिम दिन के मुख्य अतिथि फादर हैरॉल्ड डीकुना, प्रबंधक, सेंट पैट्रिक इंटर कॉलेज, पॉलिगंज रहे। दो दिनों तक चले इस खेल समारोह में विद्यार्थियों ने 100, 200 और 400 मीटर रिले रेस के साथ ही लंबी कूद, गोला फेंक और ऊंची कूद जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिसमें कड़े मुकाबले के बाद येलो हाउस ने 4,950 अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्या सिस्टर थेरेसा एंटोनी ने सभी हाउसों के छात्रों की खेल भावना और टीम वर्क की प्रशंसा की। वहीं फादर पीटर मलिथारा ने शिक्षकों और विद्यार्थियों के संयुक्त प्रयासों की सराहना की।

समस्याओं के समाधान की मांग उठाई

जिला स्तरीय बैठक में समस्याओं पर चर्चा करते माध्यमिक शिक्षक संघ से जुड़े शिक्षक।

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: माध्यमिक शिक्षक संघ की जिला कार्यकारिणी की बैठक शिक्षक नेता अजय शंकर कौशिक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस दौरान शिक्षकों ने अपनी विभिन्न लंबित समस्याओं के समाधान की मांग सरकार से की।

शुक्रवार को इंटरमीडिएट कॉलेज बाजपुर सभागार में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि वर्ष 2024 से गोल्डन कार्ड के नाम पर कर्मचारियों के वेतन से कटौती हो रही है, लेकिन कार्ड बन नहीं पा रहे हैं तथा कुछ अन्य प्रमाणपत्रों की अनावश्यक मांग की जा रही है। पति व पत्नी दोनों सरकारी सेवा में हैं तो उनमें से एक का गोल्डन कार्ड बनने के बावजूद दूसरे के वेतन से कटौती को बंद नहीं किया जा रहा है। इस दौरान वर्ष 2006 से 2009 तक की धनराशि एवं वर्ष 2009 से 2016 तक के ब्याज का अतिशीघ्र स्थानांतरण करने, तदर्थ शिक्षकों का विनियमितिरण करने, डीए के एरियर का भुगतान करवाने, स्वतः सत्र विस्तार की व्यवस्था करने, वेतन विसंगति (कनिष्ठ-वरिष्ठ) का निस्तारण करने, चयन/प्रोन्नत की बैठक सत्र में दो बार करवाने, कार्यरत पीटीए शिक्षकों को मानदेय में लाने समेत कई मांगों को जोर-शोर से उठाया गया है। इस मौके परे जिला मंत्री मनोज कुमार शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष रावेंद्र सिंह चौहान, प्रधानाचार्य कैप्टन एसपी सिंह, शाखा इकाई अध्यक्ष संजय कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

इंस्पेक्टर सतीश राणा को श्रद्धांजलि अर्पित करते पूर्व विधायक डॉ . राणा व अन्य।

इंस्पेक्टर सतीश राणा को दी अंतिम विदाई

खटीमा : पहेनियां निवासी बैलपड़ाव रामनगर में तैनात प्लाटून कमांडर इंस्पेक्टर सतीश सिंह राणा (50) का लंबी बीमारी के चलते निधन हो गया था। उनके पार्थिव शरीर को आज बनबसा घाट पर पुलिस सम्मान के साथ अंतिम विदाई देते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पूर्व विधायक डॉ . प्रेम सिंह राणा, भाजपा नेता भुवन जोशी, बलदेव सिंह बिल्ला, महेश राणा, पुलिस क्षेत्राधिकारी विमल रावत, कोतवाल विजेन्द्र शाह, एसएसआई ललित मोहन रावल, पुलिस क्षेत्राधिकारी टनकपुर, एसओ बनबसा, पुलिस अधिकारी व सैनिक व ग्रामीण उपस्थित रहे। दिवंगत राणा के एक पुत्री और एक पुत्र हैं।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड (ग्रामीण)

33/11 केवी उपसंस्थान परिसर, कमलुवागांजा रोड, कमलुवागांजा, हल्द्वानी (नैनीताल)

E-mail : erddh@yahoo.co.in फोन : (05946) 292040 फैक्स : (05946) 298318

पत्रांक : 3686/वि०वि०ख०ग्रा०(ह०)/ दिनांक : 31-10-2025

अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा जी०एस०टी०, ई०पी०एफ०, आयकर में पंजीकृत एवं विद्युत सुरक्षा निदेशालय में "ए" श्रेणी में पंजीकृत अनुभवी, प्रतिष्ठित ठेकेदारों / फर्मों से निम्न कार्यों हेतु मुहरबन्द निविदायें निर्धारित निविदा प्रारूप पर निविदा खुलने की तिथि 18-11-2025 को समय 3:00 अपरान्ह तक आमंत्रित की जाती हैं जो उसी दिन अपरान्ह 3:30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष अधोहस्ताक्षरकर्ता या उनके मनोनीत अधिकारी द्वारा खोली जायेंगी। निविदा के प्रथम भाग में धरोहर राशि जो एफ०डी०आर०, सी०डी०आर०/एन०एस०सी० के रूप में होगी एवं अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड (ग्रामीण) के पदनाम प्रतिभूत होगी एवं आयकर एवं जी०एस०टी० पंजीकरण प्रमाणपत्र, विद्युत सुरक्षा निदेशालय का पंजीयन एवं सम्बन्धित प्रमाण पत्र। निविदा के भाग-2 निविदा की वैधता (रू० 10 के स्टाम्प पेपर पर) एवं दरें होंगी। सशर्त एवं बिना धरोहर राशि के निविदा स्वीकार नहीं होगीं। निविदा सम्बन्धी विवरण क्रमानुसार पढ़ा जाय-क्रम सं०, कार्य का विवरण, धरोहर राशि, निविदा सं० एवं निविदा प्रपत्र का शुल्क जी०एस०टी० सहित।

1. अनुरक्षण मद में विद्युत वितरण खण्ड (ग्रामीण), हल्द्वानी के अन्तर्गत विद्युत परीक्षण प्रयोगशाला से सिंगल फेज नैट मीटरों को प्राप्त कर निर्धारित समयावधि में उपभोक्ताओं के परिसर में नियमानुसार मापक स्थापित कर सिलिंग प्रमाण पत्र की प्रविष्टि सम्बन्धी कार्य, रु० 28500.00, 47/2025-26, रु० 590.00 (कर सहित)।

निविदा प्रपत्र, इस कार्यालय से कार्य दिवस में दिनांक 17-11-2025 तक निविदा प्रपत्र की कीमत अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड (ग्रामीण), हल्द्वानी के नाम बैंक ड्राफ्ट / बैंकर्स चैक से भुगतान करने पर प्राप्त किये जा सकते हैं। अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा प्राप्त निविदाओं में से किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार रखता है। निविदा खुलने की तिथि को अवकाश होने की स्थिति में निविदा अगले कार्य दिवस में प्राप्त एवं खोली जायेगी।

"Customer Care Toll Free No. 1912"

"Pay Electricity Bill Online 24x7 from www. upcl.org"

"विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाएँ"

"राष्ट्रहित में विद्युत बचाएं"

अधिशासी अभियंता

न्यायालय श्रीमान जिला जज महोदय
जिला-ऊधमसिंहनगर

प्रकीर्ण वाद संख्या : 19 सन् 2025

प्रार्थी :-अवनीश कुमार, उम्र 43 वर्ष पुत्र श्री चन्द्रपाल सिंह, निवासी मौहल्ला गुजरातीयान, जसपुर तहसील-जसपुर जिला-ऊधमसिंहनगर। हाल निवासी-किरायेदार श्रीमती रीता अग्रवाल, मौहल्ला शिवनगर, वार्ड नम्बर-8 रूद्रपुर तहसील-रूद्रपुर, जिला-ऊधमसिंहनगर मोबाइल नम्बर 9719833976

बनाम

विपक्षी :- 1. रिश्तेदारान्/हरआम व खास, 2. श्री चन्द्रपाल सिंह उम्र बालिग पुत्र स्व० श्री रामस्वरूप सिंह निवासी मौहल्ला गुजरातीयान, जसपुर तहसील-जसपुर जिला-ऊधमसिंहनगर, 3. श्री बिजेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र श्री चन्द्रपाल सिंह निवासी मौहल्ला गुजरातीयान, जसपुर तहसील-जसपुर जिला-ऊधमसिंहनगर, 4. एक्सिस बैंक लिमिटेड शाखा-कलियावाला, जसपुर तहसील जसपुर जिला-ऊधमसिंहनगर द्वारा सक्षम अधिकारी/कर्मचारी

हरगाह उपरोक्त प्रार्थी/वादी ने अपने अवयस्क अवयस्क पुत्री पावनी उम्र 10 वर्ष पुत्री श्री अवनीश कुमार, निवासी मौहल्ला गुजरातीयान, जसपुर तहसील-जसपुर जिला-ऊधमसिंहनगर हाल निवासी-किरायेदार श्रीमती रीता अग्रवाल, मौहल्ला शिवनगर, वार्ड नम्बर-8 रूद्रपुर तहसील-रुद्रपुर, जिला-ऊधमसिंहनगर के नाम 1/2 अंश वाली सम्पत्ति/आवास जो कि राजस्व ग्राम जसपुरपट्टी मनसा, परगना-जसपुर, तहसील जसपुर, जिला-ऊधमसिंहनगर के राष्ट्रीय राजमार्ग 74 के किनारे स्थित खाता नम्बर-00005 के खसरा नम्बर 84 मि० मध्ये रक्बा-0.004 है० अर्थात 38.70 वर्ग मीटर के भूखण्ड के रूप में स्थित है, जिसके भूतल पर पूर्ण रक्बा-38.70 वर्ग मीटर पर निर्माण है अवयस्क के नाम दर्ज अभिलेख है जिसमें भूतल पर 01 दुकान, 01 कमरा, लैंटिंग एवं बाथरूम निर्मित है। अवयस्क के जीवनयापन, पालन पोषण, शिक्षा दीक्षा एवं दीर्घकालीन भविष्य के हित में विक्रय करने की अनुमति प्राप्त करने बाबत प्रार्थना पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है, एवं अग्रिम तिथि दिनांक 3-11-25 वास्ते आपत्ति नियत है।

अतः इस नोटिस द्वारा हरआम व खास को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को प्रार्थी/वादी को अपनी अवयस्क पुत्री पावनी के नाम विरासतन दर्ज अभिलेख भूमि / आवास को विक्रय करने की अनुमति देने पर कोई आपत्ति हो तो नियत तिथि दिनांक 3-11-25 को असालतन या वकालतन न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। आपके उपस्थित न होने की दशा में वाद की कार्यवाही एकतरफा अमल में लायी जाकर उचित आदेश पारित कर दिये जायेंगे।

दिनांक 16/10/25

मुंसरिम/रीडर
न्यायालय जिला एवं सत्र न्यायाधीश
रूद्रपुर (ऊधमसिंह नगर)

शौक | डेंटर का काम करने वाले गुलजार हैं सांप पकड़ने में माहिर

...घर में घुसा है सांप तो सर्पमित्र को बुलाइए

- किंग कोबरा से लेकर पाइथन प्रजाति तक के सांपों को पकड़ चुके हैं गुलजार अहमद

कासिम अंसारी, सितारगंज

अमृत विचार : नगर के एक कार गैरेज में डेंटर का काम करने वाले गुलजार अहमद जोखिम भरा शौक भी रखते हैं। काम के साथ ही गुलजार अब तक घरों में घुसे किंग कोबरा से लेकर पाइथन प्रजाति तक के जहरीले सांपों को पकड़कर जंगल में सुरक्षित छोड़ चुके हैं। इसलिए वह क्षेत्र में सर्प मित्र के नाम से जाने जाते हैं।

नगर के बाईपास कॉलोनी निवासी गुलजार अहमद (65) पुत्र इरशाद अहमद खान मूलरूप से हल्द्वानी के रहने वाले हैं। वर्ष 1984 में वह सितारगंज आकर बस गए। वह बताते हैं कि बचपन से उन्हें सांपों के साथ खेलने का शौक था। यहां जब आए तो वह कहीं भी सांप निकलने पर उसे पकड़ने पहुंच जाते थे। उनके इस हैरतअंगेज करतब ने उन्हें सर्प मित्र बना दिया। उधर, वन विभाग ने सौ रुपये प्रति सांप मेहनताना, जूते, टॉर्च व स्टिक देने का आश्वासन दिया था। लेकिन उनके अनुसार 15 साल बीतने के बावजूद उन्हें कोई मदद नहीं मिली। गृह, प्रतिष्ठान स्वामी अपनी खुशी से मेहनताना दे देते हैं।

गुलजार अहमद अब तक हजारों सांप पकड़कर जंगल में छोड़ चुके हैं। गुलजार बताते हैं कि 30-35 साल के इस शौक के दौरान उन्हें चार बार सांप ने डंसा है। गुलजार के छह बेटियां और एक बेटा है। इनमें चौथे नंबर की 21 वर्षीया बेटी आलिया खान भी सांप पकड़ने में माहिर है। उसे गुलजार ने सांप पकड़ने का हुनर सिखाया है। वह नगर के जीजीआईसी में कक्षा 12वीं की छात्रा है और स्कूल में उसने कई सांप पकड़े भी हैं।

सर्प मित्र गुलजार अहमद।

बेटी आलिया खान।

सोसायटी अध्यक्ष ने सौंपा था शिकायती पत्र, तथाकथित पति है अजय, बिमला है नौकरानी, जांच जारी

शिक्षिका की मौत : कथित पति व नौकरानी पर केस दर्ज

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: एक ओर जहां कोतवाली पुलिस अनसुलझे सवालों का जवाब ढूंढने के लिए अथक प्रयास कर रही है। वहीं अब सहायक अध्यापिका सुषमा पंत मौत मिस्ट्री में नया मोड़ आ गया है। कारण कोतवाली पुलिस ने सोसायटी अध्यक्ष की तहरीर पर शिक्षिका के कथित पति व नौकरानी पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। शिकायतकर्ता का दावा है कि सटीक साजिश कर शिक्षिका की जलाकर हत्या हुई है। जिसके बाद नामजद अभियुक्तों की मुश्किलें बढ़ गई हैं और पुलिस ने अपनी जांच को भी तेज कर दिया है। यहां बता दें कि 28 अक्टूबर की सुबह साढ़े 11 बजे कौशल्या फेस दो निवासी सहायक अध्यापिका 53 वर्षीय सुषमा पंत का जला हुआ शव पुलिस ने बरामद किया था।

सुषमा पंत (फाइल)।

बुधवार को डॉक्टर की टीम ने वीडियोग्राफी के साथ पोस्टमार्टम किया। प्रारंभिक रिपोर्ट में ऐसा कुछ सच सामने नहीं आया जो सुषमा की मौत की असल वजह बता सके। फॉरेंसिक रिपोर्ट ने भी कोतवाली पुलिस को निराशा दी। तभी अचानक कौशल्या फेस दो सोसायटी अध्यक्ष सुरेंद्र पाल कोतवाली आये और तहरीर दी।

उन्होंने दावा करते हुए कहा कि शिक्षिका सुषमा पंत को कथित पति अजय मिश्रा निवासी आजमगढ़ और घर में सफाई करने वाली बिमला वाल्मीकि ने साजिश रच कर जलाकर मारा और सटीक षड्यंत्र के तहत हत्या को आत्महत्या दर्शाने का प्रयास किया। कारण शिक्षिका की आपबीती व नामजद अभियुक्तों की प्रताड़ना हत्या का संकेत दे रही है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर तफ्तीश को तेज कर दिया है।

मिलनसार थी शिक्षिका सुषमा पंत

रुद्रपुर : कौशल्या कॉलोनी के स्थानीय लोगों का अभी भी यह मानना है कि शिक्षिका सुषमा कभी सुसाइड नहीं कर सकती है। कारण बेहद शिक्षित व संघर्षशील होने के साथ ही वह मृदुभाषी व व्यवहारिक भी थी और जिस प्रकार यातनाओं को बयां करने के बाद भी पारिवारिक जिम्मेदारी को निभा रही थी। ऐसी शिक्षिका कभी आत्महत्या नहीं कर सकती थी। कारण पिछले आठ सालों से सुषमा काफी मिलनसार हो चुकी थी।

25 व 26 अक्टूबर को बेहद थी परेशान

रुद्रपुर : सोसायटी अध्यक्ष सुरेंद्र पाल का यह भी कहना था कि 25 अक्टूबर और 26 अक्टूबर को शिक्षिका सुषमा बेहद व्याकुल थी। 25 अक्टूबर की सुबह आठ बजे कथित पति व नौकरानी द्वारा बेरहमी से पीटने और जल्द ही जान से मारने की धमकी देने की बात कह रही थी और 26 अक्टूबर की सुबह नौ बजे शिक्षिका रो-रोककर बोल रही थी कि सर आप जल्दी कोई कार्रवाई करना, वरना पति व नौकरानी मिलकर हत्या कर देंगे। कारण उसे प्रतिबंधित दवाईयां देकर शारीरिक व मानसिक यातनाएं दे रहे हैं। इन सभी बयानों के बाद 28 अक्टूबर की सुबह शिक्षिका का जला हुआ शव मिला था।

ताला खुला नहीं, बोला अजय- मर गई सुषमा

रुद्रपुर : शिकायतकर्ता ने अपनी तहरीर में यह भी जिक्र किया है कि 28 अक्टूबर की सुबह जब सुषमा के मकान के अंदर से धुआं उठ रहा था। उस वक्त पडोसियों ने घटना की सूचना तत्काल कथित पति अजय मिश्रा को दी। जब वह आया और बिना ताला खोले ही सुषमा द्वारा आत्मदाह की बात कहते हुए चिल्लाने लगा, जबकि लोगों ने बचाने की बात कही तो अजय बोला कि अब तक सुषमा जलकर मर चुकी होगी।

पहाड़ी रिवाज से होगा अस्थि विसर्जन

- भगत सिंह सेवा समिति ने लिया संकल्प, चित्रशिला घाट जाने पर हो रहा है विचार

संवाददाता, रुद्रपुर

आस्थियां चुनते भगत सिंह सेवा समिति के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: दाह संस्कार के वक्त जहां शिक्षिका सुषमा अपनों के आने की प्रतीक्षा कर रही थी। वहीं लावारिस में दाह संस्कार होने के बाद अब सहायक अध्यापिका का अस्थियां का विसर्जन पहाड़ी रिवाज के साथ होगा। इसका संकल्प भगत सिंह सेवा समिति ने लिया है और चित्रशिला घाट जाने की तैयारी शुरू कर दी है।

बताते चलें कि 28 अक्टूबर को जला शव मिलने के बाद लावारिस मानकर शिक्षिका का पोस्टमार्टम भी किया गया और सोसायटी के लोग दाह संस्कार में शामिल हुए। सुषमा मौत प्रकरण में जहां कोतवाली पुलिस ने वास्तव में मानवता का परिचय दिया। वहीं भगत सिंह सेवा समिति ने भी अपने दायित्वों का निर्वहन मानवीय दृष्टिकोण के साथ किया। गुरुवार को श्मशान घाट जाकर समिति के पदाधिकारियों ने सुषमा की अस्थियां चुनकर विधि विधान के साथ सुरक्षित रख ली और संकल्प लिया कि शिक्षिका की अस्थियां विसर्जन भी समिति करेगी। जिसको लेकर समिति की एक बैठक भी हुई और मंथन किया कि सुषमा पंत अल्मोड़ा की रहने वाली थी और पर्वतीय समाज की महिला थी तो अस्थि विसर्जन भी पहाड़ी विधि विधान के साथ होगा। समिति ने चित्रशिला घाट रानीबाग में विसर्जन किए जाने पर मंथन किया जा रहा है।

ब्रीफ न्यूज

महिला सहित नौ लोगों के खिलाफ दी तहरीर

काशीपुर : ऊर्जा निगम के एसडीओ शैलेंद्र कुमार सैनी के नेतृत्व में कुंडा थाना क्षेत्र में बिजली चोरी के खिलाफ अभियान चलाया गया। इस दौरान टीम ने ग्राम कुंडा निवासी दिलशाद हुसैन, अब्दुल गफ्फार, रियासत अली व आलीम और ग्राम लालपुर बक्सौरा निवासी परमजीत सिंह को घरों में बिजली चोरी करते रंगेहाथ पकड़ लिया। वहीं ग्राम बैलजुड़ी निवासी मुजफ्फर अली, सदीक हुसैन व आलम और ग्राम गढ़ीनेगी निवासी शब्बीरा को घरों में बिजली चोरी करते पकड़ लिया। सभी जगह आरोपी विद्युत मापक यंत्र से पहले कट लगाकर बिजली चोरी कर रहे थे। कुंडा थाना पुलिस ने एसडीओ की तहरीर के आधार पर एक महिला समेत नौ आरोपियों लोगों के खिलाफ विद्युत अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया है। टीम में अवर अभियंयता विनोद कुमार, सहायक अभियंता सतर्कता अमित चंद्र आर्य व लाइनमैन सुधीर कुमार शामिल रहे।

दाह ढाकी में गुलदार की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत

खटीमा : यूपी उत्तराखंड सीमा से लगे गांव दाह ढाकी में बृहस्पतिवार देर शाम गुलदार के दिखने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। बृहस्पतिवार शाम करीब साढ़े छह बजे दाह ढ़ाकी में गुलदार के आबादी के करीब ग्रामीणों ने देखा और देखते ही देखते गांव के लोग इकट्ठा हो गए और शोरगुल करने लगे लेकिन गुलदार नहीं हटा। काफी समय बाद गुलदार गन्ने के खेत की ओर चला गया। बावजूद इसके ग्रामीणों में दहशत है। काफी लंबे समय से ग्रामीण इलाकों में बाघ और गुलदार की दहशत बरकरार होने से व ग्रामीणों के बीच वन विभाग को लेकर काफी रोष है।

शांतिपुरी वन बैरियर पर लकड़ी से भरा कैंटर पकड़ा

शांतिपुरी : शांतिपुरी बंबरिया पर वन विभाग ने अवैध लकड़ी से भरा एक कैंटर सीज कर दिया है। दोपहर करीब 1:00 बजे डौली रेंज के अंतर्गत किच्छा-लालकुआं राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित शांतिपुरी वन बैरियर पर वन विभाग की टीम ने वाहन चेकिंग के दौरान एक कैन्टर को जांच हेतु रोका गया। चालक द्वारा रुकने के बजाय वाहन को तेज गति से लालकुआं की दिशा में भगाया गया। टीम द्वारा पीछा किए जाने पर चालक कैन्टर को सड़क किनारे छोड़कर फरार हो गया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें प्रतिबंधित आम एवं नीम प्रजाति का सोक्ता भरा पाया। तलाशी के दौरान अभिवहन से संबंधित कोई वैध प्रपत्र नहीं मिले। वन विभाग ने वाहन को कब्जे में लेकर डौली वन परिसर, लालकुआं ले जाकर उसे सीज कर दिया है। टीम में रेंजर एस एस पंवार शामिल थे।

रिटायर्ड फौजी को डिजिटल अरेस्ट कर 60 लाख ठगने वाला गिरफ्तार

साइबर सेल ने हरियाणा गुड़गांव से पकड़ा अभियुक्त, मनी लॉन्ड्रिंग का झांसा दिया था

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: पैरामिलिट्री से रिटायर्ड सूबेदार को डिजिटल अरेस्ट कर लाखों की साइबर ठगी करने के एक अभियुक्त को साइबर क्राइम सेल ने दबोच लिया और कई आधुनिक उपकरण भी बरामद किए। अभियुक्त ने मनी लॉन्ड्रिंग का झांसा दिया और सीबीआई अधिकारी बनकर घर में ही कैद कर दिया था। पुलिस ने अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

शुक्रवार को एसएसपी एसटीएफ नवनीत सिंह ने बताया कि जुलाई 2025 को पैरामिलिट्री विभाग से सेवानिवृत सूबेदार द्वारा एक मुकदमा दर्ज करवाते हुए बताया कि उसके मोबाइल पर एक कॉल आयी और कॉल खुद को सीबीआई का अधिकारी बताते हुए पुलिसिया रौब दिखाते हुए बताया कि तुम्हारे खाते से करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ है। साथ ही बताया कि लेने करने वाले को गिरफ्तार किया है। उसने खाते से मनी लॉन्ड्रिंग का धंधा संचालित करने की बात कही है। कॉलर ने सेवानिवृत फौजी को घर पर डिजिटल अरेस्ट का आदेश दिया। किसी की भी कॉल नहीं उठाने की हिदायत देते हुए धमकाया कि यदि जल्द ही प्रकरण को नहीं निपटाया तो सीबीआई गिरफ्तार कर मुंबई लाएगी और फिर जेल भेज दिया जाएगा। जिसके बाद साइबर ठग ने 60 लाख रुपये की साइबर ठगी को अंजाम दे डाला। प्रकरण में मुकदमा दर्ज कर साइबर क्राइम थाना सेल प्रभारी अरुण कुमार ने अपनी जांच शुरू कर दी। अभी साइबर क्राइम सेल तफ्तीश कर ही रही थी कि तकनीकी जांच में पता चला कि साइबर ठगी को अंजाम देने वाला गांव गोहाना राजियावास जवाजा अजमेर राजस्थान का है। उसकी मोबाइल सर्विलांस लोकेशन गुड़गांव हरियाणा दिखाई दे रही है। जिस पर साइबर सेल ने दबिश देकर अभियुक्त कमल सिंह को दबोच लिया और साइबर ठगी में प्रयुक्त उपकरण भी बरामद कर लिए। पुलिस ने अभियुक्त को न्यायालय में पेश कर दिया है।

साइबर ठग के साथ साइबर क्राइम थाना सेल की टीम। ● अमृत विचार

68 करोड़ लेनदेन का दिखाया भय

रुद्रपुर : फर्जी सीबीआई अधिकारी बना कमल सिंह इतना शातिर था कि कॉल उठाते ही रिटायर्ड फौजी को धमकाया कि एक व्यक्ति की शिकायत पर अभियुक्त की गिरफ्तारी हुई है। जिसके द्वारा यह बताया कि फौजी के खाते से 68 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग का धंधा हुआ है। इसके बाद गिरफ्तारी का भय दिखाकर ठग ने फौजी से सभी खातों की डिटेल, संपत्ति का विवरण मांगा और नया खाता खोलकर खाते में पड़े 60 लाख ट्रांसफर कर लिए और ठगी को अंजाम दे डाला।

खौफ के साये में गुजरे थे 16 दिन

रुद्रपुर : रिटायर्ड फौजी को साइबर ठग ने एक नहीं, बल्कि 16 दिन तक डिजिटल अरेस्ट किया था। पीड़ित फौजी का कहना था कि जिस वक्त फर्जी सीबीआई अधिकारी बनकर ठग की कॉल आई थी। उसने यह कहकर भयभीत कर दिया था कि उत्तराखंड की एक टीम घर की निगरानी कर रही है और जल्द ही सीबीआई की टीम भी पहुंच जाएगी। साथ ही हिदायत दी कि यदि किसी को भी फोन कर सूचना दी तो समझौते का कोई रास्ता नहीं होगा। यहां तक 16 दिन कैद करने के दौरान कभी देर रात्रि तो कई बार दिन में कई नंबरों से कॉल आती रहती थी। 16 दिन गिरफ्तारी के खौफ में गुजरी।

37.35 ग्राम स्मैक के साथ सौदागर किया गिरफ्तार

रुद्रपुर: एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और कोतवाली पुलिस ने स्मैक सौदागर को दबोच लिया है। साथ ही बड़ी मात्रा में स्मैक भी बरामद की है। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ एनडीपीएस का मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली दरोगा दीपक बहुगुणा और एएनटीएफ की संयुक्त टीम 30 अक्टूबर की शाम को बगवाड़ा चौकी इलाके में वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस बीच एक युवक आया और पुलिस को देखकर सकपका कर भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर युवक को दबोच लिया। पूछताछ में अभियुक्त ने अपना नाम शाहबेज अहमद निवासी चोटो पिपलिया भुडिया बहेड़ी बरेली यूपी बताया।

तलाशी लेने पर अभियुक्त से 37.35 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह पिछले लंबे समय से स्मैक सप्लाई का धंधा करता है और किच्छा के बॉबी विर्क नाम के युवक से स्मैक खरीद कर महंगे दामों पर बेचता है। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ एनडीपीएस का मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

फुटपाथ को तोड़कर रोड को किया चौड़ा

खटीमा में मेलाघाट रोड पर फुटपाथ तोड़ रोड को किया गया चौड़ा। ● अमृत विचार

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: मेलाघाट रोड पर बने फुटपाथ को हटाकर मार्ग को चौड़ा करने की व्यापारियों की मांग पर अमल करते हुए शुक्रवार को पालिका प्रशासन द्वारा मुख्य चौक से रेलवे फाटक तक के फुटपाथ को जेसीबी से हटवाने की कारवाई शुरू की गई।

नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने कहा कि मेलाघाट रोड पर बढ़ते अतिक्रमण को देखते हुए व्यापारी लंबे समय से दोनों तरफ बने फुटपाथ हटाने की मांग कर रहे थे। उनका कहना था कि फुटपाथ लोगों के चलने के काम नहीं आ रहा है बल्कि कई लोग इस पर अतिक्रमण कर बैठे हैं और बाहर गाड़ियां खड़ी करने से जाम हो जाता है। शुक्रवार को पालिका प्रशासन द्वारा जेसीबी द्वारा फुटपाथ को तोड़ने का शुरू किया गया जो शाम तक चलता रहा। नगर पालिका अधिशासी अभियंता प्रियंका आर्य ने कहा कि किसी भी रोड पर किसी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पालिकाध्यक्ष जोशी ने कहा कि व्यापारियों को किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न ना हो ऐसा प्रयास किया का रहा है। इस अवसर पर भाजपा पूर्व नगर मंडल महामंत्री मनोज वाधवा, दिनेश अग्रवाल, अमरजीत सिंह, हरीश भट्ट, राहुल शर्मा, रोहित छाबड़ा, राहुल सक्सेना, मनोज अग्रवाल, सफाई नायक विजय कुमार, जगदीश गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

पेड़ से सिडकुल कर्मी का शव लटका मिला

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार : सिडकुल में एक 53 वर्षीय व्यक्ति का शव पेड़ में फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

शुक्रवार को ग्रामीणों ने गांव उकरौली स्थित पुरानी पार्किंग स्थल के पास मंदिर परिसर के एक पेड़ में व्यक्ति का शव लटका हुआ देखा। इससे घबराए ग्रामीणों ने पुलिस को इसकी सूचना दर्ज कराई।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतारा। फिर, शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए खटीमा भेज दिया। वहीं, पुलिस ने मृतक की शिनाख्त गांव अलसियाभोज, बहेड़ी (यूपी) निवासी संजीव (53) पुत्र मुंशीलाल के रूप में की।

जानकारी के अनुसार वह शक्तिफार्म के एक गांव में रहकर सिडकुल स्थित हाउसकीपिंग कंपनी में काम करता था। वह पिछले एक सप्ताह से ड्यूटी पर नहीं गया था। उसकी तीन बेटियां और एक बेटा है। जो यूपी के अलसियाभोज में ही रहते हैं। वहीं, सीओ बीएस धौनी ने बताया कि प्रथम दृष्टया आत्महत्या प्रतीत होती है। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

धान तौलने को लेकर की मारपीट

सितारगंज : धान तौलने को लेकर किसान ने धान केंद्र के कर्मचारियों से मारपीट कर दी। वह कर्मचारी पर धान तौलने को लेकर जबरन दबाव बना रहा था। एसएमओ विनय चौधरी ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि शुक्रवार की सुबह मंडी में धान खरीद शुरू होने से पहले एक किसान ने जबरन धान तौल करने के लिए कर्मचारी को धमकाया। बताया कि कर्मचारी ने किसान को विभाग की ओर से जारी टोकन दिखाने को कहा ताकि वह टोकन पर नियत तिथि के अनुसार धान तौल कर सके। वहीं, टोकन नहीं दिखाने पर कर्मचारी ने किसान को केंद्र प्रभारी से संपर्क करने को कहा। इस पर किसान भड़क गया और उसकी पिटाई कर दी। आरोप लगाया है कि किसान अपनी गाड़ी से डंडा निकालकर लाया था।

मॉडल बनाओ प्रतियोगिता में अल्का रही प्रथम

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: डिजिटल लाइब्रेरी में एससीईआरटी के तत्वावधान और डायट ऊधम सिंह नगर के निर्देशन में समग्र शिक्षा उत्तराखंड द्वारा ब्लॉक स्तरीय प्रायोजित सामाजिक विज्ञान महोत्सव के अंतर्गत राजकीय विद्यालयों के कक्षा 6 से 8 तक के बच्चों के लिए तीन गतिविधियां आयोजित की गईं। मॉडल निर्माण प्रतियोगिता में आठवीं की अल्का राजकीय इंटर कॉलेज चारूबेटा प्रथम रही।

भाषण प्रतियोगिता में राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बगुलिया की विदिशा, सामाजिक विज्ञान सामान्य ज्ञान क्विज में राजकीय इंटर कॉलेज चारूबेटा के अनिकेत प्रथम स्थान पर रहे। मूल्यांकन भूपेंद्र सिंह सौन, अमित जोशी, प्रकाश चंद्र, कमल जोशी, कीर्ति वल्लभ, गहतोड़ी, सुमित भट्ट, हरीश चंद्र मठपाल, आलोक तथा मोहित भट्ट द्वारा किया गया। संचालन में चेतन भट्ट ने किया। इस अवसर पर संयोजक निर्मल न्योलिया, प्रभारी प्रधानाचार्य ललित जोशी, नरेंद्र रौतेला, सुखजीत कौर, केडी जोशी, दीप्ति नेगी, नरेश पासवान, चंपा कन्याल, रामानंद सिंह पुष्पांजलि पाल, रितिका, किरण, प्रतिभा जायसवाल, बलवंत सिंह लक्ष्मी पोखरिया, जगदीश सिंह, गणेश सिंह, मंजू हेनरी, घनश्याम सिंह आदि मौजूद रहे।

खटीमा में आयोजित विज्ञान महोत्सव में विजेता बच्चों के साथ आयोजक।

अंडर-14 और अंडर -18 बालक वर्ग की टीम घोषित

खटीमा : जिला क्रीड़ाधिकारी टिहरी गढ़वाल द्वारा राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए जिला क्रीड़ा अधिकारी जानकी कार्की ने ऊधम सिंह नगर की अंडर-14 और अंडर-18 के बालकों की टीम की घोषणा कर दी है। रुद्रपुर स्टेडियम की कोच अल्पना त्यागी ने बताया कि अंडर-14 की टीम में मन्नू मंडल, यश ज्याला, आयुष श्रीवास्तव, देवेंद्र सिंह, विक्रम सिंह मेहरा सूर्यांश वारिया, दीपेश भट्ट, काव्यांश चंद, ललित रावत, दिव्यांशु भट्ट, इशांत पोखरिया और शिवांश कापड़ी शामिल है जबकि देवांश सिंह अतिरिक्त खिलाड़ी होंगे। टीम के कोच नवल कन्याल होंगे।

कार्रवाई | औषधि निरीक्षक की छापेमारी से मचा हड़कंप, कई मेडिकल स्वामी ताले डालकर चंपत

दिनेशपुर में औषधि निरीक्षक ने किया निरीक्षण

संवाददाता,दिनेशपुर

अमृत विचार: जिला औषधि निरीक्षक की टीम ने नगर में मेडिकल स्टोर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कार्रवाई को देखकर दवा विक्रेताओं में हड़कंप मचा रहा। कई मेडिकल स्टोर स्वामी ताले लगाकर चंपत हो गए। टीम ने निरीक्षण के दौरान मेडिकल स्टोर में लाइसेंस, बिलिंग व अन्य दस्तावेजों की जांच कर दवाओं के स्टॉक व एक्सपायरी डेट का निरीक्षण किया। उन्होंने दवाइयों के रखरखाव सहित अन्य व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी। बंद मिले मेडिकल स्टोर स्वामियों पर कार्रवाई करने की बात कही।

शुक्रवार की शाम जिला औषधि विभाग निरीक्षक शुभम कोटाला व सहनिरीक्षक निधि ने नगर स्थित अक्षत मेडिकल स्टोर पर पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण की खबर सुनकर तमाम दवा विक्रेताओं में हड़कंप मच गया। टीम ने मेडिकल स्टोर पर उपस्थित तमाम दवाओं के बिल व एक्सपायरी डेट का बारीकी से निरीक्षण किया। जहां फार्मासिस्ट उपस्थित नहीं मिलने पर टीम ने मेडिकल स्टोरों को बंद करवाया। टीम ने फार्मासिस्ट की मौजूदगी में मेडिकल स्टोर संचालित करने के निर्देश दिए। टीम ने अस्पताल के मुख्य द्वार पर अशोक मेडिकल स्टोर पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने मेडिकल स्वामी शशांक अग्रवाल से नियमानुसार कार्य करने के निर्देश दिए। टीम ने बताया कि समय-समय पर नगर के साथ कालीनगर, बंगालीमोड़, चक्कीमोड़ में मेडिकल स्टोरों का भी औचक निरीक्षण किया जाएगा। इस मौके पर दिनेशपुर कैमिस्ट एसोसिएशन अध्यक्ष विकास सरकार, महामंत्री मयंक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष तरुण कुमार यादव, अमित सक्सेना मौजूद थे।

मेडिकल स्टोर का निरीक्षण करते औषधि निरीक्षक शुभम कोटाला व सहनिरीक्षक निधि।

नए कोतवाल सुंदरम शर्मा ने लिया चार्ज

सितारगंज : सितारगंज के नए कोतवाल सुंदरम शर्मा ने चार्ज ले लिया है। वहीं, सितारगंज के कोतवाल रहे नरेश चौहान को बाजपुर भेजा गया है।

एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने जिले में कुल 9 निरीक्षकों का तबादला किया है। इससे पहले निरीक्षक सुंदरम शर्मा साइबर सेल के प्रभारी थे। कोतवाल सुंदरम शर्मा ने कहा कि सभी लोगों को साथ लेकर अपराध नियंत्रण के लिए काम किया जाएगा। नशे के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा। नशा बेचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। वहीं, उन्होंने जनता से अपराध को रोकने के लिए पुलिस की सहायता करने की अपील की। 2004 में सुंदरम शर्मा को पहली तैनाती सितारगंज में मिली थी।

बीमा कम्पनी को 63.50 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश काशीपुर रीतेश कुमार श्रीवास्तव की अदालत ने सड़क दुर्घटना में मारे गए जसपुर निवासी मोहम्मद आदिल के परिजनों को 63 लाख 50 हजार रुपये का मुआवजा टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कम्पनी से दिलाने का आदेश दिया है।

मामले के अनुसार, 25 मई 2024 की रात मोहम्मद आदिल निवासी नई बस्ती, जसपुर अपने दोस्तों के साथ टहलने निकला था। रात करीब 10:45 बजे जब वह पतरामपुर रोड पर सम्राट आरा मशीन के पास पहुंचा, तभी पीछे से आ रही एक मोटरसाइकिल ने उसे तेज गति और लापरवाही से टक्कर मार दी। हादसे में आदिल गंभीर रूप से घायल हो गया। दोस्तों द्वारा उसे जसपुर के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अगले दिन शव का पोस्टमार्टम काशीपुर में हुआ। इस संबंध में आदिल के पिता अहमद नबी ने थाना जसपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मृतक के परिजनों ने अधिवक्ता कैलाश चन्द्र प्रजापति के माध्यम से क्षतिपूर्ति का मुकदमा जिला न्यायालय रुद्रपुर में दाखिल किया था, जिसकी सुनवाई द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश काशीपुर की अदालत में हुई। मुकदमे के दौरान अधिवक्ता कैलाश चन्द्र प्रजापति एडवोकेट ने मृतक के पिता अहमद नबी, प्रत्यक्षदर्शी मुईन अहमद तथा आयकर निरीक्षक विनोद कुमार भल्ला के बयान दर्ज कराए। उन्होंने न्यायालय को बताया कि मृतक आदिल एक निजी नौकरी के साथ अपने पिता के लकड़ी के व्यवसाय में भी सहयोग करता था और लगभग 6.50 लाख वार्षिक आय प्राप्त करता था। अधिवक्ता ने यह भी तर्क दिया कि दुर्घटना के लिए पूरी तरह मोटरसाइकिल चालक की लापरवाही जिम्मेदार थी। सभी साक्ष्यों और तर्कों पर विचार करते हुए न्यायालय ने बीमा कम्पनी को आदेश दिया कि वह मृतक के परिजनों को 63,50,412 रुपये की क्षतिपूर्ति राशि 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित अदा करे।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शनिवार,1 नवंबर 2025

यूनिटी मार्च को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते डीएम और मेयर। ● अमृत विचार

बाजपुर में लेवड़ा पुल के पास हरी झंडी दिखाकर मैराथन दौड़ को रवाना करतीं एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा।

सितारगंज में बाइक रैली निकालते एसएसबी के जवान। ● अमृत विचार

ऊधमसिंह नगर में पटेल जयंती पर हुई एकता दौड़

सरदार पटेल की मूर्ति पर मेयर और डीएम ने की पुष्पांजलि अर्पित, डीएम ने पटेल पार्क में एकता व अखंडता की दिलाई शपथ

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: जनपद में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। मुख्यालय रुद्रपुर में प्रातः लौह पुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की मूर्ति पर मेयर विकास शर्मा, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया आदि ने पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए व सरदार वल्लभभाई पटेल अमर रहे के नारे लगाए।

शुक्रवार को जयंती कार्यक्रम के तहत यूनिटी मार्च पटेल पार्क से जगतपुरा रोड, हाईवे होते हुए स्टेडियम तक निकाली गई, जिसको पटेल पार्क से हरी झंडी दिखा कर अतिथियों ने रवाना किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने पटेल पार्क में मौजूद सभी को एकता व अखंडता की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि महापौर विकास शर्मा ने कहा कि भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्र पुरुष थे। उन्होंने भारत को नई दिशा दी, एक राष्ट्र श्रेष्ठ राष्ट्र संकल्पना को साकार किया व 565 रियासतों को मिलाकर मजबूत राष्ट्र का निर्माण किया। उन्होंने कहा कि हम सभी को उनके जीवन व कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए व देश राष्ट्र हित में कार्य करने की अपील भी की।

जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने लौह पुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर जिला कार्यालय के कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता व अखंडता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में एएनझा कॉलेज के छात्र दिनेश सिंह व ऑक्सफोर्ड एकेडमी की वैभवी ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवनी पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख गदरपुर ज्योति ग्रोवर, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शासनी, उप जिलाधिकारी मनीष बिष्ट, मुख्य शिक्षा अधिकारी केएस रावत, युवक कल्याण अधिकारी बीएस रावत, सांसद प्रतिनिधि प्रीत ग्रोवर, बिट्टू शर्मा, मुकेश पाल, सुनील ठुकराल, तरुण दत्ता, विजय तोमर, धर्मेन्द्र शर्मा व अनेक जनप्रतिनिधि, जनता व स्कूली बच्चे मौजूद थे।

रन फॉर यूनिटी में बच्चों के साथ दौड़ लगाते एसएसपी। ● अमृत विचार

रुद्रपुर में बच्चों के साथ दौड़े कप्तान मिश्रा

रुद्रपुर : लौह पुरुष और भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर पुलिस विभाग ने रन फॉर यूनिटी दौड़ का आयोजन किया। इसमें स्कूली बच्चों के साथ एसएसपी भी दौड़े और पटेल के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी एकजुट होकर देश को तरक्की के पथ पर अग्रसर कर सकती है। शुक्रवार को एसएसपी मणिकांत मिश्रा अनाज मंडी पहुंचे और एकता दौड़ को हरी झंडी देकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि दौड़ एकता, अखंडता व राष्ट्रीय चेतना का संदेश देती है। रन फॉर यूनिटी दौड़ का आयोजन हुआ था। ताकि युवा पीढ़ी बेहतर भविष्य का निर्धारण कर देश को आगे बढ़ाए। इस दौरान उन्होंने बच्चों को साइबर सुरक्षा, नशामुक्त प्रदेश और बेहतर कैसे बनाए, इन सभी की जानकारी दी। दौड़ अनाज मंडी से होते हुए गांधी पार्क पर आकर समाप्त हुई।

रन फार यूनिटी मैराथन में जसकरण कौर प्रथम

बाजपुर : लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर गुरुवार को कोतवाली बाजपुर व राजस्व प्रशासन सहित विभिन्न विभागों की ओर से 'रन फार यूनिटी' मैराथन का आयोजन किया गया। नैनीताल स्टेट हाईवे स्थित पं.दीनदयाल पार्क लेवड़ा पुल से शुरू हुई दौड़ करीब दो किलोमीटर दूरी तय करके नेहरू मैदान चीनी मिल बाजपुर में पहुंचकर संपन्न हुई। कार्यक्रम में 300 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। महिला वर्ग मैराथन में जसकरण कौर ने प्रथम, शना परवीन ने द्वितीय और सुमनजीत कौर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार पुरुष वर्ग में सूरजपाल प्रथम, अभय कुमार द्वितीय तथा मोहित सिंह तृतीय स्थान पर रहे। दौड़ के बाद रस्सा-कसी प्रतियोगिता आयोजित हुई। महिला वर्ग में डिग्री कालेज बाजपुर की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। पुरुष वर्ग में रिवरडेल स्कूल की टीम विजेता रही, जबकि इंटर कालेज बाजपुर उपविजेता रहा। कार्यक्रम में पुलिस टीम और स्थानीय संभ्रांत व्यक्तियों के बीच हुए रस्साकसी मुकाबले में पुलिस टीम विजयी रही। कार्यक्रम में भाजपा नेता दर्जा राज्यमंत्री गन्ना मंजीत सिंह राजू, एसडीएम बाजपुर डॉ. अमृता शर्मा, पूर्व दर्जा मंत्री राजेश कुमार, बिट्टू चौहान, मोहन पाल, यशपाल राजहंस, रमेश गर्ग, संदीप गुप्ता, अचल प्रेम कोरंगा, मेजर सिंह, भगवंत म्यान आदि मौजूद रहे।

किच्छा में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभागी को स्मृति चिन्ह भेंट करते एसडीएम एवं सीओ।

किच्छा में लगाई राष्ट्रीय एकता दौड़

किच्छा : लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती के अवसर पर नगर क्षेत्र में राष्ट्रीय एकता दौड़ का आयोजन किया गया। पटेल जयंती के मौके पर प्रशासन एवं भाजपा के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम में स्कूली बच्चों सहित पुलिस कर्मी, प्रशासनिक अधिकारी एवं पार्टी कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। नगर स्थित सरदार बल्लभभाई पटेल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से शुरू हुई राष्ट्रीय एकता दौड़ नगर के मुख्य बाजार, बरेली मार्ग होती हुई आवास विकास स्थित सरदार बल्लभभाई पटेल पार्क में पहुंचकर संपन्न हुई। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी गौरव पांडे ने कहा कि आज देश को पूर्व की अपेक्षा अधिक एकजुटता की आवश्यकता है। पुलिस क्षेत्राधिकारी भूपेंद्र सिंह धोनी ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दौड़ न केवल खेल का प्रतीक है, बल्कि यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी और देश के प्रति समर्पण का भी प्रतीक है। इस मौके पर पटेल पार्क में आयोजित कार्यक्रम में एसडीएम गौरव पांडे, पुलिस क्षेत्राधिकारी भूपेंद्र सिंह धोनी, तहसीलदार गिरीश चंद्र त्रिपाठी, नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी दीपक शुक्ला ने प्रतिभागी बच्चों को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका उत्साह वर्धन किया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, भाजपा नेता विवेक सक्सेना, नवनियुक्त कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रकाश दानू, संजीव खन्ना, नितिन वाल्मीकि, धर्मराज जायसवाल, संदीप अरोड़ा, बंटी खुराना, नरेंद्र ठुकराल, राकेश यादव आदि मौजूद रहे।

दिनेशपुर में सरदार पटेल की जयंती पर पदयात्रा निकालते जनप्रतिनिधि व स्कूली बच्चे।

एसएसबी जवानों ने निकाली बाइक रैली

सितारगंज : एसएसबी जवानों ने सरदार पटेल की 150 वीं जयंती को एकता दिवस के रूप में मनाया। इस अवसर पर बल के जवानों और अधिकारियों ने देश की एकता, अखंडता और भाईचारा बनाए रखने का संकल्प लेते हुए यूनिटी रन का आयोजन किया। शुक्रवार को कमांडेंट मनोहर लाल के नेतृत्व में 57वीं वाहिनी एसएसबी में राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान एसएसबी परिसर से सिद्धगर्ब्यांग तक बाइक रैली तथा राष्ट्रीय एकता दौड़ का आयोजन किया गया। वहीं, कमांडेंट मनोहर लाल ने कहा कि सरदार पटेल के दूरदर्शी नेतृत्व और अदम्य साहस ने देश को एकता को कायम रखने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि देश की एकता, अखंडता और समृद्धि के लिए बलकर्मीयों को निष्ठा, अनुशासन और समर्पण भाव से कार्य करना चाहिए। वहां डॉ. बीबी सिंह, उप कमांडेंट अनिल कुमार यादव, निरीक्षक विनोद मेघवाल, मुन्नी बाई, महिपाल सिंह, राजू कुमार सिंह, शिव शंकर सिंह, नरेन्द्र राम, विजेंद्र कुमार, सुमित बुधोरी, गौरी शंकर यादव, अमृतपाल सिंह आदि उपस्थित रहे। इधर, भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश सनवाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने भी यूनिटी रन का आयोजन किया। जो एमपी चौक से शुरू होकर महाराजा अग्रसेन ट्रस्ट पर समाप्त हुई। इस दौरान सभी कार्यकर्ताओं ने देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने की शपथ ली। वहां भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, ब्लॉक प्रमुख उपकार सिंह बल, पालिकाध्यक्ष सुखदेव सिंह, नवीन भट्ट निराला, अमित रस्तोगी, पलविंदर सिंह ओलख आदि मौजूद रहें।

खटीमा में दौड़ में प्रतिभाग करने वाले बच्चों के साथ अतिथि और आयोजक।

खटीमा में दिया गया नशा मुक्ति का संदेश

खटीमा : सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, गणमान्य नागरिकों, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। रामलीला ग्राउंड से शुरू हुई दौड़ कंजाबाग चौराहे पर स्थापित राष्ट्रीय तिरंगे के समीप समाप्त हुई। इस मौके पर उपस्थित अतिथियों ने नशा मुक्ति पर चर्चा करते हुए युवाओं को नशे से दूर रहने तथा नशे से होने वाले कुप्रभाव के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया। संचालन संयोजक अमित कुमार पांडे ने किया। इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दर्जा राज्य मंत्री हेमराज बिष्ट, विशिष्ट अतिथि दर्जा राज्य मंत्री दीपक मेहरा, प्रभारी निरीक्षक विजेंद्र शाह, कार्यक्रम के अध्यक्ष जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्या, पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, रविंद्र राणा, नंदन सिंह खड़ायत, हरीश जोशी, विमला बिष्ट, जिला क्रीड़ा अधिकारी जानकी कार्की, तहसीलदार वीरेंद्र सजवान तथा खंड विकास अधिकारी डीएस कन्याल आदि मौजूद रहे। इधर भारत नेपाल सीमा स्थित सशस्त्र सीमा बल की विभिन्न चौकियों पर भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। 57 बटालियन सशस्त्र सीमा बल सितारगंज के कमांडेंट मनोहर लाल के निर्देशन में नेपाल सीमा स्थित मेलाघाट, नारायण नगर और सिंबल घाट चौकियों के प्रभारी पटेल के योगदान का स्मरण करते हुए जवानों से कहा कि देश की एकता, अखंडता, सुरक्षा एवं स्मृद्धि के लिए निष्ठा, अनुशासन और समर्पण की भावना से कार्य करना चाहिए। इस मौके पर रैली और राष्ट्रीय एकता दौड़ का भी आयोजन किया गया। सरस्वती एकेडमी बिगराबाग में राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। विद्यालय की चेयरपर्सन ज्योति पाल, प्रधानाचार्य रामयश सहित शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर उन्हें याद किया।

किट वितरण कार्यक्रम में लाभार्थी, जनप्रतिनिधि, सुपरवाइजर एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता।

महालक्ष्मी योजना के 80 लाभार्थियों को किट वितरित

बाजपुर : नगरपालिका परिषद बाजपुर के वार्ड संख्या-6 मोहल्ला केशवनगर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र तृतीय में बुधवार को मुख्यमंत्री महालक्ष्मी योजना के अंतर्गत 80 महिला लाभार्थियों को किट वितरित की गईं। किट मिलने पर लाभार्थियों के चेहरों पर संतोष व उत्साह स्पष्ट दिखाई दिया। किट पाने वालों में संगीता, पूजा, नजराना, कोमल, पूजा रानी, साजिया परवीन, निशा, कमरजहां, सीमा, इकरा, सना, रुबीना, दीपा, आसिफा, लता, कोमलदीप, शिवानी, मीना, आयशा समेत 80 महिलाएं शामिल रहीं। कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना की सुपरवाइजर मंजू दुर्गा पाल, सभासद प्रतिनिधि मोहम्मद आसिफ सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रजनी, मंजू गोस्वामी, मीरा, आबदा, बबीता, मेहनाज, रीना, मीनू त्रिपाठी, रुखसाना, नीलम, सरिता मैसी, जाकिया, नाजमीना, मालती, जयश्री, बलविंदर कौर, पूनम आदि मौजूद रहीं।

नई पीढ़ी को जागरूक करने का प्रयास : जंगपांगी

संवाददाता, दिनेशपुर

दिनेशपुर में एक्शनएड एसोसिएशन द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान में शामिल अध्यापिकाएं व छात्राएं। ● अमृत विचार

अमृत विचार : एक्शनएंड एसोसिएशन के तत्वावधान में स्व महंगाराम मिगलानी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न की रोकथाम अधिनियम 'पॉश'' एक्ट 2013 को लेकर जागरूकता के माध्यम से छात्राओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित कर अभियान को जारी रखा गया। बालिकाओं और शिक्षिकाओं के साथ सुरक्षित कार्यस्थलों के लिए एक नई पीढ़ी को जागरूक कर सशक्त करने का प्रयास कर कानून के तहत सुरक्षा प्रावधानों और प्रक्रियाओं के बारे में जागरूक किया गया।

शुक्रवार को स्व. महंगाराम मिगलानी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करती एक्शनएंड एसोसिएशन की हीरा जंगपांगी रौतेला ने कहा कि चलाए जा रहे 100 दिवसीय अभियान पॉश अधिनियम उत्पीड़न रहित कार्यस्थल का आपका अधिकार सुनिश्चित करने के लिए छात्राओं व शिक्षिकाओं के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। विद्यालय प्रभारी प्रधानाचार्य हंसी जोशी ने कहा कार्यस्थल पर महिलाओं व युवतियों एवं छात्राओं की सुरक्षा और सम्मान के बारे में जागरूकता बढ़ाने व सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन पूनम कुशवाहा ने किया। इस मौके पर अध्यापिकाएं हेमा नयाल, सीमा बोरा, आरती, पूनम कुशवाहा, कंचन, कमला उप्रेती, अध्यापक दीप पांडे, अनिल रौतेला आदि मौजूद रहे।

दिनेशपुर में सरदार पटेल की जयंती पर निकाली पदयात्रा

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। थाना परिसर में आयोजित कार्यक्रम में भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र के समक्ष थानाध्यक्ष रविंद्र सिंह बिष्ट व नपं पूर्व अध्यक्ष काबल सिंह विर्क के साथ जनप्रतिनिधि ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। स्कूली बच्चों के चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया।

शुक्रवार को थाना परिसर में आयोजित कार्यक्रम में पदयात्रा को थानाध्यक्ष रविंद्र सिंह बिष्ट व नपं पूर्व अध्यक्ष काबल सिंह विर्क द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान काबल सिंह विर्क ने कहा कि भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्र पुरुष थे। उन्होंने भारत को नई दिशा दी। थानाध्यक्ष रविंद्र सिंह बिष्ट ने थाना परिसर में कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता व अखंडता की शपथ दिलाई। इस दौरान स्कूली बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। इस मौके पर व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेश नारंग, व्यापारी नेता विशंभर लाल मिगलानी व भोला शर्मा, जिपं पूर्व उपाध्यक्ष त्रिनाथ विश्वास, पूर्व जिपंस मोहन सिंह पानू, समाजसेवी तरुण कुमार सिंह, हिमांशु सरकार, दीपक मक्कड़, डॉ. गौरव श्रीवास्तव, गोपाल चक्रवर्ती, पंकज गोयल उर्फ सोनू, मानसिंह कोरंगा, चेतन सुखीजा, राहुल बाठला, डॉ सिमरन पांडे, सागर सिंह मौजूद रहे।

कार्यक्रम | रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम के तहत मैराथन दौड़, गोष्ठी व ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन

निकिता, कपिल, मधु और बबलू ने जीता मैराथन का खिताब

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: कोतवाली काशीपुर, थाना आईटीआई, कुंडा कोतवाली द्वारा लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम के तहत मैराथन दौड़, गोष्ठी व ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में समस्त पुलिस इकाइयों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर शुक्रवार को पुलिस द्वारा रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम के तहत विभिन्न स्थानों पर मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। मैराथन को विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, एएसपी स्वप्न किशोर ने हरी झंडी दिखा शुरू कराया गया।

काशीपुर में मैराथन को हरी झंडी दिखाते मुख्य अतिथि। ● अमृत विचार

इस दौरान विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, सीओ दीपक सिंह, कोतवाल हरेंद्र चौधरी, थानाध्यक्ष थाना आईटीआई कुंदन सिंह रौतेला, सीपीयू प्रभारी जसवंत सिंह, आईजीएल, गलबलिया व केवीएस कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी, पूर्व सैनिक व पुलिस तथा स्थानीय क्षेत्र के गणमान्य लोगों द्वारा स्कूली बच्चों के मध्य सरदार बल्लभभाई पटेल की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए तथा भारतवर्ष में उनके महत्वपूर्ण योगदान के बारे में अवगत कराते हुए राष्ट्रीय एकता के बारे में अपने-अपने विचार रखे।

उधर स्टेडियम में भी रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ विधायक त्रिलोक सिंह चीमा व भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष मनोज पाल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। स्टेडियम प्रभारी महेश्वर नेगी ने बताया की प्रतियोगिता का आयोजन दो वर्गों में किया गया। यहां पुरुष वर्ग मे प्रथम स्थान पर बबलू व द्वितीय स्थान पर सौरभ सिंह व तृतीय स्थान पर विनोद चौधरी रहे। महिला वर्ग में प्रथम स्थान पर निकिता, द्वितीय स्थान पर भक्ति व तृतीय स्थान पर स्वाति राय रही। उधर कोतवाली द्वारा आयोजित मैराथन में कपिल कुमार और मधु पवार पहले स्थान पर रहे। इस अवसर पर स्टेट एथलेटिक्स सिलेक्शन कमेटी के अध्यक्ष विजेंद्र चौधरी, उप जिलाधिकारी अभय प्रताप सिंह, कुंडेश्वरी चौकी प्रभारी चंदन सिंह बिष्ट आदि मौजूद रहे।

मां का स्थान सृष्टि में है सर्वोपरि

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: विश्नोई सभा के तत्वावधान में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन हरिद्वार के महान संत महंत स्वामी प्रणवानंद जी महाराज के सानिध्य में कथा व्यास आचार्य अमृतानंद जी महाराज ने अपने प्रवचनों से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया।

आचार्य अमृतानंद ने कहा कि जो व्यक्ति संतों की कथा श्रवण करता है, उसकी समस्त व्यथाएं मिट जाती हैं। उन्होंने ममता और मातृत्व के महत्व का वर्णन करते हुए कहा कि मां का स्थान सृष्टि में सर्वोपरि है। गुरुदेव ने बताया कि नियमित हवन करने से न केवल पर्यावरण शुद्ध रहता है, बल्कि रोगजनक जीवाणु भी नष्ट हो जाते हैं, जिससे मन और मस्तिष्क दोनों स्वस्थ रहते हैं। इस अवसर पर हरिद्वार से पधारे महंत स्वामी प्रणवानंद जी महाराज ने श्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जो व्यक्ति कठिनाइयों को सहन करते हुए श्रम करता है, वही सफलता के शिखर पर पहुंचता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि मंदिर की मूर्तियाँ भी पत्थर पर निरंतर चोट से आकार लेती हैं जो पत्थर आघात सह लेता है, वही भगवान का स्वरूप बनता है। कथा के दौरान वातावरण भक्ति और श्रद्धा से ओत-प्रोत रहा। कार्यक्रम में अध्यक्ष राजवीर सिंह, डॉ. सुरेंद्र सिंह, राकेश कुमार (पानू वाला), अजीत कुमार, महेश कुमार वर्मा, वर्षा रानी, जयदीप सिंह, तारा सिंह (हिरणपुर), सर्वेश बिश्नोई, मीनू गुप्ता, संजय अग्रवाल, संजीव बिश्नोई, प्रकाश बिश्नोई, सुधीश बिश्नोई, ज्योति बिश्नोई, मनोज बिश्नोई, करुणा बिश्नोई मौजूद रहे।

श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन श्रद्धालुओं को संबांधित करते संत। ● अमृत विचार

ब्रीफ न्यूज

डिवाइडर से टकराई बाइक, चार लोग घायल

टनकपुर : टनकपुर से सूखीढांग की ओर जा रही बाइक के डिवाइडर में टकराने से चार लोग घायल हो गए। शुक्रवार अपरान्ह बाइक से टनकपुर से सूखीढांग की ओर जा रही थी। टनकपुर- चम्पावत हाइवे पर बस्तिया के समीप बाइक डिवाइडर से टकरा गई, जिससे संदीप जोशी (26), रेखा जोशी (27), अमन जोशी (10) तथा शिवांश जोशी (7) घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी को तत्काल टनकपुर अस्पताल पहुंचाया गया। डा. नौनिहाल सिंह ने बताया कि रेखा जोशी, अमन जोशी व शिवांश जोशी को गंभीर चोट आने से हायर सेंटर रेफर किया गया है। जबकि संदीप जोशी का उपचार टनकपुर अस्पताल में किया जा रहा है।

राज्य स्तरीय चक्का फेंक में कुणाल ने जीता गोल्ड

खटीमा : कुणाल सक्सेना ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया है। आचार्य नरेंद्र देव इंटर कॉलेज के 11वीं कक्षा के छात्र कुणाल ने देहरादून में बृहस्पतिवार को आयोजित राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के चक्का फेंक में स्वर्ण पदक जीत लिया है। प्रधानाचार्य प्रेम सिंह बिष्ट ने कहा कि कुणाल अब राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगा। कुणाल की सफलता पर प्रबंधक ज्योति प्रकाश, सुशील भट्ट, तिलक प्रसाद, शिवराज चंद ने कुणाल को बधाई दी।

पूर्व पीएम इंदिरा व सरदार पटेल को याद किया

कांग्रेस पार्टी दफ्तर में आयोजित हुआ कार्यक्रम, दोनों विभूतियों के बताये मार्ग पर चलने का आह्वान किया

संवाददाता, अल्मोड़ा/रानीखेत

अल्मोड़ा में सरदार पटेल और पूर्व पीएम इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि देते कांग्रेस कार्यकर्ता।

रानीखेत में सद्भावना दौड़ में प्रतिभाग करते प्रतिभागी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम हुआ। कार्यकर्ताओं ने दोनों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। उनके विचारों और आदर्शों पर चलने का आह्वान किया।

इस मौके जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज ने कहा कि इंदिरा गांधी 16 वर्ष तक देश की प्रधानमंत्री रही। उनके शासनकाल में कई उतार-चढ़ाव आए। लेकिन 1975 में आपातकाल 1984 में सिख दंगा जैसे कई मुद्दों पर इंदिरा गांधी को भारी विरोध-प्रदर्शन और तीखी आलोचनाएं भी झेलनी पड़ी थी। इसके बाद भी 1971 के युद्ध में विश्व शक्तियों के सामने नहीं झुकने के समयानुकूल निर्णय से पाकिस्तान को परास्त किया और बांग्लादेश को मुक्ति दिलाकर स्वतंत्र भारत को एक नया गौरवपूर्ण क्षण दिलवाया। यहां नगर अध्यक्ष तारा चंद्र जोशी, पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रकाश चंद्र जोशी, महिला जिलाध्यक्ष राधा बिष्ट, दिनेश नेगी, जया जोशी, पूरन रौतेला, दिनेश पिलख्वाल, नरेश बाराकोटी, मनोज बिष्ट, बाल विक्रम रावत, किरन आर्या, विनोद वैष्णव, नारायण दत्त पांडे, निजाम कुरैशी आदि मौजूद रहे।

वहीं, रानीखेत में भी भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि व लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती पर आज पूर्व की भांति पीसीसी सदस्य कैलाश पांडेय जी के आवास पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मनाई गई। उसके पश्चात एक होटल में पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा ने कार्यकर्ताओं संग एक कार्यक्रम में इंदिरा गांधी व लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा ओर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा, पीसीसी सदस्य कैलाश पांडेय, जिला हॉकी संघ के अध्यक्ष अगस्त लाल साह, नगर अध्यक्ष उमेश भट्ट, हीरा सिंह रावत, गीता पवार, नेहा साह माहरा, अंकिता पंत, कुलदीप कुमार आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे। इधर, भारत सरकार, गृह मंत्रालय के तत्वाधान व अमित कुमार, महानिरीक्षक सीमांत रानीखेत के मार्गदर्शन में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर पांच किलोमीटर एकता दौड़ आयोजन किया गया।

इस सद्भावना दौड का शुभारंभ सयुक्त मजिस्ट्रेट गौरी प्रभात ने किया। पांच किलोमीटर की सद्भावना दौड़ स्थानीय प्रशासन व उत्तराखंड पुलिस के सहयोग से नैनीताल बैंक तिराहे से प्रारंभ होकर विजय चौक और गांधी चौक होते हुए वापस नैनीताल बैंक तिराहे पर समाप्त हुई।

जयंती के अवसर पर रन फॉर यूनिटी का किया गया आयोजन

अल्मोड़ा : जिले भर में लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई। जयंती अवसर पर रन फॉर यूनिटी का भी आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, पुलिस बल, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, स्वयंसेवी संगठन और आम नागरिक शामिल हुए। रन फॉर यूनिटी का शुभारंभ डीएम अंशुल सिंह, एसएसपी देवेन्द्र पींचा और मेयर अजय वर्मा ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया गया। इसके बाद रन फॉर यूनिटी की शुरुआत हेमवती नंदन बहुगुणा स्टेडियम से शुरू होकर नवीन पार्किंग स्थल टेस्ट स्टैंड तिराहा पर संपन्न हुई। इधर, राइंका कमलेश्वर में सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रधानाचार्य खजान चन्द्र कांडपाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरदार पटेल ने भारत की एकता और अखण्डता के लिए जो योगदान दिया, वह सदा स्मरणीय रहेगा। वहीं, आयरन लेडी इंदिरा गांधी को भी याद किया गया। इस मौके पर सभी को राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलाई गई। यहां राजेन्द्र सिंह बिष्ट, नरेन्द्र सिंह बनकोटी, रेणुका जोशी, संगीता पंत, सवित जनौटी, गणेश जोशी जी, प्रीतिका भटनागर, प्रेमा कैड़ा, ललिता रौतेला, शर्मिला, निर्मला लोहुमी, मनोज पाठक, चन्द्र शेखर, मोहित प्रभात, मनोज जोशी, राम लाल, गोविन्दी, अंजना आदि रहे।

'रन फॉर यूनिटी' का जोश सरदार पटेल को श्रद्धांजलि

संवाददाता, टनकपुर/चम्पावत

अमृत विचार : सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर चम्पावत में शुक्रवार को विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'रन फॉर यूनिटी' का उत्साहपूर्ण आयोजन हुआ तथा प्रशासनिक कार्यालयों में राष्ट्रीय एकता शपथ दिलाई गई।

प्रातः 8 बजे बस स्टेशन चम्पावत से आरंभ हुई 'रन फॉर यूनिटी' का समापन पुलिस लाइन चम्पावत में हुआ। जिलाधिकारी मनीष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अजय गणपति ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ का शुभारंभ किया और स्वयं भी नागरिकों, स्कूली बच्चों, पुलिस कर्मियों व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ दौड़ में सम्मिलित हुए। उत्साह से भरे माहौल में दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने राष्ट्र की एकता और सामूहिकता का सशक्त संदेश दिया।

पुलिस अधीक्षक अजय गणपति ने कहा कि यह दौड़ केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और राष्ट्रीय सद्भाव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के आदर्शों पर चलते हुए पुलिस और प्रशासन जनसहयोग से जिले में शांति और एकता को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बाद में कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम ने अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। कहा कि सरदार पटेल ने जिस प्रकार भारतीय रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर भारत की एकता की नींव रखी, वह सदैव प्रेरणास्रोत बनी रहेगी। उन्होंने सभी से राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

चम्पावत में आयोजित दौड़ में प्रतिभाग करते डीएम, एसपी व जनप्रतिनिधि।

चौड़ीकरण के विरोध में उतरे लोग

संवाददाता, अल्मोड़ा

सड़क चौड़ीकरण के विरोध में लोनिवि के अधिकारी से वार्ता करते ग्रामीण।

अमृत विचार: एनटीडी-कफड़खान सड़क चौड़ीकरण को लेकर ग्रामीणों का विरोध शुरू हो गया है। शुक्रवार को विभिन्न ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने लोनिवि कार्यालय में प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की। वहीं, डीएम को ज्ञापन सौंप जल्द सड़क चौड़ीकरण के फैसले को वापस लेने की मांग उठाई। मांग पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।

इस मौके पर ग्रामीणों ने कहा कि एनटीडी-कफड़खान सड़क का चौड़ीकरण किया जा रहा है। ऐसे में सड़क के चौड़ीकरण होने से ग्रामीणों के आवासीय भवन समेत रोजगार को खोले गए दुकाने इसकी जद में आ रहे हैं। जिससे ग्रामीणों को आर्थिक नुकसान के साथ तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। ग्रामीणों ने कहा कि यह मार्ग जिला पंचायत के अधीन आता है। लोनिवि की ओर से नोटिस देकर ग्रामीणों पर अतिक्रमण का आरोप लगाया जा रहा है। कहा कि सड़क चौड़ीकरण के लिए अतिक्रमण बताकर भूमि और निर्माण खाली कराना सही नहीं है। चेतावनी दी कि यदि जल्द सड़क चौड़ीकरण का निर्णय वापस नहीं लिया गया तो समस्त ग्रामीण उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे। यहां नंदन सिंह, शिबू मेहरा, तारा देवी, साधु चम्याल, हरीश मेहता, हेम तिवारी, विनोद पिलख्वाल, किशन सिंह, जोगा सिंह, प्रदीप मेहता, रविन्द्र तिवारी, प्रकाश, बसंत बल्लभ, अज्जू खान, सरस्वती, देवेंद्र मेहता, हर्ष सिंह, प्रमोद मेहरा, नंदन कार्की, हेमंत पंत, रमा, हरीश मेहता, गोपाल, तिलक, मनोज, उमेश, हरीश, सोम तिवारी, मनोज आदि मौजूद रहे।

मेडिकल स्टोर में अनिवार्य रूप से स्थापित करें कैमरे

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: एनकॉर्ड समिति की शुक्रवार को कलक्ट्रेट में बैठक आयोजि त हुई। बैठक में डीएम अंशुल सिंह की अध्यक्षता में नशा मुक्ति के लिए ठोस कार्य योजना बनाने पर चर्चा की गई।

बैठक में बताया गया कि पुलिस द्वारा अब तक 51 अभियोग पंजीकृत किए गए हैं। जिनमें कुल 77 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गई है। साथ ही पुलिस टीम द्वारा नशे की जड़ मानी जाने वाली भांग की खेती को नष्ट करने की लगातार कार्रवाई की जा रही है। अब तक लगभग 850 नाली क्षेत्रफल में अवैध भांग की फसल नष्ट की जा चुकी है। बैठक में डीएम ने कहा कि जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग समन्वय स्थापित कर जागरूकता अभियान चलाएं। ताकि समाज के हर वर्ग तक नशा मुक्ति का संदेश पहुंच सके। उन्होंने निर्देश दिए कि नशा पीड़ितों की काउंसलिंग सुविधा उपलब्ध कराई जाए और सभी मेडिकल स्टोर्स में सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से स्थापित किए जाएं।

उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में मेडिकल किट के माध्यम से संदिग्ध व्यक्तियों की जांच सुनिश्चित करें। बैठक में एसएसपी देवेंद्र पींचा, सीएमओ नवीन चन्द्र तिवारी, जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी मोहम्मद शाहिद आदि मौजूद रहे।

लोक कलाकारों ने बांधा समां

संवाददाता, अल्मोड़ा

अल्मोड़ा में गोल्ज्यू महोत्सव में पंजाब के कलाकारों ने भांगड़ा नृत्य की प्रस्तुति दी।

अमृत विचार: नगर के मल्ला महल में पांच दिवसीय गोल्ज्यू महोत्सव के तहत रंगारंग कार्यक्रम जारी है। गुरुवार की रात लोक कलाकारों समेत पंजाब और राजस्थान के कलाकारों के नाम रही। कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति से लोगों को झुमने में मजबूर कर दिया।

संस्कार सांस्कृतिक एवं पर्यावरण संरक्षण समिति की ओर से आयोजित महोत्सव में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान के अलावा उत्तराखंड के सांस्कृतिक टीमों और लोक कलाकारों ने अपने-अपने राज्यों की लोक संस्कृति को मंच के माध्यम से लोगों के सम्मुख प्रस्तुत किया। देर रात स्टार नाइट में पंजाबी कलाकारों ने दर्शकों को भांगड़े की ताल में जमकर थिरकाया। वहीं, जम्मू के कलाकारों ने डोगरी की मनमोहक प्रस्तुति देकर दर्शक दीर्घा में बैठे लोगों की खूब तालियां बटोरी। इससे पूर्व मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक मनोज तिवारी ने महोत्सव का शुभारंभ किया। कहा कि इस तरह के महोत्सव से लोक संस्कृति को एक पहचान मिलती है। यहां महोत्सव के संयोजक प्रकाश बिष्ट, भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल, दुग्ध संघ अध्यक्ष गिरीश खोलिया, भाजपा जिला महामंत्री दर्शन रावत, पूर्व जिलाध्यक्ष रवि रौतेला, ललित लटवाल, विनीत बिष्ट, मनोज जोशी, कैलाश गुरुरानी, हरीश कनवाल, तारा जोशी, पूरन रौतेला, अखिलेश थापा, लता तिवारी, राधा बिष्ट, रवि चौहान, ललित बिष्ट, मयंक रौतेला आदि मौजूद रहे।

द्वाराहाट में तहसील परिसर में धरना देते ग्रामीण। ● अमृत विचार

सड़क सुधारीकरण के लिए ग्रामीणों का धरना

अल्मोड़ा, अमृत विचार : एनपीसीसी विभाग द्वारा निर्माणाधीन व अधूरे छोड़े गए सड़कों की बदहाल स्थिति को लेकर ग्रामीण मुखर हो गए है। शुक्रवार को ब्लॉक प्रमुख आरती किरौला के नेतृत्व में ग्रामीणों ने तहसील में धरना प्रदर्शन किया। एसडीएम को ज्ञापन सौंप जल्द सड़क सुधारीकरण की मांग उठाई। ग्रामीणों का कहना है कि एनपीसीसी विभाग द्वारा बनाई गई मल्ली मिरई-बग्वालीपोखर, जाख-बैनाली, कुकुछीना-मंगलीखान-नायल के अलावा पीडब्लूडी की पिनोली, कोटिला आदि गांवों को जोड़ने वाली सड़कों की हालत काफी खराब हो चुकी है। जगह-जगह गड्ढे होने से स्थानीय लोगों को आवागमन में दिक्कतें हो रही हैं। बारिश के मौसम में सड़कें दलदल में तब्दील हो जाती हैं। कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। भविष्य में भी दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है। कहा कि कई बार विभागीय अधिकारियों को जानकारी देने के बावजूद अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो ग्रामीण 20 नवंबर से आंदोलन को बाध्य होंगे। यहां प्रकाश सिंह अधिकारी, कमल साह, सुनील कांडपाल, निर्मल मठपाल, जगदीश आर्या, प्रताप रावत, शंकर आदि मौजूद रहे।

ठंडी सड़क का निर्माण कार्य शुरू

संवाददाता, बागेश्वर

मोटर मार्ग का शुभारंभ करतीं विधायक पार्वती दास। ● अमृत विचार

अमृत विचार: नगर पालिका अंतर्गत नदीगांव के नागरिकों का लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हो गई है। गोमती नदी किनारे से नदीगांव तक ठंडी सड़क का कार्य विधायक पार्वती दास के प्रयासों से प्रारंभ हो गया है। इस मार्ग का शुभारंभ करते हुए विधायक पार्वती दास ने कहा कि यह मार्ग उनके दिवंगत पति स्व चंदन दास के सपनों के तहत था जिसे प्रदेश के सीएम धामी ने पूरा करके धनराशि स्वीकृत की है। कहा कि मार्ग को आगे बढ़ाने के लिए अतिरिक्त राशि स्वीकृत कराने के प्रयास किए जाएंगे।

शुक्रवार को विधायक पार्वती दास ने राज्य योजना के अंतर्गत बागेश्वर-गिरेछीना मोटर मार्ग से नदीगांव तक पांच सौ मीटर लंबे सड़क का शुभारंभ किया। आठ करोड़ तीन लाख से अधिक की लागत से बन रही यह सड़क बनने से नदीगांव समेत अन्य क्षेत्र के लोगों को इसका लाभ मिलेगा साथ ही नगर में यातायात का दबाब कम होगा। विधायक ने कहा यह मार्ग उनके दिवंगत पति चंदन दास का सपना था। जिसे मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने पूरा किया। कहा कि मार्ग को और आगे तक स्वीकृत कराकर इसे बाईपास मार्ग तक जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इस मार्ग के प्रारंभ होने पर स्थानीय नागरिकों ने विधायक व मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए इसे विस्तारीकरण करने की मांग की। यहां कपकोट विधायक सुरेश गड़िया, नपा अध्यक्ष सुरेश खेतवाल, नगर मंडल अध्यक्ष विवेक तिवारी, डॉ. राजेंद्र परिहार, खड़क टंगणियां, दामोदर जोशी, दयाल पांडे, पंकज मेहता, वंशीधर कांडपाल, भगवती आदि रहे।

विद्यार्थियों का मनाया सामूहिक जन्मदिन

टनकपुर, अमृत विचार : राउमावि छीनीगोठ में सरदार पटेल की जयंती पर 11 छात्र-छात्राओं का सामूहिक जन्मदिन मनाया गया। महीने के अंतिम दिन में आयोजित नवाचारी कार्यक्रम के तहत संस्थाध्यक्ष दिग्भूषण गोस्वामी और ग्राम प्रधान इंद्रदेव विश्वकर्मा ने बच्चों से जन्मदिन केक कटवाया गया।

इस बार अक्टूबर माह में पैदा हुए 11बच्चों का सामूहिक जन्मदिन मनाया गया। बच्चों को जन्मदिवस उपहार प्रदान किए गए। ग्राम प्रधान इंद्रदेव ने स्कूल में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रम की सराहना की और प्रत्येक विद्यार्थियों को उपहार प्रदान किए। इस अवसर पर शिक्षक संजय कुमार, बेचन यादव, त्रिलोचन जोशी, पल्लव जोशी, पवन कुमार, उमेश चंद्र भट्ट, ओम प्रकाश, रेखा देवी, पुष्पा आदि रहे।

राजस्व वादों का अभियान चलाकर निस्तारण करें

संवाददाता, टनकपुर/चम्पावत

अमृत विचार : जिलाधिकारी मनीष कुमार ने शुक्रवार को जिला सभागार में समस्त उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों और पटल सहायकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में जिले की कानून व्यवस्था, विभिन्न न्यायालयों में लंबित वादों की स्थिति, राजस्व कार्यों, भू-राजस्व वसूली, अभियोजन कार्यों की जांच, खनन और परिवहन सहित विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की गई।

डीएम ने न्यायिक एवं राजस्व कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखते हुए सभी उप जिलाधिकारियों व तहसीलदारों को सख्त निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से अपने-अपने न्यायालयों में बैठें और माह में दर्ज तथा पुराने लंबित राजस्व वादों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर एक अभियान के तहत सुनिश्चित करें। जन कल्याण और पारदर्शिता पर जोर देते हुए डीएम ने कहा कि सभी तहसील कार्यालयों में जनता के कार्य समय पर होने चाहिए, और उप जिलाधिकारी सेवा के अधिकार के तहत साप्ताहिक समीक्षा करें। अवैध गतिविधियों पर कड़ा रुख अपनाते हुए डीएम ने सभी उप जिलाधिकारियों को अवैध खनन, ओवरलोडिंग और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए निर्देशित किया।

बैठक में एडीएम कृष्णा नाथ गोस्वामी, एसडीएम चम्पावत अनुराग आर्य, एसडीएम टनकपुर आका श जोशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कहानी में पाटी व भाषण प्रतियोगिता में बाराकोट विकासखंड रहा प्रथम

संवाददाता, चम्पावत

चम्पावत में मुख्य अतिथियों के साथ विजेता प्रतिभागी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: युवा कल्याण विभाग और प्रांतीय रक्षक दल की ओर से जिला मुख्यालय स्थित आडिटोरियम हाल में जिला स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन किया गया। शुक्रवार को को कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि दर्जा राज्य मंत्री श्याम नारायण पांडे और विशिष्ट अतिथि पालिकाध्यक्ष प्रेमा पांडे ने किया।

जिला युवा कल्याण अधिकारी जसवंत खड़ायत ने बताया कि महोत्सव में जिले के चारों ब्लाकों के युवक एवं महिला मंगल दलों के सदस्यों ने प्रतिभाग कर लोक गीत, लोकनृत्य, चित्रकला, कहानी भाषण और कविता लेखन आदि प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। कविता लेखन में चम्पावत ने पहला, लोहाघाट ने दूसरा और बाराकोट ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। चित्रकला में पाटी, चम्पावत,लोहाघाट पहले तीन स्थानों पर रहे। कहानी लेखन में पाटी, लोहाघाट, चम्पावत पहले, दूसरे, तीसरे रहे। भाषण प्रतियोगिता में बाराकोट, पाटी, लोहाघाट ने बाजी मारी। लोकनृत्य में लोहाघाट, चम्पावत, पाटी जबकि लोकगीत में लोहाघाट, चम्पावत, बाराकोट ने स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र गहतोड़ी ने किया। निर्णायक मंडल में हिमांशु जोशी, भूपेश देव, रविश पचौली, डा. वीसी जोशी, हेम चंद्र पांडेय,, शांति जोशी, शांति जोशी, मुकेश गिरी, चंद्र सिंह सामंत रहे।

प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल का हुआ विस्तार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल ने हरिद्वार जिले के पदाधिकारियों के साथ ही हरिद्वार तहसील के पदाधिकारियों की घोषणा करते हुए हरिद्वार की प्रथम निर्वाचित इकाई का अपने संगठन में विलय किया है।

संगठन के प्रदेश प्रभारी वीरेंद्र गुप्ता ने बताया कि प्रदेश उपाध्यक्ष और हरिद्वार के जिला प्रभारी शिव कुमार कश्यप की संस्तुति पर डॉ. विशाल गर्ग को हरिद्वार जिलाध्यक्ष, अश्विनी शर्मा जिला महामंत्री और अजय अरोड़ा को जिला कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। हरिद्वार तहसील के लिए पंडित अधीर कौशिक को अध्यक्ष, आदेश माखाडी को तहसील महामंत्री और मनोज सिरोही को तहसील कोषाध्यक्ष बनाया गया है। वीरेंद्र गुप्ता ने कहा जिला प्रभारी शिव कश्यप के प्रयासों से ही व्यापारी एकता और व्यापारियों के हितों के संघर्ष के लिए हरिद्वार शहर की प्रथम निर्वाचित इकाई के समस्त पदाधिकारियों ने प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल में विलय कर लिया है।

बताया कि शहर इकाई के सभी निर्वाचित पदाधिकारी पंडित प्रवीण शर्मा अध्यक्ष, विमल सक्सेना महामंत्री और अनुज गुप्ता कोषाध्यक्ष के नेतृत्व में ही सभी पदाधिकारी पूर्व की तरह ही प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल में विधिवत कार्य करेंगे।

विद्यार्थियों ने एकता व अखंडता का संकल्प लेकर दौड़ लगाई

संवाददाता, पिथौरागढ़

यूनिटी मार्च के दौरान मौजूद पुलिस-प्रशासनिक अधिकारी एवं जन प्रतिनिधि।

अमृत विचार: सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती जिले भर में धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान हजारों लोगों और विद्यार्थियों ने नगर में एकता और अखंडता का संकल्प लेकर दौड़ लगाई।

जयंती पर केएनयूजीआईसी से यूनिटी मार्च का शुभारंभ हुआ। डीएम आशीष भटगांई ने मार्च को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हजारों लोगों और विद्यार्थियों ने मार्च में भाग लिया। देवसिंह मैदान में मार्च का समापन हुआ। इससे पूर्व एनसीसी के कैडेट्स ने डीएम और एसपी को गॉर्ड ऑफ ऑनर देकर सलामी दी। देवसिंह मैदान में डीएम ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और लोगों, विद्यार्थियों को एकता और अखंडता की शपथ दिलाई। कहा कि सरदार पटेल का जीवन राष्ट्र के एकीकरण, सेवा और समर्पण का उदाहरण है। सभी को उनके आदर्शों पर चलकर सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का संकल्प लेना चाहिए। डीडीहाट के विधायक बिशन सिंह चुफाल ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। इस मौके पर मेयर कल्पना देवलाल, दायित्वधारी गणेश भंडारी, डीएफओ आशुतोष सिंह सहित कई अधिकारी, कर्मचारी और विद्यार्थी शामिल रहे।

अमृत विचार

शनिवार, 1 नवंबर 2025

झूठे ज्ञान से खबरदार रहिए, यह अज्ञान से भी ज्यादा खतरनाक है।
–जार्ज बर्नाड शॉ, आइरिश नाटककार

विश्व वर्चस्व की दहलीज

भारतीय महिला क्रिकेट टीम द्वारा सात बार की विश्व चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया को हराना महज एक मैच की जीत नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र में युगांतरकारी घटना है। कौशल तथा तकनीकी दृष्टि से कठिन यह मुकाबला हार की हैट्रिक लगा कर आ रही भारतीय टीम की मानसिक मजबूती और उसके समन्वय का कड़ा इम्तिहान था। यह मैच फाइनल से भी ज्यादा चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि पिछले दस वर्षों में खेले गए अंतर्राष्ट्रीय मुकाबलों में 75 प्रतिशत से अधिक जीत प्रतिशत बनाए रखने वाली ऑस्ट्रेलिया को हराना, महिला क्रिकेट में लगभग 'असंभव' माना जाता है। हालांकि यह भारत ही है, जिसने उसे कई बार टक्कर दी है और विश्व कप के सेमीफाइनल में पहले भी हराया है।

2022 के कॉमनवेल्थ गेम्स के फाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को अंतिम ओवर तक चुनौती दी थी, जबकि 2023 की बाइलैटरल सीरीज में भारत ने उन्हें सुपर ओवर में हराकर इतिहास रचा था। इस विजय से साफ है कि भारतीय महिला क्रिकेट ने खुद को दुनिया की शीर्ष चार टीमों, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की कतार में दृढ़ता से स्थापित कर लिया है। भारतीय टीम केवल प्रतिस्पर्धी नहीं, विजेता मानसिकता वाली टीम बन चुकी है। भारत ने पिछले पांच वर्षों में टी-20 और वनडे दोनों प्रारूपों में लगभग 63 प्रतिशत मुकाबले जीते हैं। यह किसी भी उभरती क्रिकेट शक्ति के लिए शानदार रिकॉर्ड है। बल्लेबाजी में निरंतर सुधार इसका सबसे बड़ा आधार है। नमूने के बतौर स्मृति मंधाना ने पिछले 24 महीनों में 42.7 के औसत से रन बनाए हैं और स्ट्राइक रेट 130 से ऊपर रखा है। हरमनप्रीत महिला क्रिकेट इतिहास की सर्वश्रेष्ठ बैटर में शुमार हैं। जेमिमा ने अभी शानदार शतक बनाया, तो शेफाली वर्मा और रिचा घोष जैसी निरंतर आक्रामकता महिला क्रिकेट में दुर्लभ है। गेंदबाजी में भी भारत ने प्रभावी प्रगति की है। रेनुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा ने इस क्षेत्र में कई कीर्तिमानी कारनामे अंजाम दिए हैं, हालांकि 'डेथ ओवर्स' की गेंदबाजी और स्पिन विकल्पों में और गहराई लाने की ज़रूरत है।

कई बार शुरुआती सफलता को हमारे गेंदबाजों ने अपने भोथरे आक्रमण से गंवा दिया है। फिलहाल टीम की सबसे बड़ी चुनौती निचले क्रम की बैटिंग और फील्डिंग है। निचले क्रम की बैटर्स का औसत सिर्फ 11.2 रन प्रति खिलाड़ी है, जो ऑस्ट्रेलिया की 17.6 और इंग्लैंड की 15.8 से बहुत पीछे है। हमारा कैच ड्रॉप प्रतिशत 12 के आसपास है। संसार की ऊपरी पायदान वाली टीमों में सबसे अधिक। इन दोनों क्षेत्रों में सुधार अत्यंत आवश्यक है, हालांकि इधर यह टीम न केवल खेल तकनीकी बल्कि मानसिक दृढ़ता में भी मजबूत हुई है। यह वही आत्मविश्वास है, जिसने ऑस्ट्रेलिया जैसी अजेय टीम को किस्मत से नहीं बाकायदा अपने खेल से मात दी। इसे देख लगता है भारतीय महिला टीम क्रिकेट के स्वर्ण युग की दहलीज पर है। बल्लेबाजी की निरंतरता, गेंदबाजी की धार और फील्डिंग की सटीकता को संयम और समन्वय के साथ बरकरार रखा गया, तो वह निकट भविष्य में ऐसी टीम बन सकती है, जिसे क्रिकेट के तीनों प्रारूपों- टेस्ट, वनडे और टी-20 में हराना लगभग असंभव होगा।

प्रसंगवश

हलाल सर्टिफिकेशन का समाजशास्त्र

उत्तर प्रदेश में हलाल सर्टिफिकेशन एक बार फिर चर्चा में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में हलाल-प्रमाणित उत्पादों की बिक्री और खरीद पर हाल ही में लगे प्रतिबंध का पुरजोर बचाव किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे प्रमाणन से जुटाई गई राशि का आतंकवाद, लव जिहाद और धर्मांतरण के लिए दुरुपयोग किया जा रहा था। आरएसएस शताब्दी समारोह में बोलते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि हलाल प्रमाणन सरकारी नियंत्रण से बाहर एक समानांतर, अनियंत्रित प्रणाली बन गई थी। यूपी में हलाल सर्टिफिकेशन को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। मुख्यमंत्री के बयान के बाद हलाला सर्टिफिकेट पर राजनीति गरमा गई है।

रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

ज्ञात हो कि नवंबर 2023 में उत्तर प्रदेश सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर हलाल प्रमाणन वाले खाद्य उत्पादों के उत्पादन, भंडारण, वितरण और बिक्री पर रोक लगा दी थी, जबकि निर्यात के लिए निर्मित उत्पादों को छूट दी गई थी। हलाल सर्टिफिकेशन के खिलाफ लखनऊ में देश का पहला केस दर्ज किया गया था। इसमें चार के खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल की गई थी। हलाल एक अरबी शब्द है, जिसका अर्थ होता है वैध या अनुमति प्राप्त। आमतौर पर यह शब्द मांस के संदर्भ में प्रयोग किया जाता है। इस्लामिक मान्यताओं के अनुसार, हलाल तरीके से मांस तैयार करने में जानवर को झटके से नहीं काटा जाता, बल्कि धीरे-धीरे उसकी गर्दन से खून निकाला जाता है। इससे शरीर में ब्लड क्लॉटिंग नहीं होती और पूरा खून बाहर निकल जाता है।

ऐसे मांस को इस्लाम में 'जिबह' करना कहा जाता है और इसी मांस को खाना जायज माना गया है, हालांकि अब हलाल शब्द सिर्फ मांस तक सीमित नहीं रहा। आजकल खाने-पीने, कॉस्मेटिक और दवाओं तक में यह सर्टिफिकेशन दिया जाता है, ताकि यह साबित हो सके कि उनमें कोई हराम तत्व (वर्जित चीज) नहीं है। यानी कि हलाल सर्टिफिकेशन एक तरह का 'पवित्रता प्रमाणपत्र' है, जो बताता है कि उत्पाद इस्लामिक मान्यताओं के अनुरूप है और सभी धर्मों के लोग इसे बेझिझक इस्तेमाल कर सकते हैं। मुस्लिम धर्म गुरुओं के अनुसार, हलाल सर्टिफिकेशन सिर्फ मांस ही नहीं, बल्कि खाने-पीने, दवाओं और कॉस्मेटिक उत्पादों से भी जुड़ा है।

भारत में हलाल सर्टिफिकेशन अनिवार्य नहीं है, बल्कि यह एक स्वैच्छिक प्रक्रिया है। यानी खाद्य निर्माता को इसे लेना आवश्यक नहीं है। भारत में हलाल सर्टिफिकेशन को सरकार द्वारा राष्ट्रीय मानक के रूप में नियंत्रित नहीं किया गया है। भारत में हलाल सर्टिफिकेट जारी करने का कोई सरकारी तंत्र नहीं है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) केवल खाद्य सुरक्षा से संबंधित मानक तय करता है, लेकिन हलाल सर्टिफिकेट नहीं देता। देश में 'हलाल सर्टिफिकेशन' की सिर्फ चार संस्थाएं हैं। चारों इस्लामी हैं। भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय ने ही इन निजी संस्थाओं को 'हलाल सर्टिफिकेशन' के लिए अधिकृत किया है।

आरोप है कि कई कंपनियां बिना जांच के पैसे देकर सर्टिफिकेट हासिल कर लेती हैं। उत्तर प्रदेश में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां फर्जी हलाल सर्टिफिकेशन के जरिए लोगों को गुमराह किया गया। सरकार ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए इसे प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया। इस सर्टिफिकेशन का चलन 1974 में मांस के लिए ही हुआ था, लेकिन 1993 में अन्य उत्पादों पर भी लागू कर दिया गया। अब दूध, दही, पनीर जैसे डेयरी उत्पाद, बिस्कुट, चिप्स, कोल्ड ड्रिंक, मसाले, तेल सरीखे शाकाहारी उत्पाद, फलियां, मेवे, अनाज और चीनी आदि भी 'हलाल सर्टिफिकेशन' के दायरे में हैं।

सांसों पर छाई सर्दियों की जहरीली चादर

राजेश श्रीनेत
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में सर्दियों का मौसम भले ही राहत और ठंडक लेकर आता हो, पर यही मौसम हमारे शहरों की हवा को सबसे ज़्यादा जहरीला बना देता है। दिसंबर और जनवरी के महीनों में दिल्ली, लखनऊ, पटना, कानपुर और कोलकाता जैसे शहरों का आसमान धुंध और धुएं से ढक जाता है। सुबह की ठंडी हवा अब ताजगी नहीं देती, बल्कि गले में जलन और आंखों में चुभन छोड़ती है। लोग जब मास्क लगाकर सड़क पर निकलते हैं, तो यह सिर्फ संक्रमण से बचाव के लिए नहीं, बल्कि सांस लेने लायक हवा की कमी से बचने का प्रयास भी है। सवाल यह है कि आखिर सर्दियों में हवा इतनी खराब क्यों हो जाती है और इसे कैसे समझा जाए।

हाल ही में वैज्ञानिकों ने भारत की सर्दियों की वायु गुणवत्ता को गहराई से समझने की कोशिश की। उन्होंने एक उन्नत वायुमंडलीय मॉडल का प्रयोग किया, जो हवा में मौजूद गैसों और कणों की गति, मिश्रण और रासायनिक बदलावों को समझने में मदद करता है। इस अध्ययन में पूरे भारतीय उपमहाद्वीप को बारह गुणा बारह किलोमीटर के छोटे हिस्सों में बांटकर यह देखा गया कि प्रदूषक किस तरह फैलते हैं और किस इलाके में जमा हो जाते हैं। अध्ययन 2015-16 की सर्दियों में किया गया, जब कई हिस्सों में वायु प्रदूषण चरम पर था।

वैज्ञानिकों ने गैसों और धूल-कणों की रासायनिक प्रक्रिया को समझने के लिए विशेष गणनाएं कीं। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध आंकड़ों को भारत की स्थिति के अनुसार बदला, ताकि परिणाम यथार्थ के करीब हों। अध्ययन से यह पता चला कि सर्दियों में महीन कणों, कालिख, नाइट्रोजन यौगिकों, गंधक और अन्य गैसों का उत्सर्जन कई गुना बढ़ जाता है। ठंडी और स्थिर हवा इन प्रदूषकों को ऊपर उठने नहीं देती, इसलिए वे जमीन के पास फंसे रहते हैं और हवा को दूषित करते हैं।

अध्ययन में दिल्ली, अहमदाबाद, बेंगलूरु, चेन्नई, आगरा, लखनऊ, पटना, मुंबई, कोलकाता और हैदराबाद जैसे दस प्रमुख शहरों के निगरानी आंकड़ों की तुलना मॉडल के परिणामों से की गई। नतीजे बताते हैं कि वैज्ञानिक मॉडल ने महीन कणों की मात्रा का अनुमान काफी सटीक लगाया। नाइट्रोजन डाईऑक्साइड की सांद्रता भी ठीक तरह से आंकी गई। कार्बन मोनोऑक्साइड का अनुमान थोड़ा कम रहा, पर अंतर बहुत अधिक नहीं था। ओजोन के स्तर को दिल्ली में मॉडल ने ठीक दिखाया, लेकिन दूसरे शहरों में दिन के समय यह वास्तविक मापों से अधिक निकला। इन नतीजों से यह स्पष्ट हुआ कि उत्तर और पूर्व भारत के शहर, विशेषकर गंगा के मैदानी इलाकों वाले शहर सर्दियों में सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं।

इस क्षेत्र में खेती के बाद पराली जलाना, डीजल वाहनों का उत्सर्जन, औद्योगिक धुआं और ठंडी हवा- सभी मिलकर प्रदूषण का बोझ बढ़ाते हैं। तापमान कम होने से हवा का प्रवाह धीमा हो जाता है और प्रदूषक हवा में मिल नहीं पाते। परिणामस्वरूप पूरा क्षेत्र धुएं की परत से ढक जाता है। अध्ययन ने यह भी दिखाया कि दिन और रात के दौरान प्रदूषण के उतार-चढ़ाव का पैटर्न वास्तविक मापों के समान था। यानी, मॉडल हवा में मौजूद कणों और गैसों के व्यवहार को सही तरह समझ पा रहा था। यह सकारात्मक संकेत है कि भारत में ऐसे वैज्ञानिक उपकरण अब उपलब्ध हैं, जो वायु गुणवत्ता की सटीक भविष्यवाणी कर सकते हैं।

फिर भी अध्ययन ने कुछ कमियां भी उजागर कीं। सबसे पहले, भारत में अभी तक स्थानीय स्तर पर उत्सर्जन के ताजा और नियमित आंकड़े नहीं जुटाए जाते। अधिकतर आंकड़े सालाना औसत पर आधारित हैं, जबकि वास्तविकता में प्रदूषण हर दिन बदलता है। किसी दिन ट्रैफिक ज्यादा होता है, किसी दिन पराली जलाने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। अगर रोजाना का उत्सर्जन डेटा तैयार हो, तो हवा की गुणवत्ता का अनुमान और सटीक लगाया जा सकता है।

दूसरी जरूरत है कि देश के पास एक राष्ट्रीय उत्सर्जन सूची हो, जिसमें हाल के वर्षों के आंकड़े और स्थानीय गतिविधियों का असर शामिल किया जाए। तीसरी बड़ी जरूरत है कि वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र केवल बड़े शहरों तक सीमित न रहें। आज भी भारत के अधिकतर ग्रामीण इलाकों में हवा की गुणवत्ता का कोई मापन नहीं होता, जबकि गांवों में भी अब पराली जलाने, ईंधन के धुएं और सड़क निर्माण जैसी गतिविधियों से प्रदूषण बढ़ रहा है।

यदि इन सुधारों को लागू किया जाए तो वैज्ञानिक मॉडल न केवल अधिक सटीक होंगे, बल्कि सरकारों और नीति-निर्माताओं को भी ठोस निर्णय लेने में सहायता मिलेगी। उदाहरण के लिए, अगर किसी शहर या राज्य के पास यह जानकारी हो कि किस दिन और किस स्रोत से कितना प्रदूषण हुआ, तो नीति बनाना और नियंत्रण करना आसान हो जाएगा। यह चेतावनी प्रणाली बनाने में भी मदद करेगा ताकि लोगों को पहले से बताया जा सके कि आने वाले दिनों में हवा कितनी खराब होगी।

यह अध्ययन हमें एक गहरी सीख देता है कि सर्दियों में बढ़ता प्रदूषण केवल मानवीय गलती का नतीजा नहीं है। यह मौसम, भूगोल, औद्योगिक गतिविधियों और हमारी जीवनशैली का संयुक्त प्रभाव है। जब तक हम इसे समझकर स्थानीय स्तर पर उपाय नहीं करेंगे, तब तक यह संकट हर साल और गहराता जाएगा। साफ हवा किसी विलासिता की चीज नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक का बुनियादी अधिकार है। विज्ञान, समाज और शासन- तीनों को मिलाकर इस अधिकार की रक्षा करनी होगी। जब तक हम अपने शहरों और गांवों की हवा के प्रति उतने ही जागरूक नहीं होंगे, जितने हम अपनी राजनीति या अर्थव्यवस्था को लेकर हैं, तब तक सर्दियों की यह धुंध हमारी सांसों को रोकती रहेगी। साफ हवा का सपना तभी पूरा होगा, जब विकास के हर कदम के साथ पर्यावरण का संतुलन भी हमारे विचारों का हिस्सा बनेगा।

वैज्ञानिक अध्ययन से पता चला है कि सर्दियों में महीन कणों, कालिख, नाइट्रोजन यौगिकों, गंधक और अन्य गैसों का उत्सर्जन कई गुना बढ़ जाता है। वे जमीन के पास फंसे रहते हैं और सांस लेने वाली हवा को दूषित करते हैं।

आमने

मेरी एक इच्छा है, वो ये कि हिंदू धर्म में पली-बढ़ी पत्नी उषा वेंस एक दिन कैथोलिक चर्च से प्रभावित होंगी और ईसाई धर्म अपना लेंगी, लेकिन अगर वो ऐसा नहीं करतीं, तो ईश्वर ने कहा है कि हर किसी को आजादी है, इसलिए यह मेरे लिए कोई समस्या नहीं है।
–**जेडी वेंस**, अमेरिकी उपराष्ट्रपति

सामने

अमेरिका के उपराष्ट्रपति ने कहा कि वो हिंदू परंपराएं, जिन्हें उनकी पत्नी और लाखों अमेरिकी मानते हैं, पर्याप्त अच्छी नहीं हैं। किसी ऐसे व्यक्ति के लिए, जो सभी अमेरिकियों का राष्ट्रपति बनना चाहता है, इस तरह का कमेंट, यह कोई जीतने वाली रणनीति नहीं है।
–**सुहाग शुक्ला**, हिंदू-अमेरिकन फाउंडेशन की निदेशक

भारत का मजबूत उपभोग तंत्र और चुनौतियां

प्रो. एचसी पुरोहित
डीन, दून यूनिवर्सिटी

जीएसटी 2.0 के अमल में आने से उपभोक्ता वस्तुओं पर अब 5 और 18 प्रतिशत की दर से कर लग रहा है, जिसके कारण अधिकांश उपभोक्ता वस्तुएं सस्ते दामों पर मिल रही हैं। सितंबर माह के आखिरी सप्ताह के बाद के आंकड़े आर्थिक विचारकों और नीति-निर्माताओं के लिए उत्साहवर्धक हैं। नवरात्रि से ही दुपहिया वाहनों सहित सभी प्रकार के ऑटोमोबाइल उत्पादों की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री ने यह उम्मीद जगा दी है कि भारत का मजबूत उपभोग तंत्र किसी भी प्रकार की चुनौती या झटके का सामना करने में सक्षम है। इसका प्रमुख कारण जीएसटी दरों में बदलाव और आयकर स्लैब में मिली राहत से मध्य वर्ग की बढ़ी क्रय-शक्ति मानी जा सकती है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि इस वर्ष सितंबर में भारत के आठ प्रमुख उद्योगों की वृद्धि दर पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में तीन प्रतिशत अधिक रही। इस दौरान इस्पात और सीमेंट सेक्टर का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा है, जिसका मुख्य कारण सरकार द्वारा संचालित बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की बढ़ती मांग है। इससे इस्पात की मांग भी बढ़ी, जो पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 14.1 प्रतिशत की दर से बढ़ी है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के आंकड़े बताते हैं कि सितंबर माह में औद्योगिक उत्पादन चार प्रतिशत की दर से बढ़ा है, जिसका प्रमुख कारण विनिर्माण क्षेत्र की 4.8 प्रतिशत की वृद्धि दर है। देश में विनिर्माण क्षेत्र की लगातार हो रही वृद्धि निवेशकों को आकर्षित कर रही है, जिससे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हर वर्ष बढ़ रहा है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश अप्रैल से जुलाई के मध्य 208.57 प्रतिशत बढ़कर 10.8 अरब डॉलर पहुंच गया, जो एक सुखद संकेत है। वर्ष 2023-2024 में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 61.88 लाख करोड़ था, जो वर्ष 2024-2025 में बढ़कर 68.75 लाख करोड़ हो गया है। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, सर्वाधिक 20 प्रतिशत एफडीआई में अमेरिका की हिस्सेदारी है और सिंगापुर 14.3 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर है। विनिर्माण के क्षेत्र में सर्वाधिक एफडीआई 48.4 प्रतिशत है, जो अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाता है। लगातार बढ़ रहा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से रोजगार सृजन एवं आर्थिक विकास की गति को बढ़ाने में सहायक होगा।

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के आंकड़े बताते हैं कि नवरात्रि से दीपावली तक कुल 6.05 लाख करोड़ का कारोबार हुआ, जिसमें 5.40 लाख करोड़ वस्तुओं की बिक्री से संबंधित है तथा 65,000 करोड़ रुपये सेवाओं से, जिसमें पैकेजिंग, यात्रा, ट्रांसपोर्ट इत्यादि शामिल हैं। ई-कॉमर्स के लिए भी यह सीजन काफी शानदार रहा, जिसमें क्विक कॉमर्स ऑर्डर्स में 120 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट से स्पष्ट है कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक आर्थिक नरमी के बावजूद मजबूत सरकारी खर्च, बढ़ती घरेलू मांग और निर्यात में वृद्धि के कारण तेजी से बढ़ रही है।

डिलॉयट इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का सकल घरेलू उत्पाद चालू वित्त वर्ष में 6.7 से 6.9 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत अन्य देशों की तुलना में मजबूती से उभरती हुई एक आर्थिक शक्ति है। व्यापार और निवेश की अनिश्चितताओं के कारण वृद्धि का सटीक आकलन थोड़ा मुश्किल अवश्य है, परंतु कर सुधार और त्योहारी सीजन में उपभोक्ता वस्तुओं की बढ़ती मांग से निजी निवेश के बढ़ने की प्रबल संभावना है, जिससे बढ़ी हुई उपभोक्ता मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। डिजिटल भुगतान प्रकिया के अमल में आने से व्यापारिक गतिविधियां आसान एवं पारदर्शी हुई हैं, जिससे आम व्यक्ति का भरोसा बढ़ा है।

आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 के दौरान डिजिटल ट्रांजेक्शन मात्रा की दृष्टि से 99.7 प्रतिशत रहा है, जबकि मूल्य के हिसाब से यह 97.5 प्रतिशत है। इतनी बड़ी मात्रा में डिजिटल ट्रांजेक्शन का होना भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली एवं डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की मजबूती को दर्शाता है, जिसके अंतर्गत क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, आरटीजीएस, यूपीआई आदि शामिल हैं। लगातार बढ़ रहे डिजिटल ट्रांजेक्शन से लेनदेन व भुगतान प्रक्रिया सुचारु होने के साथ ही पारदर्शिता भी बढ़ी है।

देश का मजबूत उपभोग तंत्र और औद्योगिकीकरण की बढ़ती गति का प्रमुख कारण तेजी से सुदृढ़ होता ढांचागत स्वरूप, लगातार सुधरता लॉजिस्टिक तंत्र एवं पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था है, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद अर्थव्यवस्था की विकास दर को बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रही है। समावेशी विकास के लिए गुणवत्तायुक्त शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार सुदूर ग्रामीण अंचलों तक करना आवश्यक है। साथ ही, क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने एवं ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन रोकने के लिए ग्रामीण, कृषि, औद्यानिकी एवं वानिकी आधारित उद्यमिता विकास को प्रोत्साहित करना होगा। लगातार बढ़ती जनसंख्या से उत्पन्न जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों और प्राकृतिक आपदाओं से बाधित होती विकास की गति को बनाए रखने के लिए दीर्घकालीन समाधान के उपायों पर कार्य करना भी बड़ी चुनौती है।

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के आंकड़े बताते हैं कि नवरात्रि से दीपावली तक कुल 6.05 लाख करोड़ का कारोबार हुआ, जिसमें 5.40 लाख करोड़ वस्तुओं की बिक्री से संबंधित है।

सोशल फोरम

साहित्यकार आंद्रे जीड व दोस्तोएव्स्की का 'संवाद'

रात की ठंडी हवा में पेरिस की गलियों पर एक आदमी टहल रहा है। उसके चेहरे पर थकान है, पर आंखों में एक अजीब चमक। यह आंद्रे जीड हैं, अपने समय के सबसे बेचैन और खोजी साहित्यकार।

डॉ. सत्यजीत साहू
ब्लॉगर

वह बुदबुदाते हैं, "क्या कोई लेखक इतना गहरा हो सकता है कि हमें हमारी अपनी परछाइयों से मिला दे?" यह प्रश्न उन्हें बार-बार उसी ओर ले जाता है- फ़्योदोर दोस्तोएव्स्की।

किसी कैफे की मेज पर जीड बैठे हैं। सामने किताबों का ढेर, क्राइम एंड पनिशमेंट, द ब्रदर्स करमझोव, द इडियट। कॉफी का प्याला ठंडा हो चुका है, पर वह पन्नों में डूबे हैं।

"आंद्रे, तुम बार-बार इन रूसी किताबों में क्यों खो जाते हो? यूरोप में और भी महान लेखक हैं, शेक्सपियर, गेटे, पास्काल।"

"क्योंकि यहां, इन पन्नों में, मैं इंसान को उसकी पूरी सच्चाई में देखता हूं, उसकी कमजोरियों, उसके अपराधों, उसके भगवान और शैतान के बीच फंसे अस्तित्व को।"

जीड लिखते हैं, "पश्चिम में हमने साहित्य को अक्सर सजावट की कला बना दिया है। पर दोस्तोएव्स्की के यहां साहित्य चाकू की धार है। वह इंसान की हकीकत को परतों को काटता है, रक्त बहाता है और फिर घाव पर प्रकाश डालता है।"

वे मानते हैं कि दोस्तोएव्स्की को पढ़ना आसान नहीं है। यह ऐसा है मानो कोई आपको अंधेरे कमरे में धकेल दे और कहे, "अब देखो, यह तुम हो।"

एक रात जीड अपने कमरे में अकेले हैं। वे अपनी नोटबुक में दोस्तोएव्स्की से संवाद करते हैं।

जीडः "फ़्योदोर, तुम क्यों इतने क्रूर हो अपने पात्रों के साथ?"

दोस्तोएव्स्की (कल्पना में): "क्योंकि पीड़ा ही सत्य का रास्ता है। बिना पीड़ा के इंसान केवल मुखौटा है।"

जीडः "पर तुम्हारे पात्र टूटते-फूटते क्यों हैं?"

दोस्तोएव्स्कीः "टूटने में ही ईश्वर से मिलने की संभावना है। पूर्णता केवल ईश्वर में है, मनुष्य में नहीं।"

आंद्रे जीड अंततः लिखते हैं, 'दोस्तोएव्स्की ने मुझे यह सिखाया कि साहित्य केवल शब्दों का खेल नहीं, बल्कि जिंदगी का दार्शनिक सफर है और इस सफर में लेखक और पाठक दोनों को साहस चाहिए।'
-फेसबुक वाल से

सामयिकी

बिहार चुनावः मुद्दे से ज्यादा जातीय समीकरण हावी

इस समय बिहार में विधानसभा का चुनाव प्रचार अपनी चरम सीमा पर है। बिहार में छः और 11 नवंबर को दो चरणों में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए सभी दलों ने चुनाव प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है। बिहार में इस चुनाव में मुख्य मुकाबला दो गठबंधनों के बीच में है। एनडीए और महागठबंधन। एनडीए का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नितीश कुमार कर रहे हैं, जबकि महागठबंधन की बागडोर लालू यादव और तेजस्वी यादव के हाथों में है। प्रशांत किशोर की जन स्वराज पार्टी भी बिहार में दो सौ से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

बिहार चुनाव में विभिन्न दलों द्वारा बहुत सारे लोक लुभावन वादे किए जा रहे हैं और बहुत सारे मुद्दे जोर-शोर से उठाए जा रहे हैं,

सुरेश बाबू मिश्रा
लेखक

मगर चुनाव में जातिवाद का मुद्दा इन सभी मुद्दों पर भारी पड़ता नजर आ रहा है। सभी दलों का मुख्य फोकस जातीय समीकरणों को अपने पक्ष में साधने पर है। महागठबंधन की नजर जहां यादव, अल्पसंख्यक एवं अति पिछड़ा वर्ग के वोटरों पर है, तो वहीं एनडीए सामान्य जाति, कुर्मी, जनजाति एवं अति पिछड़ी जातियों के मतदाताओं को अपने पाले में लाकर एक बार फिर सरकार बनाने की जुगत में है।

बिहार जाति जनगणना 2023 के अनुसार बिहार में यादव सबसे बड़ी जाति है। बिहार की कुल आबादी का लगभग 14.27% आबादी यादवों की है। इसके बाद अत्यंत पिछड़ा वर्ग 36 प्रतिशत, अनुसूचित जाति 6 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति 1.68 प्रतिशत हैं। अन्य प्रमुख जातियों में ब्राह्मण 3.65 प्रतिशत राजपूत 3.45 प्रतिशत भूमिहारों की 2.86 प्रतिशत आबादी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त लगभग 18 प्रतिशत आबादी अल्पसंख्यक समुदाय की है।

यदि हम बिहार की आबादी का धार्मिक विश्लेषण देखें, तो हम पाएंगे कि बिहार में लगभग 81 प्रतिशत आबादी बहुसंख्यक हिंदू समाज की है। अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय की भागीदारी लगभग 18 प्रतिशत है। शेष एक प्रतिशत आबादी अन्य अल्पसंख्यक जैसे ईसाई, जैन और बौद्ध समुदाय के लोगों की है। बिहार में सत्ता का ऊंट किस करवट बैठेगा, यह तो आने वाला समय ही बताएगा, मगर सभी राजनीतिक दलों के बीच बड़ा दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल रहा है। वर्तमान चुनावी परिप्रेक्ष्य में हमारा लोकतंत्र जातिगत समीकरणों के इर्द-गिर्द घूमता नजर आ रहा है। आज हर राजनीतिक दल का फोकस जातिगत समीकरण साधने पर है, इसलिए चुनाव में भी जातियों का वर्चस्व आज भी बना हुआ है। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि आजादी के 79 वर्ष बाद भी हमारा लोकतंत्र जातिगत समीकरणों के दंश से नहीं उबर पाया है।

सभी राजनीतिक पार्टियां अपनी चुनावी रणनीति जातीय समीकरणों को ध्यान में रखकर बनाती हैं। राजनीतिक दलों के विकास के तमाम दावे उस समय खोखले साबित हो जाते हैं, जब वे चुनाव में प्रत्याशियों की सूची जारी करते हैं। अधिकांश प्रत्याशी उसी जाति से होते हैं, जिस जाति के वोट उस विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक होते हैं। इन उलझे हुए जातिगत समीकरणों के कारण ही कोई भी राजनीतिक दल चुनाव में प्रत्याशी घोषित करते समय कोई रिस्क नहीं लेना चाहता है और जातिगत समीकरणों के आधार पर ही प्रत्याशी घोषित करता है। जाति विशेष का होना प्रत्याशी की सबसे बड़ी विशेषता बन जाती है और ऐसे में कर्मठ, योग्य और जुझारू नेताओं पर जाति विशेष के प्रत्याशी को वरीयता दी जाती है। हम भले ही आधुनिकता और प्रगतिशीलता का कितना भी ढिंढोरा क्यों न पीट लें, मगर हमारा लोकतंत्र आज भी जातिगत समीकरणों के भंवर में उलझा हुआ है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

मोबाइल की लत से अराजक होता बचपन

अत्याधुनिक तकनीक से जहां दुनिया करीब आई है, वहीं बच्चों में मोबाइल गेम्स की लत वर्तमान में एक गंभीर मानसिक स्वास्थ्य संकट बनती जा रही है। अत्यधिक या अनुचित उपयोग बच्चों में कई नकारात्मक घटनाओं का कारण बन सकता है। फ्री फायर जैसे हिंसात्मक या फाइटिंग गेम्स खेलने से बच्चों में आक्रामकता, चिड़चिड़ापन और गुस्सा बढ़ रहा है। सोशल इंटरेक्शन की कमी के कारण सामाजिक व्यवहार में बदलाव आता है। छोटे बच्चे वाले अधिकांश घरों में स्थिति एक जैसी है, अभिवावक सबकुछ समझते हुए अनजान बने हुए हैं, मगर हाल की कुछ घटनाएं और ओपीडी में बढ़ने वाली बच्चों की संख्या से, एक बार फिर मोबाइल गेम्स की लत और उसके गंभीर दुष्प्रभावों पर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

-पद्माकर पाण्डेय, लखनऊ

गेम की लत बना रही बच्चों को चिड़चिड़ा

मोबाइल गेम्स की लत बच्चों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल रही है। हालांकि किसी विशेष मामले में बिना पूरी जानकारी के सटीक टिप्पणी करना संभव नहीं है, लेकिन सामान्य तौर पर देखा गया है कि लगातार मोबाइल पर गेम खेलने वाले बच्चों में नकारात्मकता, चिड़चिड़ापन और आक्रामकता जैसे लक्षण तेजी से उभरते हैं। ऐसे बच्चे अक्सर इंपल्सिव यानी बिना सोचे-समझे निर्णय लेने वाले हो जाते हैं। उनके भीतर गुस्सा, धैर्य की कमी, और याददाश्त में कमी जैसे मानसिक बदलाव दिखाई देते हैं। साथ ही पढ़ाई में मन न लगना, एक आम समस्या बनती जा रही है। अभिभावकों को यह ध्यान रखना चाहिए कि बच्चा दिनभर में कितनी देर मोबाइल इस्तेमाल कर रहा है। सलाह दी कि बच्चों को अलग से मोबाइल फोन नहीं देना चाहिए। यदि पढ़ाई के लिए मोबाइल की आवश्यकता हो, तो वह परिवार का साझा मोबाइल होना चाहिए, जिसे बच्चा अकेले कमरे में ले जाकर उपयोग न कर सके। मोबाइल का इस्तेमाल ऐसे माहौल में होना चाहिए, जहां अन्य सदस्य भी मौजूद हों। सही मार्गदर्शन से ही बच्चों को इस डिजिटल लत से बचाया जा सकता है।

-डॉ. आदर्श त्रिपाठी, बाल मानसिक रोग विशेषज्ञ, केजीएमयू

मोबाइल बन रहे बच्चों के लिए नशा, बढ़ रही समस्याएं

जैसे शराब और सिगरेट का नशा धीरे-धीरे बढ़ता है, वैसे ही मोबाइल गेमिंग की लत भी बच्चों में गहराती जाती है। शुरुआत में बच्चा 10 मिनट गेम खेलकर जितना संतुष्ट होता है, कुछ समय बाद वही संतुष्टि पाने के लिए उसे आधा घंटा, फिर कई घंटे तक खेलना पड़ता है। यह एक प्रकार का नशा है, जो मानसिक और शारीरिक दोनों रूपों में बच्चों को प्रभावित करता है। इनमें हिंसा, गोलीबारी और अत्यधिक उत्तेजना वाले कई लेवल होते हैं, जिससे खेलने के दौरान बच्चे में अचानक उत्तेजना बढ़ जाती है, हृदय गति तेज हो जाती है और गंभीर स्थिति में हृदयाघात (हार्ट फेल) तक हो सकता है। इसलिए उन्होंने अभिवावकों को चेताया कि यदि बच्चा पढ़ाई से दूरी बना रहा हो, मोबाइल पर ज्यादा समय बिता रहा हो और परिवार या दोस्तों से बातचीत कम कर रहा हो, तो यह संकेत हो सकते हैं कि वह अवसाद या गेमिंग डिस्आर्डर का शिकार हो रहा है। इस स्थिति में अभिभावकों को चाहिए कि बच्चे के साथ अधिक समय बिताएं, उसकी दिनचर्या पर नजर रखें और आवश्यकता पड़ने पर मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लें।

-डॉ. दीप्ती सिंह, मनोचिकित्सक, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल

मोबाइल गेम्स से पड़ने वाले दुष्प्रभाव

- गेम्स ऐप पर्चेज करने को बच्चे माता-पिता की अनुमति के बिना भी पैसे खर्च कर देते हैं।
- ऑनलाइन फ्रॉड का शिकार होकर बच्चों ने माता-पिता के बैंक अकाउंट तक खाली कर दिए।
- फ्री फायर व पब जैसे गेम्स खेलने से रोके जाने पर बच्चों में बढ़ती है आत्महत्या की प्रवृत्ति।
- मोबाइल गेम्स खेलने से मना किए जाने पर हमला करने पर भी उतारू हो जाते हैं बच्चे।

मोबाइल की लत के लिए अभिभावक भी जिम्मेदार

आधुनिक परिवेश में बच्चों को खेलने की बजाय मोबाइल पकड़ा देना एक आम प्रवृत्ति बन चुकी है, जो भविष्य में गंभीर मानसिक और सामाजिक समस्याओं का कारण बनती जा रही है। आजकल मोबाइल देखकर खाना खाते हैं, दूध-पानी पिलाया जाता है, यानी बच्चे मोबाइल लेकर ही बड़े हो रहे हैं। बच्चा शुरुआत से ही गैजेट के प्रति आकर्षित हो रहा है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि यह नशा माता-पिता खुद ही बच्चों में डाल रहे हैं। अभिभावकों को खुद पर नियंत्रण रखना होगा। यदि किसी कारणवश बच्चे को घर पर अकेला छोड़ना पड़े, तो बेहतर होगा कि घर में इंटरनेट की सुविधा सीमित कर दी जाए। इसके लिए वाई-फाई का पासवर्ड बदलना या स्पीड कम करने जैसे तकनीकी उपाय किए जा सकते हैं। साथ ही माता-पिता को चाहिए कि बच्चों की आदतों और दिनचर्या पर नजर रखें। यदि बच्चा लगातार मोबाइल में ही व्यस्त रहता है, तो यह चिंता का विषय हो सकता है। इसकी जगह उन्हें मैदान में खेलने और लोगों के संपर्क में रहने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए, जिससे वे सामाजिक रूप से सक्रिय रहें और अवसाद से दूर रहें।

-डॉ. देवाशीष शुक्ल, बलरामपुर अस्पताल, चिकित्सा अधीक्षक एवं मानसिक रोग विशेषज्ञ

बम से ज्यादा धमक पिता जी की आंखों में थी

पलछिन

बात उन दिनों की है, जब हमारी उम्र यही कुछ 10-12 वर्ष की रही होगी। घर में सात भाई बहन हैं। जाहिर है कि खूब धमाचौकड़ी होती थी। त्योहारों पर तो स्कूलों की छुट्टियां हो जाती थीं और दिन भर सिर्फ खेलना व मस्ती करना होता था। दीपावली पर स्कूल की छुट्टियां हो गईं। वैसे तो पिता जी (शिवनाथ सक्सेना) मना करते थे कि घर पर कोई पटाखा नहीं जलाएगा, लेकिन हम बच्चे कहां मानने वाले। उन दिनों बच्चे चटाई, लक्ष्मी बम और सुतली बम के दीवाने होते थे। हम भाई बहन भी सुतली बम खरीद लाए। सुतली बम बड़ा धमाका करता था। इस बम की एक धमक से घर तो घर, मोहल्ले के घरों के बर्तन गिर जाते थे। पिता जी दफ्तर गए और हमने दिन में पटाखे चलाना शुरू कर दिए। घर के आंगन में ही पटाखा बजा रहे थे। मां जी डांटती थीं लेकिन बच्चों की खुशी देखकर वह भी धमाके में बच्चों की हंसी-खुशी का आनंद लेती थीं। पटाखे चलाते-चलाते शाम के साढ़े पांच बज चुके थे और हमें ध्यान नहीं रहा कि पिता जी का दफ्तर से आने का समय हो गया। हम घर के घेर (आंगन) में पटाखे जला रहे थे कि दरवाजे की कुंडी बजी और पिता जी घर में घुस गए। बड़े भाई-बहन तो कुंडी की खटखट से भांप गए और कमरे में भाग गए और किताबें खोलकर पढ़ने लगे। हम पटाखे जलाने में इतना डूबे हुए थे कि पता ही नहीं चला कब पिता जी घेर में हमारे पीछे आकर खड़े हुए। जैसे ही हमने उनकी आंखों में देखा तो बम के धमाके से ज्यादा धमक पिता जी आंखों में थी। अब समझ नहीं आया क्या करें, पटाखे नाली में फेंके और खुद भी गिर गए और पिता जी को देखते हुए कमरे में भागे और बस्ता निकाल कर किताबें खोलकर पढ़ना शुरू कर दिया। इस बार दिवाली पर जब घर गए तो मोहल्ले में बच्चों के सुतली बमों ने पिता जी की याद दिला दी।

डॉ. अतुल सक्सेना
वरिष्ठ चिकित्सक
राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी

लव बड्र्स

मोहब्बत जो वक्त से जीत गई

कहते हैं, कुछ कहानियां वक्त नहीं, एहसास लिखते हैं। ऐसी ही एक कहानी है शिवेंद्र और दिव्या की, जिसमें न सिर्फ प्यार है, बल्कि संघर्ष, जिद्द और उस मुस्कुराहट की मिठास भी है, जो हर रिश्ते को जिंदा रखती है। शिवेंद्र और दिव्या की मुलाकात किसी फिल्मी अंदाज में नहीं हुई थी, पर जो हुआ वो दिल के इतने करीब था कि याद बन गया। कॉलेज के दिनों में जब शिवेंद्र ने पहली बार दिव्या को देखा, तो बस एक पल को लगा, "यही है वो", लेकिन उस 'एक पल' को रिश्ते में बदलने के लिए उन्हें वक्त, हिम्मत और बहुत सारी कोशिशें करनी पड़ीं। दिव्या का सादापन और उसकी मुस्कान, दोनों में एक सुकून था। वहीं शिवेंद्र की बातों में वो अपनापन था, जो किसी को भी खींच ले। दोनों की दोस्ती धीरे-धीरे बातों, मुलाकातों और इंतजारों में बदलती चली गई। हर दिन एक नया बहाना ढूंढना, हर बार एक नया कारण बनाना कि कहीं न कहीं मिल सकें। यही उनका रोजमर्रा का रोमांच बन गया था।

रूठने-मनाने का सिलसिला तो जैसे इनकी कहानी की धड़कन थी। दिव्या की नाराजगी अक्सर बेवजह होती, पर शिवेंद्र को उसे मनाने का हर बहाना अच्छा लगता था। कभी एक छोटी-सी चॉकलेट, कभी एक नोटबुक के बीच रखा खत, तो कभी बस एक चुप्पी में भरा माफीनामा- यही था उनका प्रेम का तरीका, लेकिन जब बात शादी तक पहुंची, तब जिंदगी ने उनकी परीक्षा ली। घरवालों को मनाना, समाज की नजरों से लड़ना, अपने सपनों को संभालते हुए रिश्ते को बचाना- दोनों के लिए आसान नहीं था। दिव्या के घर में हजार सवाल और शिवेंद्र के मन में सिर्फ एक जवाब- "वो मेरी जिंदगी है।" कई रातें बेचैनी में गुजरीं, कई दिन उम्मीद में। कभी सब ठीक लगता, तो कभी सब बिखरता नजर आता, लेकिन दोनों ने तय कर लिया था कि हार नहीं माननी। शादी की तारीख तय होने तक दोनों के दिलों में जैसे तूफान था- कहीं कुछ रुक न जाए, कहीं ये सफर अधूरा न रह जाए। फेरों के दिन जब शिवेंद्र ने दिव्या की आंखों में देखा, तो वहां सिर्फ आंसू नहीं थे- वहां सालों की जद्दोजहद, इंतजार और जीत की चमक थी।

जब पंडित ने कहा "सप्तपदी पूर्ण हुई", तो ऐसा लगा जैसे वक्त ठहर गया हो। हर धड़कन ने कहा- "अब सब ठीक है।" आज सालों बाद भी जब शिवेंद्र और दिव्या अपनी पुरानी तस्वीरें देखते हैं, तो चेहरे पर वही मुस्कान लौट आती है। वो कहते हैं- "प्यार वही सच्चा है, जो वक्त से डरता नहीं और रिश्ते वही मुकम्मल हैं, जो रूठने-मनाने में टूटते नहीं।" उनकी कहानी इस बात का सबूत है कि मोहब्बत अगर सच्ची हो, तो मंजिल देर से सही, पर मिलती जरूर है। फोटो चाहे पुरानी हो या नई, पर उनकी कहानी हर फ्रेम में मुस्कुरा रही है। क्योंकि शिवेंद्र और दिव्या ने सिर्फ एक-दूसरे से नहीं, जिंदगी से भी मोहब्बत की है।

-शिवेंद्र और दिव्या
कानपुर

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	83,938.71	25,722.10
गिरावट	465.75	155.75
प्रतिशत में	0.55	0.60

सोना 1,25,600 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,53,000 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, शनिवार, 1 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

व्यवसाय तीन साल से लंबित जीएसटी रिटर्न नहीं भर पाएंगे

नई दिल्ली। जीएसटी नेटवर्क (जीएसटीएन) ने कहा कि व्यवसाय नवंबर कर अवधि से तीन साल या उससे अधिक समय के लिए देय जीएसटी रिटर्न दाखिल नहीं कर पाएंगे। जीएसटीएन ने कहा कि सभी जीएसटी-पंजीकृत व्यवसायों के लिए मासिक, त्रैमासिक और वार्षिक रिटर्न नियत तिथि से तीन साल की समाप्ति के बाद दाखिल करने पर रोक लगा दी जाएगी। यह प्रतिबंध जीएसटी मंच पर नवंबर 2025 कर अवधि से लागू किया जाएगा, जिसका मतलब है कि कोई भी रिटर्न जिसकी देय तिथि तीन साल या उससे अधिक पहले थी और नवंबर कर अवधि तक दाखिल नहीं किया गया है, उसे दाखिल करने से रोक दिया जाएगा।

स्थानीय निकायों को भी रेरा के दायरे में लाया जाए

नई दिल्ली। रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के अध्यक्ष आनंद कुमार ने रेरा को ज्यादा शक्तियां देने की वकालत करते हुए शुक्रवार को कहा कि उसके पास स्थानीय निकायों को भी निर्देश देने का अधिकार होना चाहिये। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा भारतीय रियल एस्टेट के विकास पर आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि रेरा बनने के बाद रियल एस्टेट सेक्टर पर काफी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है, लेकिन इसमें अब भी कुछ कमियां हैं, जिन्हें दूर किया जाना चाहिए।

एप्पल ने भारत में सर्वकालिक अधिकतम राजस्व किया दर्ज

नई दिल्ली। आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल ने जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान भारत में अब तक का रिकॉर्ड राजस्व कमाया है। यह दुनिया के दूसरे सबसे बड़े स्मार्टफोन बाजार में मजबूत वृद्धि का संकेत है, जहां प्रौद्योगिकी दिग्गज खुदरा उपस्थिति एवं स्थानीय विनिर्माण को बढ़ा रहा है। कंपनी ने बयान में कहा कि एप्पल ने इस तिमाही में सालाना आधार पर आठ प्रतिशत अधिक कुल 102.5 अरब अमेरिकी डॉलर का राजस्व दर्ज किया।

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता जारी रखे भारत

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के चेयरमैन ने दिया सुझाव, निर्यात में भी विविधता लाने पर जोर

नई दिल्ली, एजेंसी

निवेश दर वृद्धि की चालक, 35% होनी चाहिए

एस महेंद्र देव ने निवेश दर को वृद्धि का चालक बताते हुए कहा, भारत को सात प्रतिशत वृद्धि दर प्राप्त करने के लिए निवेश दर को वर्तमान 31-32 प्रतिशत से बढ़ाकर 34-35 प्रतिशत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र को भारत में अधिक निवेश करना चाहिए क्योंकि अब दोहरे बही-खाते की कोई समस्या नहीं है। देव ने कहा, सरकारी पूंजीगत व्यय बढ़ रहा है। इसका कई गुना प्रभाव पड़ेगा।'' उन्होंने कहा कि ग्रामीण और शहरी मांग बढ़ने से निजी निवेश में वृद्धि होगी।

भारत में 200 से 500 कर्मचारियों वाली कई और मध्यम स्तर की विनिर्माण इकाइयां होनी चाहिए। विनिर्माण क्षेत्र में अन्य बातों के अलावा, बड़ी समस्या यह है कि अधिकतर कंपनियां 10 से कम श्रमिकों के साथ काम कर रही हैं और उनका आकार छोटा है। - एस महेंद्र देव

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन एस महेंद्र देव ने शुक्रवार को कहा कि भारत को निर्यात में विविधता लानी चाहिए और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत तेज करनी चाहिए। साथ ही अमेरिका के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को अंतिम रूप देने के लिए उसके साथ बातचीत जारी रखनी चाहिए।

देव ने 'प्रथम आईएसआईडी@40 विशिष्ट व्यक्ति व्याख्यान' को संबोधित करते हुए कहा कि सुरक्षा नीतियों एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापार में कमी के बावजूद भारत के लिए विश्व वस्तु व्यापार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए कई अवसर हैं। उन्होंने कहा, जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है विनिर्माण के लिए भारत की व्यापार नीति एशिया, लैटिन अमेरिका, अफ्रीका, कुछ विकसित देशों में निर्यात में विविधता लाने, एफटीए को तेज करने और अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखने की होनी चाहिए। प्रख्यात अर्थशास्त्री ने कहा कि नियम-आधारित विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) सदैव संरक्षणवाद से बेहतर है।

उनकी यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका, भारत पर रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद करने का दबाव बना रहा है। अमेरिका ने 22 अक्टूबर को रूस की दो सबसे बड़ी कच्चा तेल उत्पादक कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगा दिए थे। साथ ही सभी अमेरिकी संस्थाओं और लोगों को इन कंपनियों के साथ व्यापार करने पर रोक दिया गया है। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने पर भारत पर 25 प्रतिशत का जुर्माना लगाया है। यह अमेरिकी बाजारों में प्रवेश करने वाले भारतीय सामानों पर 25 प्रतिशत के जवाबी शुल्क के अतिरिक्त है। कुल मिलाकर भारतीय सामानों पर अमेरिका में 50 प्रतिशत का अतिरिक्त आयात शुल्क लग रहा है। भारत ने इन शुल्कों को अनुचित और अविवेकपूर्ण बताया है।

उन्होंने कहा कि भारत जैसे आकार का कोई भी उभरता हुआ बाजार मजबूत निर्यात वृद्धि के बिना एक दशक या उससे अधिक समय तक सात या आठ प्रतिशत की दर से नहीं बढ़ा है। देव ने कहा, 1700 में विश्व सकल घरेलू उत्पाद में भारत की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत थी। कुछ अनुमानों से पता चलता है कि 2043 तक विश्व सकल घरेलू उत्पाद में भारत की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत हो जाने की संभावना है। सुधार के बाद के पिछले तीन दशकों में भारत की औसत वृद्धि दर छह से 6.5 प्रतिशत प्रति वर्ष रही है।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में तीन महीने की सबसे बड़ी गिरावट

मुंबई, एजेंसी

- 6.925 अरब डॉलर घटकर 695.355 डॉलर रह गया

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 24 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 6.92 अरब डॉलर घटकर 695.35 अरब डॉलर रह गया। इसके एक सप्ताह पहले देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.49 अरब डॉलर बढ़कर 702.28 अरब डॉलर हो गया था।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, 24 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.86 अरब डॉलर घटकर 566.54 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। आरबीआई ने कहा कि आलोच्य सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 3.01 अरब डॉलर घटकर 105.536 अरब डॉलर रह गया।

इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 5.8 करोड़ डॉलर घटकर 18.66 अरब डॉलर रह गए। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत का आरक्षित भंडार 60 लाख डॉलर बढ़कर 4.608 अरब डॉलर हो गया।

पहली छमाही में केंद्र का राजकोषीय घाटा बढ़ा

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही के अंत में केंद्र का राजकोषीय घाटा समूचे वित्त वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य का 36.5 प्रतिशत रहा। लेखा महानियंत्रक (सीजीए) के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में राजकोषीय घाटा 2024-25 के बजट अनुमान का 29 प्रतिशत था। मौजूदा कीमतों पर 2025-26 की अप्रैल-सितंबर अवधि में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा 5,73,123 करोड़ रुपये रहा। केंद्र का अनुमान है कि 2025-26 के दौरान राजकोषीय घाटा देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.4 प्रतिशत यानी 15.69 लाख करोड़ रुपये रहेगा।

फोर्ड चेन्नई संयंत्र में 3,250 करोड़ रुपये का करेगी निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी

- नए निवेश के बाद 2.35 लाख होगी प्लांट की वार्षिक क्षमता

अमेरिकी वाहन विनिर्माता कंपनी फोर्ड ने नई पीढ़ी के इंजन बनाने के लिए अपने चेन्नई संयंत्र में 3,250 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी की ओर से शुक्रवार को इस संबंध में घोषणा की गई। इसके बाद संयंत्र की वार्षिक क्षमता 2.35 लाख इंजन हो जाएगी।

मोटर वाहन विनिर्माता ने कहा कि उसने तमिलनाडु सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं जिसमें रणनीतिक दिशा को रेखांकित किया गया है जो फोर्ड+ योजना के तहत भारत की विनिर्माण विशेषज्ञता का लाभ उठाती है। इससे पहले कंपनी 2021 में भारतीय बाजार से बाहर निकल गई थी। फोर्ड ने बयान में कहा कि इस वर्ष के अंत में शुरू होने वाली परियोजना में तैयारी और निवेश के बाद चेन्नई संयंत्र की वार्षिक क्षमता 2.35 लाख इंजन होगी।

इसमें 2029 में उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। बयान में कहा गया, 3,250 करोड़ रुपये के प्रारंभिक अपेक्षित निवेश के साथ इस परियोजना से 600 से अधिक नौकरियों के साथ-साथ पूरे उद्योग में अप्रत्यक्ष नौकरियों के सृजन की उम्मीद है। फोर्ड मोटर कंपनी के अध्यक्ष (अंतरराष्ट्रीय बाजार समूह) जेफ मैरेंटिक ने कहा, हमें अपनी योजनाओं को आगे बढ़ाने और फोर्ड के विनिर्माण नेटवर्क में चेन्नई संयंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका की पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है।

शेयरों की बिकवाली से सेंसेक्स में 466 अंकों की गिरावट

मुंबई। निजी बैंकों के शेयरों में बिकवाली और वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच शुक्रवार को स्थानीय बाजार लगातार दूसरे दिन नुकसान में रहे। सेंसेक्स लगभग 466 अंक गिर गया जबकि निफ्टी में 156 अंकों की गिरावट रही।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 465.75 अंक यानी 0.55 प्रतिशत टूटकर 83,938.71 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 498.8 अंक गिरकर 83,905.66 अंक तक आ गया था। एनएसई का 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 155.75 अंक या 0.60 प्रतिशत गिरकर 25,722.10 पर आ गया। विश्लेषकों के मुताबिक, विदेशी निवेशकों की बिकवाली, कंपनियों के मिलेजुले नतीजे और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों पर स्पष्टता की कमी ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया।

सेबी:110 वरिष्ठ पदों के लिए आवेदन मांगे

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 110 वरिष्ठ पदों के लिए आवेदन मांगे हैं। ये पद सामान्य, विधि, सूचना प्रौद्योगिकी, अनुसंधान, आधिकारिक भाषा और इंजीनियरिंग के लिए ग्रेड ए अधिकारी के हैं। सामान्य वर्ग में 56 पद, सूचना प्रौद्योगिकी के लिए 22, विधि के लिए 20, अनुसंधान के लिए चार, राजभाषा के लिए तीन, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के लिए दो और इंजीनियरिंग (सिविल) के लिए तीन पद हैं। अभ्यर्थी 28 नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

प्रदूषण से मौतें कम करने के लिए स्वच्छ ऊर्जा अपनाए भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

- लैंसेट काउंटडाउन ने कहा- बढ़ती अर्थव्यवस्था होने से ये आसान

भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था और प्रौद्योगिकी क्षमताएं उसे कोयले से स्वच्छ नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ने का अनूठा अवसर देती हैं। लैंसेट काउंटडाउन की एक शीर्ष अधिकारी ने यह उम्मीद जताते हुए नवीकरणीय ऊर्जा में अधिक सरकारी निवेश का आग्रह किया ताकि भारत में प्रदूषण से होने वाली मौतों को कम किया जा सके।

लैंसेट काउंटडाउन की कार्यकारी निदेशक मेरीना बेलेन रोमानेलो ने एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में काम करने की काफी गुंजाइश है। उन्होंने जोर दिया कि इन उपायों से नागरिकों को महत्वपूर्ण स्वास्थ्य लाभ होंगे। रोमानेलो ने कहा, भारत एक प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में उभर रहा है और स्थानीय इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी नवाचार में इसकी उन्नत क्षमताएं इस बदलाव का नेतृत्व करने के लिए अच्छी स्थिति में है। कोयले महंगा और अत्यधिक प्रदूषणकारी है, और इससे स्वच्छ, नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ने के लिए पर्याप्त निवेश और मजबूत सरकारी समर्थन की जरूरत होगी।

उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा तक पहुंच बढ़ाने के लिए भारत सरकार के प्रयास महत्वपूर्ण हैं, लेकिन पूरी क्षमता हासिल करने के लिए इसे और मजबूत करना चाहिए। 'द लैंसेट' पत्रिका की एक वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार मानव-जनित पीएम2.5 प्रदूषण के कारण 2022 में भारत में 17 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई। यह आंकड़ा 2010 से 38% अधिक है। जीवाश्म ईंधन के उपयोग से 44% मौतें हुईं। मृत्यु दर की गणना का तरीका पूछने पर रोमानेलो ने बताया कि ये पद्धतियां आंकड़ों को जोड़ती हैं जो बताती हैं कि दुनिया के हिस्सों में कितना प्रदूषण पाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आंकड़े भले ही अनुमान पर आधारित हैं, लेकिन वैज्ञानिक विधियों के आधार पर वायु प्रदूषण से जुड़े स्वास्थ्य संबंधी समझ का प्रतिनिधित्व करते हैं।

राष्ट्रीय

राजग सत्ता में लौटा तो यूपी की तरह बिहार में भी माफिया का अंत करेंगे

सीवान की चुनावी जनसभा में बोले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

सीवान/वैशाली, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कांग्रेस तथा राजद पर देश की सांस्कृतिक विरासत के अपमान का आरोप लगाया और कहा कि राजग के सत्ता में लौटने पर उत्तर प्रदेश की तरह बिहार से भी माफिया का अंत कर दिया जाएगा। योगी ने यह दावा भी किया कि पंडित जवाहरलाल नेहरू ने सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन समारोह में शामिल न होने की सलाह देकर देश के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद का अपमान किया था।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सीवान, वैशाली और भोजपुर में तीन सभाओं को संबोधित किया। योगी ने कहा, कांग्रेस को बिहार की जनता ने इसलिए खारिज किया क्योंकि उसने सरदार वल्लभभाई पटेल, बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद और कर्पूरी ठाकुर जैसे महापुरुषों का अपमान किया। यहां तक कि बिहार के ही रहने वाले पार्टी के पूर्व अध्यक्ष सीताराम केसरी को भी कांग्रेस ने अपमानित किया था। उन्होंने दावा किया, जब राजेंद्र बाबू ने सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन समारोह में शामिल होने का निर्णय लिया, तब कांग्रेस के प्रधानमंत्री नेहरू ने उनसे कहा कि वे वहां न जाएं। लेकिन राजेंद्र बाबू के लिए यह आस्था का विषय था। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वह अपने पद से इस्तीफा देना पसंद करेंगे, लेकिन समारोह में जाना नहीं छोड़ेंगे।

कांग्रेस पर देश में गरीबी और पिछड़ेपन के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाते हुए योगी ने कहा कि यह पार्टी ब्रिटिश हुकूमत की उत्तराधिकारी है, जिसने भारतीय उद्योगों और कारीगरी को नष्ट कर दिया। योगी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टी राजद ने हमेशा भारत की सांस्कृतिक विरासत का अपमान किया है। उन्होंने राम रथ यात्रा के दौरान भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी की गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए कहा कि इन्होंने भगवान राम के रथ को भी रोक दिया था।

अंधकार युग और विकास युग में मुकाबला: नड्डा

पटना। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव राजद के जंगलराज वाले अंधकार युग और राजग के विकासमय उजाले के बीच की लड़ाई है। पटना जिले के बिक्रम में एक चुनावी सभा में नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ा है और हमें इस राह को सुरक्षित रखना है। उन्होंने कहा, राजग के चुनाव घोषणा पत्र में एक करोड़ सरकारी नौकरियों और अन्य रोजगार अवसरों की गारंटी दी गई है। अगर गठबंधन दोबारा सत्ता में आता है तो बिहार के युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। नड्डा ने बताया कि घोषणा पत्र में किसानों के लिए 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' का नाम बदलकर कर्पूरी ठाकुर सम्मान निधि करने का भी प्रस्ताव है, जिसके तहत किसानों को साल भर में तीन बराबर किस्तों में कुल 9,000 रुपए मिलेंगे। पहले किसानों को तीन बार 2,000 रुपए की किस्त दी जाती थी। राजद पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि राजद का मतलब है-रंगदारी, जंगलराज और दबंगई।

मेरा व्यक्तिगत विचार है कि आरएसएस पर प्रतिबंध लगे: खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर फिर से प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए क्योंकि देश में कानून व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं के लिए यही संगठन जिम्मेदार है।

उन्होंने यह भी कहा कि यह उनका व्यक्तिगत विचार है। खरगे ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के एक बयान से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए संवाददाताओं से कहा, मेरा व्यक्तिगत विचार है और खुलकर बोलूंगा कि आरएसएस पर प्रतिबंध लगना चाहिए। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने जो चीजें आरएसएस को लेकर हमारे सामने रखी हैं, अगर उसकी मर्यादा प्रधानमंत्री और गृह मंत्री रखते हैं तो यह प्रतिबंध होना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, आज देश में जो गड़बड़ियां हो रही हैं और कानून-व्यवस्था की समस्यां पैदा हो रही हैं, ये सब भाजपा और आरएसएस की वजह से हैं।

एसपी की मंजूरी के बिना वकीलों को तलब नहीं कर सकेंगे जांच अधिकारी

सर्वोच्च न्यायालय ने खारिज किए अब तक भेजे गए समन

नई दिल्ली, एजेंसी

ईडी ने भेजे थे समन

सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन तथा न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने ईडी की ओर से धन शोधन जांच के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार और प्रताप वेणुगोपाल को तलब किए जाने के बाद स्वत: संज्ञान मामले में यह फैसला सुनाया।

वकील-मुवक्किल विशेषाधिकार की रक्षा के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जांच एजेंसियों को मुवक्किलों को सलाह देने के वास्ते वकीलों को मनमाने ढंग से तलब करने पर रोक लगाने के लिए कई निर्देश जारी किए और कहा कि जांच अधिकारी उन्हें तब तक नहीं बुला सकते जब तक कि पुलिस अधीक्षक की मंजूरी न हो।

ईडी की ओर से वकीलों को भेजे गए समन को खारिज करते हुए पीठ ने कहा कि यह उन आरोपियों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है जिन्होंने वकीलों को पैरवी के लिए चुना था। पीठ ने कहा कि उसने वकीलों की सुरक्षा के लिए नियम में छूट को सुसंगत बनाने का अनुरोध किया है और जांच एजेंसियों के अनुचित दबाव से कानूनी पेशे की रक्षा के लिए नए निर्देश जारी किए हैं।

दिल्ली दंगों से मेरे संबंध का कोई सबूत नहीं: खालिद

नई दिल्ली। दिल्ली में फरवरी 2020 में हुए दंगों से जुड़े यूएपीए मामले में जमानत का आग्रह करते हुए कार्यकर्ता उमर खालिद ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि हिंसा से उसके संबंध का कोई सबूत नहीं है तथा उसके खिलाफ लगाए गए साजिश के आरोप गलत हैं। खालिद की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ को बताया कि दिल्ली दंगों से उसे जोड़ने वाले धन, हथियार या किसी भी भौतिक साक्ष्य की कोई बरामदगी नहीं हुई है। उन्होंने कहा, 751 प्राथमिकी हैं, एक में मुझ पर आरोप लगाया गया है, और अगर यह एक साजिश है, तो यह आश्चर्यजनक है। जिन तारीखों को दंगे हुए, वह दिल्ली में नहीं था। उसके खिलाफ कोई साक्ष्य अभी तक नहीं मिला है।

सीएपीएफ : केंद्र की पुनर्विचार याचिका खारिज

नई दिल्ली। केंद्र को झटका देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उस फैसले पर पुनर्विचार की याचिका खारिज कर दी है जिसमें निर्देश दिया गया था कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में आईपीएस अफसरों की प्रतिनियुक्ति कम कर छह महीने में कैडर समीक्षा की जाए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ केंद्र की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें सुप्रीम कोर्ट के 23 मई के फैसले की समीक्षा का आग्रह किया गया था।

सिर्फ 26 सेकेंड में घोषणापत्र, नीतीश भी नदारद

पटना। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने शुक्रवार को राजग पर तीखा हमला बोलते हुए बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जारी उनके संकल्प पत्र को को झूठ का पुलिंदा बताया।

- गहलोत ने राजग के घोषणापत्र को बताया झूठ का पुलिंदा

गहलोत एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राजग का संकल्प पत्र 2025 केवल 26 सेकंड में जारी कर दिया गया। उन्होंने कहा कि उनकी जानकारी में यह मीडियाकर्मियों के जीवन का सबसे छोटा संवाददाता सम्मेलन था। कांग्रेस नेता ने घोषणापत्र जारी होने के समय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की औपचारिक उपस्थिति पर सवाल उठाए और कहा कि अगर नीतीश कुमार बिहार में राजग का नेतृत्व कर रहे हैं तो उन्होंने खुद घोषणापत्र क्यों नहीं जारी किया। क्या वह लोगों का सामना करने या सवालों के जवाब देने की स्थिति में नहीं हैं। गहलोत ने राजग के दस्तावेज़ को झूठे वादे बताते हुए याद दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार को 1.25 लाख करोड़ रुपये के विशेष पैकेज का वादा किया था, जो पूरा नहीं हुआ। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, कि प्रधानमंत्री ने चंपारण की एक बंद पड़ी चीनी मिल को पुनः शुरू करने का वादा किया था और कहा था कि अगली बार उसी चीनी मिल में बनी चीनी की चाय पिएंगे, लेकिन बाद में अपना वादा भूल गए। कांग्रेस के नेता ने राजग सरकार पर पिछले दो दशकों में विफल रहने का आरोप लगाया और कहा कि रोज़गार, औद्योगिक विकास, महिला सशक्तिकरण और किसान कल्याण से जुड़े राजग के वादे खोखले साबित हुए थे।

डीजीपी से जन सुराज पार्टी समर्थक की हत्या पर मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने मोकामा में जन सुराज पार्टी के एक समर्थक की हत्या के मामले में शुक्रवार को बिहार के पुलिस महानिदेशक से रिपोर्ट मांगी।

विधानसभा चुनाव से पहले जन सुराज पार्टी के समर्थक दुलारचंद यादव की हत्या के बाद मोकामा में तनाव व्याप्त हो गया है। मोकामा से राजद उम्मीदवार वीणा देवी की कार पर शुक्रवार को पथराव किया गया। डीजीपी को जल्द से जल्द चुनाव अधिकारियों को विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा गया है।

दिल्ली : 2023 में वायु प्रदूषण की वजह से हुई 15% मौतें

नई दिल्ली, एजेंसी

- ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज संस्था ने किया आंकड़ों का विश्लेषण

वायु प्रदूषण दिल्ली के लोगों के लिए सबसे बड़ा स्वास्थ्य जोखिम बना हुआ है जो वर्ष 2023 में मौत के सभी मामलों में से लगभग 15 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार है। नवीनतम 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज' (जीबीडी) के आंकड़ों के विश्लेषण से यह जानकारी सामने आई है।

इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन (आईएचएमई) ने इस महीने की शुरुआत में जारी जीबीडी 2023 के आंकड़ों के विश्लेषण में पाया कि आसपास के परिवेश में मौजूद प्रदूषण कणों के संपर्क में आने से 2023 में दिल्ली में 17,188 लोगों की मौत होने का अनुमान है। इसका मतलब है कि दिल्ली में हर सात में से एक व्यक्ति की मौत प्रदूषित हवा से जुड़ी थी। हालांकि, केंद्र सरकार का कहना है कि वायु प्रदूषण और मौत के मामलों के बीच सीधा संबंध स्थापित करने के लिए कोई निर्णायक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है।

रिपोर्ट के मुताबिक वायु प्रदूषण के बाद वर्ष 2023 में दिल्ली में होने वाले मौत के अन्य प्रमुख जोखिम वाले कारकों में उच्च सिस्टोलिक रक्तचाप (14,874 लोगों की मौत या 12.5%), लंबी अवधि तक बिना खाए रहने से जुड़ी शर्करा या मधुमेह की स्थिति (10,653 लोगों मौत या नौ%), उच्च कोलेस्ट्रॉल (7,267 लोगों की मौत या छह%) और उच्च बॉडी-मास इंडेक्स (6,698 लोगों की मौत या 5.6%) शामिल थे। 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' (सीआरईए) के शोधकर्ताओं ने हालिया जीबीडी आंकड़े का विश्लेषण किया।

सीआरईए ने कहा कि साल-दर-साल उतार-चढ़ाव के बावजूद प्रदूषक कणों के कारण होने वाली मौत लगातार अत्यधिक बनी हुई है जो अक्सर उच्च रक्तचाप या मधुमेह से जुड़ी मौत से अधिक होती हैं।

वायु प्रदूषण सिर्फ एक पर्यावरणीय समस्या नहीं है, यह जन स्वास्थ्य संकट है जिसके लिए प्रदूषणकारी क्षेत्रों में विज्ञान आधारित कार्रवाई की जरूरत है ताकि वास्तविक और मापने योग्य प्रदूषण में कमी लाई जा सके। - सीआरईए के विश्लेषक मनोज कुमार

वायु प्रदूषण श्वसन संबंधी बीमारियों को प्रभावित करने वाले कारकों में से एक है और निश्चित रूप से चिंता का विषय है लेकिन इसे मृत्यु दर का एकमात्र कारण मानना वैज्ञानिक रूप से सटीक नहीं है। - केंद्रीय पर्यावरण राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह

जीबीडी अध्ययन दुनिया की सबसे व्यापक शोध परियोजनाओं में एक है जो सभी देशों में आकलन करता है कि लोगों की मृत्यु कैसे होती है और किन कारणों से वे बीमार पड़ते हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

वित्तमंत्री सीतारमण की भूटान यात्रा रद्द

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की भूटान की आधिकारिक यात्रा मौसम खराब होने के कारण रद्द कर दी गई है। सीतारमण पड़ोसी देश के साथ साझेदारी को मजबूत करने के लिए भूटान की चार दिनों की आधिकारिक यात्रा पर गुरुवार को रवाना हुई थीं। वह वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही थीं। वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि भूटान के पारो में खराब मौसम के कारण आधिकारिक यात्रा रद्द कर दी गई है।

30 फलस्तीनियों के शव इजराइल ने सौंपे

यरुशलम। इजराइल ने 30 फलस्तीनियों के शव सौंप दिए हैं। गाजा स्थित एक अस्पताल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गाजा में फलस्तीनी चरमपंथियों द्वारा दो बंधकों के अवशेष इजराइल को सौंपे जाने के एक दिन बाद इन शवों को सौंपा गया है। अवशेषों की यह अदला-बदली युद्धविराम के बाद हुई है। इजराइल की सेना ने गुरुवार को कहा कि फलस्तीनी चरमपंथियों ने दो और बंधकों के अवशेष सौंप दिए हैं।

शंघाई-दिल्ली के बीच बढ़ेगी उड़ान संख्या

नई दिल्ली। चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस अगले साल 02 जनवरी से दिल्ली और शंघाई के बीच उड़ानों की संख्या बढ़ाकर सप्ताह में पांच करेगी। एयरलाइंस ने इससे पहले 09 नवंबर 2025 से दोनों शहरों के बीच सप्ताह में तीन उड़ानों की घोषणा की थी जिसके लिए बुकिंग शुरू हो गयी है। चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस की शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि भविष्य में उसकी योजना चीन के कुनमिंग से कोलकाता और शंघाई पुर्डोंग से मुंबई के लिए उड़ानें शुरू करने की है। उल्लेखनीय है कि कोविड-19 के समय साल 2020 में भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानें बंद हो गई थीं। पांच साल बाद एक बार फिर दोनों देशों के बीच उड़ानों का परिचालन शुरू हुआ है।

विमान की आपात लैंडिंग, कई घायल

टाम्पा (अमेरिका)। मेक्सिको से आ रही विमानन कंपनी 'जेटब्लू' की एक उड़ान की ऊंचाई अचानक कम हो जाने के कारण उसे फ्लोरिडा में आपात स्थिति में उतारना पड़ा और घायल हुए कई यात्रियों को अस्पताल ले जाया गया। कैनकन से न्यू जर्सी के नेवार्क जा रही उड़ान की ऊंचाई अचानक कम हो गई। संघीय उड्डयन प्रशासन जांच कर रहा है। एफएए के अनुसार, एयरबस ए320 को अपराह्न करीब दो बजे टाम्पा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए मोड़ दिया गया। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि कितने लोग घायल हुए हैं या उनकी चोटें कितनी गंभीर हैं।

ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू से वापस ली गईं सभी शाही उपाधियां

टूवूम्बा (ऑस्ट्रेलिया), एजेंसी

- ज्यूफ्रे की आत्मकथा के बाद किंग चार्ल्स ने उठाया कदम

ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स ने अपने भाई प्रिंस एंड्रयू से सभी शाही उपाधियां और सम्मान वापस लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बकिंघम पैलेस ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि अब उन्हें केवल एंड्रयू माउंटबैटन विंडसर के नाम से जाना जाएगा। यह कदम वर्जीनिया ज्यूफ्रे की मरणोपरांत प्रकाशित आत्मकथा 'नोबॉडीज़ गर्ल' के जारी होने के बाद उठाया गया है।

इस पुस्तक में ज्यूफ्रे ने जेफ्री एप्सटीन और गिसलेन मैक्सवेल के लिए दो वर्ष तक यौन दास के रूप में बिताए अपने जीवन का विस्तृत विवरण दिया है। 41 वर्षीय ज्यूफ्रे ने इस वर्ष अप्रैल में पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के अपने फार्महाउस में आत्महत्या कर ली थी। महाराजा चार्ल्स के आदेश के तहत, एंड्रयू को रॉयल लॉज आवास खाली कर निजी आवास में स्थानांतरित होना होगा। बकिंघम पैलेस ने कहा कि यह निर्णय राजघराने की गरिमा के लिए लिया गया है। ज्यूफ्रे के परिवार ने कहा कि वह सच्चाई और अद्भुत साहस के साथ एक ब्रिटिश राजकुमार को गिराने में सफल रही।

क्लाउड सीडिंग

प्रदूषण नियंत्रण में कितनी कारगर है यह तकनीक

कृत्रिम बारिश या क्लाउड सीडिंग एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है जिसमें वायुमंडल में बारिश कराने के लिए सिल्वर आयोडाइड नैनोकणों, आयोडीन युक्त नमक और सूखी बर्फ जैसे रसायनों का इस्तेमाल किया जाता है। यह तकनीक प्रदूषण कम करने में कारगर साबित हो सकती है, लेकिन यह एक स्थायी समाधान नहीं है। इसके लिए हमें प्रदूषण के मूल कारणों पर काम करना होगा और स्थायी समाधान ढूंढने होंगे आइए जानते हैं कि यह तकनीक कैसे काम करती है और कहां-कहां हुआ है इसका प्रयोग...।

क्लाउड सीडिंग कैसे काम करती है?

क्लाउड सीडिंग में रसायनों को विमान या जमीन पर लगे उपकरणों के माध्यम से बादलों में छिड़का जाता है, जिससे बादलों में मौजूद जलवाष्प संघनित होकर बारिश के रूप में गिरता है। यह प्रक्रिया वायुमंडल में मौजूद प्रदूषकों को भी हटा सकती है।

प्रदूषण कम करने में मददगार : कृत्रिम बारिश प्रदूषण कम करने में कारगर साबित हो सकती है, लेकिन यह एक अल्पकालिक समाधान है। दिल्ली में हुए एक प्रयोग में क्लाउड सीडिंग के बाद प्रदूषण के स्तर में कमी देखी गई, लेकिन बारिश नहीं हुई।

सफलता के कई कारक : क्लाउड सीडिंग की सफलता के लिए कई कारकों का ध्यान रखना जरूरी है। मौसम की स्थिति का अनुकूल होना जरूरी है। क्लाउड की गुणवत्ता का अच्छा होना जरूरी है, उपयोग किए जाने वाले रसायनों की मात्रा का सही होना जरूरी है।

चुनौतियां और अनिश्चितताएं

क्लाउड सीडिंग के परिणाम अनिश्चित हो सकते हैं और इसके लिए कई कारकों का ध्यान रखना जरूरी है। पर्यावरणीय प्रभावों के बारे में चिंताएं हो सकती हैं, जैसे कि जल चक्र पर इसका प्रभाव। क्लाउड सीडिंग के नैतिक मुद्दे भी हो सकते हैं, जैसे कि इसके उपयोग के अधिकार और इसके प्रभावों की जिम्मेदारी।

अब तक कहां-कहां हुआ प्रयोग

- चीन : चीन हर साल बड़े पैमाने पर क्लाउड सीडिंग करता है, जिसमें बीजिंग ओलंपिक 2008 से पहले इसका उपयोग किया गया था।
- संयुक्त अरब अमीरात : यूएई नियमित रूप से रेगिस्तानी इलाकों में इस तकनीक का इस्तेमाल करता है ताकि बारिश और नमी बनी रहे।
- अमेरिका : अमेरिका ने जल संकट वाले क्षेत्रों में क्लाउड सीडिंग का उपयोग किया है।
- भारत : भारत में 1980 के दशक में तमिलनाडु, महाराष्ट्र और कर्नाटक में क्लाउड सीडिंग के प्रयोग किए गए थे, लेकिन सीमित सफलता मिली।
- पाकिस्तान : पाकिस्तान ने भी क्लाउड सीडिंग का प्रयोग किया है, जिसमें लाहौर में प्रदूषण कम करने के लिए इसका उपयोग किया गया था।

भविष्य के लिए एक संभावित उपाय

- जल संसाधन प्रबंधन : क्लाउड सीडिंग जल संसाधनों को बढ़ाने और सूखे की स्थिति से निपटने में मदद कर सकती है।
- कृषि : क्लाउड सीडिंग कृषि के लिए फायदेमंद हो सकती है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां बारिश की कमी होती है।
- प्रदूषण नियंत्रण : क्लाउड सीडिंग प्रदूषण के स्तर को कम करने में मदद कर सकती है, खासकर शहरी क्षेत्रों में।
- मौसम नियंत्रण : क्लाउड सीडिंग मौसम को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है, तूफान या ओलावृष्टि को कम करने में।

भारत में क्लाउड सीडिंग के प्रयोग

- तमिलनाडु सरकार ने 2003 में क्लाउड सीडिंग का प्रयोग किया था ताकि सूखे की स्थिति से निपटा जा सके। महाराष्ट्र सरकार ने भी क्लाउड सीडिंग के प्रयोग किए हैं। हिमाचल प्रदेश सरकार ने भी क्लाउड सीडिंग का प्रयोग किया है ताकि बर्फबारी को बढ़ाया जा सके। दिल्ली में भी क्लाउड सीडिंग के प्रयोग किए गए हैं ताकि प्रदूषण के स्तर को कम किया जा सके।

अमेरिका का परमाणु परीक्षण शुरू करना मानवता के लिए खतरनाक

परमाणु शक्ति संपन्न अन्य देशों की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की आशंका

शुरू हो सकती है नई होड़

मेलबर्न, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेंटागन को अन्य देशों के समान आधार पर परमाणु हथियार परीक्षण तुरंत फिर से शुरू करने का निर्देश दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह आदेश वास्तविक विस्फोटक परमाणु परीक्षणों से संबंधित है, तो यह अमेरिका का अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक कदम होगा।

विश्लेषकों के अनुसार, इस तरह के किसी भी कदम से रूस और चीन सहित अन्य परमाणु संपन्न देशों की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की घोषणाएं होने की आशंका है, जिससे परमाणु हथियारों की नई होड़ शुरू हो सकती है और पूरी मानवता गंभीर खतरे में पड़ सकती है। परमाणु परीक्षणों से रेडियोधर्मी उत्सर्जन का वैश्विक खतरा भी बढ़ेगा। भले ही परीक्षण भूमिगत किए जाएं, लेकिन रेडियोधर्मी पदार्थों के रिसाव और भूजल प्रदूषण का जोखिम बना रहेगा। परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि का उल्लंघन

समग्र परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) पर 187 देशों ने हस्ताक्षर किए हैं, जो विश्व की सबसे व्यापक रूप से समर्थित निरस्त्रीकरण संधियों में से एक है। अमेरिका ने भी इस पर दशकों पहले हस्ताक्षर किए थे, लेकिन अब तक इसका अनुमोदन नहीं किया है। इसके बावजूद, एक हस्ताक्षरकर्ता देश होने के नाते, वह संधि की भावना और उद्देश्य का उल्लंघन नहीं कर सकता।

नौ परमाणु संपन्न देश बढ़ा रहे भंडार

अमेरिका, चीन, रूस, फ्रांस, ब्रिटेन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इज़राइल — अपने हथियार भंडार को और उन्नत, सटीक और तेज बना रहे हैं। इससे परमाणु हथियारों के उपयोग की संभावना बढ़ रही है और यह परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) के तहत उनके निरस्त्रीकरण दायित्वों के विपरीत है। रूस और इज़राइल जैसे देशों द्वारा हालिया संघर्षों में दिए गए परमाणु धमकी भरे बयान इस खतरे को और बढ़ाते हैं। खबरों के अनुसार, दुनिया भर में सक्रिय परमाणु हथियारों की संख्या फिर से बढ़ने लगी है, जिसमें वे हथियार भी शामिल हैं जो कुछ ही मिनटों में प्रक्षेपित किए जा सकते हैं।

1960 के दशक में पर्यावरणीय दुष्परिणामों से रोके गए थे परीक्षण

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद परमाणु परीक्षणों का मुख्य उद्देश्य हथियारों के प्रभाव और उनके विनाशकारी दायरे को समझना था। लेकिन 1960 के दशक में पर्यावरणीय और स्वास्थ्य दुष्परिणामों के कारण देशों ने वातावरण में परमाणु परीक्षणों पर रोक लगाने पर सहमति बनाई। 1963 की आंशिक परीक्षण प्रतिबंध संधि के बाद केवल भूमिगत परीक्षणों की अनुमति थी। अमेरिका ने 1992 में, फ्रांस ने 1996 में परीक्षण बंद किए, जबकि रूस और चीन ने भी 1990 के दशक के बाद कोई परीक्षण नहीं किया। इस सदी में केवल उत्तर कोरिया ने 2017 में परमाणु परीक्षण किया है। तकनीकी क्षमताओं के विकसित होने के बाद परमाणु शक्तियों को नए हथियारों के डिज़ाइन का परीक्षण वास्तविक विस्फोट के बिना संभव हो गया, इसलिए भौतिक परीक्षणों की आवश्यकता नहीं रही।

एकमात्र शेष संधि भी संकट में

शीत युद्ध के बाद बनी अधिकतर प्रमुख हथियार नियंत्रण संधियां अब समाप्त हो चुकी हैं। अमेरिका और रूस के बीच न्यू एसटीएआरटी (स्ट्रैटेजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी) ही ऐसी आखिरी संधि है जो दोनों देशों के 90 प्रतिशत परमाणु हथियारों को सीमित करती है। यह संधि अगले वर्ष फरवरी में समाप्त होने वाली है और इसके नवीनीकरण को लेकर अभी तक औपचारिक वार्ता शुरू नहीं हुई है। इन सभी घटनाक्रमों के चलते विशेषज्ञों का कहना है कि मानवता के अस्तित्व पर मंडराते खतरों का प्रतीक डूम्सडे क्लॉक अब पहले से कहीं अधिक आगे बढ़ गई है। यह अत्यंत खतरनाक समय है और यदि अमेरिका ने वास्तव में परमाणु परीक्षण फिर शुरू किया तो यह पूरे विश्व के लिए एक भयावह मोड़ साबित हो सकता है।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान फिर वार्ता करने पर सहमत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने शुक्रवार को सीमा पर संघर्ष विराम कायम रखने और इस सप्ताह असफल रही शांति वार्ता को फिर से शुरू करने के लिए बातचीत करने पर सहमति जताई है। पाकिस्तान और अफगान तालिबान के प्रतिनिधिमंडलों के बीच दूसरे दौर की चर्चा शनिवार को इस्तांबुल में शुरू हुई थी लेकिन यह विफल हो गई क्योंकि पाकिस्तान ने तालिबान पर सीमा पार हमलों को रोकने का आश्वासन देने में अनिच्छा दिखाने का आरोप लगाया।

डॉन अखबार की शुक्रवार की रिपोर्ट के अनुसार, नवीनतम दौर की वार्ता के मेजबान तुर्किये द्वारा शुक्रवार को जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया है कि छह नवंबर को इस्तांबुल में एक प्रमुख-स्तरीय बैठक के दौरान कार्यान्वयन के आगे के तौर-तरीकों पर चर्चा की जाएगी और निर्णय लिया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि प्रमुख वार्ताकार कौन होंगे।

एआई युग से जुड़ेंगी गढ़वाली कुमाऊनी व जौनसारी भाषाएं

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- विदेश से ऐतिहासिक पहल, भाषा डेटा कलेक्शन पोर्टल का शुभारंभ

अमृत विचार : उत्तराखंड की लोकभाषाओं-गढ़वाली, कुमाऊनी और जौनसारी को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। इस अवसर पर भाषा डेटा कलेक्शन पोर्टल का शुभारंभ अमेरिका के सिएटल और कनाडा के सरे-वैंकूवर में किया गया।

यह ऐतिहासिक लॉन्चिंग मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के वीडियो संदेश से हुई। मुख्यमंत्री ने इस पहल को उत्तराखंड की सांस्कृतिक अस्मिता को डिजिटल युग से जोड़ने वाला युगांतकारी प्रयास बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि, जब तक हमारी भाषा जीवित है, हमारी संस्कृति जीवित है। उत्तराखंड सरकार सदैव अपनी मातृभाषाओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए तत्पर है। यह पहल बल्कि अपनी पहचान और लोक विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का एक जन आंदोलन है।

इस पोर्टल के माध्यम से गढ़वाली, कुमाऊंनी और जौनसारी भाषाओं के लगभग 10 लाख (1 मिलियन) शब्द, वाक्य, कहावतें और कहानियां एकत्र की जाएंगी, ताकि एआई प्लेटफॉर्म इनसे सीखकर भविष्य में हमारी भाषाओं में संवाद कर सकें। यह ऐतिहासिक लॉन्चिंग देवभूमि उत्तराखंड कल्चरल सोसाइटी कनाडा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हुई, जिसमें 4000 से अधिक प्रवासी उत्तराखंडी उपस्थित रहे। लॉन्चिंग में विशेष रूप से पद्मश्री प्रीतम भरतवाण (लोकगायक, जागर एवं ढोल सागर अकादमी), सच्चिदानंद सेमवाल (एआई आर्किटेक्ट, अमेरिका), अमित कुमार, सोसाइटी के अध्यक्ष बिशन खंडूरी, टोरंटो से मुरारीलाल थपलियाल एवं भारतीय दूतावास के प्रतिनिधि शामिल रहे।

मादक पदार्थ नौकाओं पर अमेरिकी हमले अस्वीकार्य

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख ने कहा है कि दक्षिण अमेरिका से कथित तौर पर अवैध मादक पदार्थ ले जाने वाली नौकाओं पर अमेरिकी सैन्य हमले अस्वीकार्य हैं और इन्हें रोका जाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र के किसी संगठन ने संभवतः पहली बार इन घटनाओं की निंदा की है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नौकाओं पर हमलों को अमेरिका में मादक पदार्थों के प्रवाह को रोकने के लिए एक आवश्यक कार्रवाई बताते हुए उचित ठहराते हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की प्रवक्ता रवीना शमदसानी ने बताया कि मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर टर्क ने हमलों की जांच की मांग की है और कहा है कि सितंबर के शुरू से अब तक नौकाओं पर हुए हमलों में 60 से अधिक लोग मारे गए हैं।

- संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख बोले-इन्हें रोका जाना चाहिए

भारतीय कलाकृतियों की नीलामी में बना रिकॉर्ड

लंदन, एजेंसी

- टीपू की पैस्तौलों और रणजीत सिंह की पेंटिंग के मिले अधिक दाम

टीपू सुल्तान के लिए बनाई गई दो पिस्तौल और महाराजा रणजीत सिंह की एक बारीक चित्रकला ने इस सप्ताह लंदन में हुई नीलामी में नए कीर्तिमान स्थापित किए। आर्ट्स ऑफ द इस्लामिक वर्ल्ड एंड इंडिया शीर्षक से बुधवार को हुई इस नीलामी में कुल एक करोड़ पाउंड से अधिक की राशि प्राप्त हुई।

इनमें ऐतिहासिक भारतीय कलाकृतियों ने अनुमानित मूल्य से कहीं अधिक दाम हासिल किए। मैसूर के शासक रहे टीपू सुल्तान के लिए विशेष रूप से तैयार की गई चांदी जड़ी फ्लिंटलॉक पिस्तौलों की जोड़ी 11 लाख पाउंड में एक निजी संग्रहकर्ता को बेची गई, जो अनुमानित मूल्य का लगभग 14 गुना है। उन्नीसवीं सदी के सिख सम्राट महाराजा रणजीत सिंह की एक पेंटिंग 9 लाख 52 हजार 500 पाउंड (952,500 पाउंड) में बिकी।

यह सिख कला के क्षेत्र में अब तक का नया रिकॉर्ड है और इसे एक संस्थान ने खरीदा। पेंटिंग में कलाकार बिशन सिंह ने उन्हें लाहौर के एक बाजार से जुलूस में जाते हुए दर्शाया है। संग्रहकर्ता संस्था 'सोथबी' के कैटलॉग में इस पेंटिंग के बारे में कहा गया है कि यह सुंदर और बारीकी से बनी झांकी महाराजा रणजीत सिंह को हाथी पर सवार होकर लाहौर के बाजार से गुजरते हुए दिखाती है। उनके साथ उनका भव्य दरबार, चंवर और छत्र धारी सेवक, बाज़ पालक तथा घोड़े और ऊंटों द्वारा खींची जाने वाली सवारियां हैं जिनमें उनका पुत्र शेर सिंह, एक गणिका और उनके धार्मिक व राजनीतिक सलाहकार भाई राम सिंह तथा राजा गुलाब सिंह सम्मिलित हैं। चित्र के अग्रभाग में संन्यासी और सड़क कलाकार महाराजा का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि पृष्ठभूमि में शिल्पकार, पतंग बनाने वाले और दुकानदार अपने काम में व्यस्त दिखते हैं।

टीपू सुल्तान की यह पिस्तौलें 1799 में ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा श्रीरंगपट्टनम की घेराबंदी के दौरान उनके खजाने से मिली थीं।

पापुआ न्यू गिनी में भूस्खलन से 21 मरे

मेलबर्न। पापुआ न्यू गिनी के पहाड़ी इलाकों में बृहस्पतिवार देर रात हुए भूस्खलन के कारण 21 लोगों की मौत हो गई। ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (एबीसी) ने पुलिस के हवाले से बताया कि देर रात करीब दो बजे हुए भूस्खलन के कारण एंगा प्रांत के कुकास गांव में कई घर तबाह हो गए। एंगा प्रांत के गवर्नर पीटर इपातास ने एबीसी को बताया कि स्थानीय लोगों के अनुसार करीब 30 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से 18 शव बरामद किए जा चुके हैं। वहीं, पुलिस का कहना है कि अब तक 21 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। एपी का शुक्रवार को इपातास और एंगा के वाबैग थाने से संपर्क नहीं हो सका।

वैश्विक मुक्त व्यापार की रक्षा में मदद करेगा चीन

ग्योंगजू (दक्षिण कोरिया), एजेंसी

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शुक्रवार को एशिया-प्रशांत क्षेत्र के नेताओं से कहा कि उनका देश वार्षिक आर्थिक क्षेत्रीय मंच पर वैश्विक मुक्त व्यापार की रक्षा में मदद करेगा जिसकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अनदेखी की। जिनपिंग ने शुक्रवार को दक्षिण कोरियाई शहर ग्योंगजू में शुरू हुए एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन में प्रमुख मंच संभाला जबकि ट्रंप बढ़ते व्यापार युद्ध को कम करने के लिए एक दिन पहले ही चीनी राष्ट्रपति के साथ समझौते करने के बाद देश से चले गए थे।

इस वर्ष दो दिवसीय एपेक शिखर सम्मेलन पर ट्रंप-शी बैठक का प्रभाव काफी अधिक रहा, जो सम्मेलन से इतर आयोजित की गई थी। ट्रंप ने जिनपिंग के साथ गुरुवार को हुई अपनी बैठक को एक शानदार सफलता बताया और कहा कि वह चीन पर शुल्क में कटौती करेंगे, जबकि बीजिंग दुर्लभ खनिजों के निर्यात की अनुमति देने और अमेरिकी सोयाबीन खरीदने पर सहमत हो गया है। उनके ये समझौते विश्व की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार तनाव से जूझ रही विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहत की बात है। ट्रंप का एपेक से दूर रहने का निर्णय बड़े और बहुराष्ट्रीय मंचों का

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से हाथ मिलाते जिनपिंग।।

- एपेक शिखर सम्मेलन में बोले राष्ट्रपति शी जिनपिंग

उनके द्वारा बार-बार तिरस्कार किए जाने को दर्शाता है। लेकिन उनके द्वारा एपेक की अनदेखी किए जाने से अमेरिका की प्रतिष्ठा के उस मंच पर खराब होने का खतरा है, जो विश्व की लगभग 40 प्रतिशत आबादी और वैश्विक वस्तु व्यापार के आधे से अधिक का प्रतिनिधित्व करता है। चिनफिंग ने एपेक के उद्घाटन सत्र के दौरान कहा कि समय जितना अशांत होगा, हमें उतना ही अधिक एकजुट होकर काम करना होगा। दुनिया तेज़ी से बदलाव के दौर से गुज़र रही है और अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियां लगातार जटिल एवं अस्थिर होती जा रही हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 1 नवंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, दशमी 09 .11 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

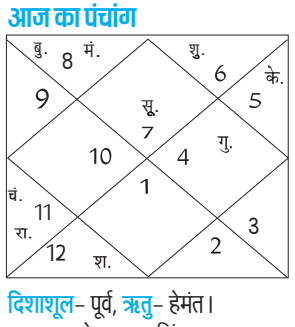

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुम्भ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- शतभिषा 06 .20 तक तत्पश्चात पूर्व भाद्रपद।

मेष — आज कार्यक्षेत्र में आपको अत्यधिक व्यस्त रहना पड़ेगा। आप अपनी स्किल्स बढ़ाने का प्रयास करेंगे। विवाह योग्य संतान का विवाह तय हो सकता है। विवादों को सुलझाने में सफलता मिलेगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। प्रेमी जन को प्रपोज कर सकते हैं।

वृष — आज आपके जनसंपर्क का दायरा बढ़ेगा। जल्दबाजी में किए गए कार्यों का यथोचित परिणाम मिलने में समस्या होगी। पारिवारिक सदस्यों के बीच सौहाद्र का भाव बढ़ेगा। परिस्थितियां आपके पक्ष में रहने वाली हैं, इसीलिए समय का सदुपयोग करें।

मिथुन — आज छात्रों को अपने सहपाठियों और शिक्षकों से सहायता मिलेगी। प्रेमी जन के साथ अच्छा समय बितायेंगे। सोशल मीडिया पर आपकी सक्रियता बढ़ेगी। आपके उदार स्वभाव की लोग प्रशंसा करेंगे। पिता की सेहत का ध्यान रखें।

कर्क — आज कोई महत्वपूर्ण कार्य आरम्भ न करें। करियर में अनेक अवरोधों का सामना करना पड़ेगा। घरेलू समस्याओं को बाहर के लोगों से शेयर न करें। स्वास्थ्य की अनदेखी करना उचित नहीं है। आपके खर्चे अचानक बढ़ सकते हैं।

सिंह — आज आपके सभी काम समय पर और निर्बाध होंगे। किसी परिजन के विवाह को लेकर चर्चा हो सकती है। जीवनसाथी के साथ काफी अच्छा समय बितायेंगे। कारोबार में महत्वपूर्ण डील होने की संभावना है। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा।

कन्या — आज नौकरीपेशा लोगों को बोनस मिल सकता है। सुबह शुभ समाचार मिल सकते हैं। साइटिका के रोगियों की समस्या बढ़ सकती है। अधूरे पड़े सरकारी कार्यों को पूरा करने में सफलता मिलेगी। व्यवसाय में मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

तुला — आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। छात्रों को पढ़ाई में बड़ी सफलता मिल सकती है। महिला वर्ग अपने करियर को लेकर अत्यंत सक्रिय रहेंगे। पुराने संबंधों से आपको लाभ प्राप्त होगा। जीवनसाथी से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं।

वृश्चिक — आज पैतृक संपदा की प्राप्ति हो सकती है। लेकिन रियल एस्टेट कारोबारियों के लिए दिन अच्छा नहीं है। फूड इण्डस्ट्री से जुड़े लोगों के कारोबार में वृद्धि होगी। बच्चों के भविष्य की चिंता रहेगी। घर के सदस्यों के साथ अपने संबंध अच्छे रखें।

धनु — आज नया प्रोजेक्ट शुरू कर सकते हैं जिनमें आपको बड़ी सफलता मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। अपने लक्ष्य को लेकर आप पूरे जुनून से काम करेंगे। किसी समारोह के लिए निमंत्रण प्राप्त होगा। नई जॉब को लेकर इन्टरव्यू दे रहे हैं तो परिणाम आपके पक्ष में आ सकते हैं।

मकर — आज कारोबार में मित्रों का सहयोग ले सकते हैं। करियर में आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त होंगे। अनुसंधान और शोध कार्यों में सफलता मिल सकती है। दिखावे की प्रवृत्ति से बचें। गुप्त शत्रुओं के कारण नुकसान हो सकता है। बच्चे पिता के साथ अच्छा समय बितायेंगे।

कुंभ — आज आप अत्यंत सकारात्मक महसूस करेंगे। दिन की शुरूआत बहुत खुशनुमा रहने वाली है। आप अपने लक्ष्य को सरलता से प्राप्त कर लेंगे। आपको दांपत्य संबंधों को पर्याप्त समय देना चाहिए। आपका मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

मीन — आज जीवनसाथी के साथ संवादहीनता परेशानी का कारण बनेगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। अपने खानपान और दवाइयों का ध्यान रखें। जॉब कर रहे लोगों के लिए दिन अच्छा नहीं है। धन के लेन-देन में चूक हो सकती है।

सुडोकू-147

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1			2		3			
						4		3
		6	7					
3			6		1			
4	2							1
			4		8			
				7	9	2		
8		3						
			8		5			

सुडोकू - 146 का हल

8	9	7	1	4	5	2	6	3
1	2	6	7	9	3	8	5	4
3	5	4	2	8	6	1	9	7
9	6	3	4	2	8	5	7	1
5	7	8	3	6	1	9	4	2
2	4	1	5	7	9	6	3	8
6	3	2	8	5	7	4	1	9
4	1	5	9	3	2	7	8	6
7	8	9	6	1	4	3	2	5

ऑस्ट्रेलिया जैसे दमदार विरोधी के खिलाफ हमारी टीम की शानदार जीत। जेमिमा का बड़े मैच में शानदार प्रदर्शन। दृढता, विश्वास और जुनून का असल प्रदर्शन। शानदार टीम इंडिया। हमारी लड़कियों ने असली धमाका किया। क्या खेल दिखाया। महिला टीम पर गर्व है।

– विराट कोहली

स्टेडियम

हल्द्वानी, शनिवार 1 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

डब्ल्यूटीए चेन्नई ओपन 2025 में रूस की अरीना रोडियोनोवा के खिलाफ महिला एकल क्वार्टर फाइनल जीतने के बाद जश्न मनातीं ताइवान की जोआना गारलैंड। चेन्नई के एसडीएटी टेनिस स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में उन्होंने 6-2, 7-6 से जीत दर्ज की। एजेंसी

एशिया कप ट्रॉफी का मुद्दा फिर उठेगा

मुंबई : भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को उम्मीद है कि एशिया कप विजेता ट्रॉफी 'एक या दो दिन में' मुंबई स्थित उसके मुख्यालय पहुंच जाएगी लेकिन अगर हालात में कोई प्रगति नहीं होती है तो भारतीय बोर्ड चार नवंबर को इस मामले को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के समक्ष उठाएगा। भारत ने दुबई में हुए फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर एशिया कप जीता लेकिन पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। वह एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष भी हैं। यह तब हुआ जब भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दोनों देशों के बीच विवाद के कारण अपने पाकिस्तानी समकक्ष से हाथ मिलाने से इन्कार कर दिया।

हेजलवुड एंड कंपनी ने भारतीय बल्लेबाजी को ध्वस्त किया

अभिषेक शर्मा का अर्धशतक हुआ व्यर्थ, दूसरे टी-20 में ऑस्ट्रेलिया चार विकेट से जीता

मेलबर्न, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड (13 रन देकर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद कप्तान मिचेल मार्श की 26 गेंद में 46 रन की पारी से शुक्रवार को यहां भारत के खिलाफ दूसरे टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में 40 गेंद रहते चार विकेट से जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया ने इस तरह पांच मैच की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। कैनबरा में पहला मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था। तीसरा मैच रविवार को होबार्ट में खेला जाएगा।

भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 37 गेंद में 68 रन की जुझारू अर्धशतकीय पारी खेली लेकिन हेजलवुड की अगुआई में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों ने शीर्ष क्रम को झकझोरते हुए मेहमान टीम को 125 रन पर समेट दिया। ऑस्ट्रेलिया ने यह लक्ष्य 13.2 ओवर में छह विकेट गंवाकर हासिल किया। कप्तान मार्श ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए दो चौके और चार छक्के जड़ित पारी से तेज शुरूआत कराई। मार्श और ट्रेविस हेड (28 रन) ने पहले विकेट के लिए 51 रन जोड़ दिए।

मिस्ट्री लेग स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने पांचवें ओवर में हेड को तिलक वर्मा के हाथों कैच कराकर दोनों के बीच 28 गेंद की भागीदारी को खत्म किया। मार्श ने तेजी से खेलना जारी रखा लेकिन कुलदीप यादव की गुगली पर अभिषेक के हाथों कैच आउट हो गए जिससे ऑस्ट्रेलिया को आठवें ओवर में दूसरा झटका लगा। वरुण ने अगले ही ओवर में टिम डेविड को अपनी ही गेंद पर कैच आउट किया। लक्ष्य इतना कम था कि कसी गेंदबाजी के बावजूद इसे आसानी से हासिल किया जा सकता था।

इससे पहले अभिषेक ने अपनी पारी के दौरान ऑफ-साइड में कुछ बेहतरीन शॉट खेले जिसमें स्लैश, चेक ड्राइव और उठा कर लगाए गए स्ट्रोक शामिल थे। उन्होंने इस प्रतिष्ठित मैदान पर अपने पहले मैच में 23 गेंद में अर्धशतक जड़ दिया लेकिन अन्य बल्लेबाज कोई भागीदारी नहीं निभा सके और पवेलियन लौट गए। इससे टीम आठ गेंद रहते सिमट गई। अभिषेक ने अपनी पारी में आठ चौके और दो छक्के जड़े थे। सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे ऑलराउंडर हर्षित राणा ने 33 गेंद में 35 रन की पारी खेली और अभिषेक के साथ छठे विकेट के लिए 56 रन जोड़कर भारत को 100 रन का आंकड़ा पार करने में मदद की।

ऑस्ट्रेलिया के लिए तेज गेंदबाज हेजलवुड के अलावा जेवियर बार्टलेट और नाथन एलिस ने दो दो विकेट झटके। अभिषेक ने क्रीज का अच्छा इस्तेमाल किया और उछाल का भी अच्छी तरह सामना किया। लेकिन निचले मध्यक्रम के बल्लेबाजों के स्ट्राइक रोटेट नहीं कर पाने से वह निराश दिखे। उन्हें लगभग पांच ओवर तक स्ट्राइक नहीं मिली क्योंकि इस दौरान राणा ने ज्यादातर गेंदें खेलीं।

इसके बाद शिवम दुबे और कुलदीप यादव ने भी कई गेंदें खेलीं। भारत का स्कोर आठ विकेट पर 110 रन था तब अभिषेक ने बार्टलेट पर चौका और फिर छक्का जड़ा जिससे स्कोर 125 तक पहुंचा।

शुभमन गिल के खिलाफ अपील करते हुएजोश हेजलवुड। एजेंसी

भारत

125/10 (18.4 ओवर)

शुभमन गिल का मार्श बो हेजलवुड	05
अभिषेक शर्मा पगबाधा बो एलिस	68
संजू सैमसन पगबाधा बो एलिस	02
सूर्यकुमार का इंग्लिस बो हेजलवुड	01
तिलक का इंग्लिस बो हेजलवुड	00
अक्षर पटेल रन आउट	07
हर्षित राणा का डेविड बो बार्टलेट	35
शिवम दुबे का इंग्लिस बो बार्टलेट	04
कुलदीप का सब बो स्टोइनिस	00
वरुण चक्रवर्ती नाबाद	00
जसप्रीत बुमराह रन आउट	00

गेंदबाजी : हेजलवुड 4-0-13-3, बार्टलेट 4-0-39-2, एलिस 3.4-0-21-2, स्टोइनिस 4-0-24-1, ओवेन 1-0-13-0, कुहनेमैन 2-0-14-0

ऑस्ट्रेलिया

126/6 (13.2 ओवर)

मिचेल मार्श का अभिषेक बो कुलदीप	46
ट्रेविस हेड का तिलक बो वरुण	28
जोश इंग्लिस पगबाधा बो कुलदीप	20
टिम डेविड का एवं बो वरुण	01
ओवेन का सैमसन बो बुमराह	14
मार्कस स्टोइनिस नाबाद	06
मैथ्यू शॉर्ट बो बुमराह	00
जेवियर बार्टलेट नाबाद	00

गेंदबाजी : जसप्रीत बुमराह 4-0-26-2, हर्षित राणा 2-0-27-0, वरुण चक्रवर्ती 4-0-23-2, कुलदीप यादव 3.2-0-45-2

अभिषेक शर्मा।

थकान के कारण एकाग्रता टूट रही थी : जेमिमा

नवी मुंबई, एजेंसी

- सेमीफाइनल में शानदार पारी खेलने वाली जेमिमा रॉड्रिग्स ने अपनी भावनाओं को व्यक्त किया
- बोलीं-हरमनप्रीत के आउट होने के बाद उन्हें फिर से फोकस करने में मदद मिली

अपने नाबाद शतक से भारत को वनडे विश्व कप फाइनल में ले जाने के बाद भावनाओं पर काबू पाने की कोशिश करते हुए जेमिमा रॉड्रिग्स ने कहा कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में हरमनप्रीत कौर के आउट होने के बाद उन्हें फिर से फोकस करने में मदद मिली। दबाव में बेहतरीन पारी खेलते हुए जेमिमा ने 134 गेंद में नाबाद 127 रन बनाए जिसकी मदद से भारत ने रिकॉर्ड 339 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आस्ट्रेलिया को हराया। अब फाइनल में सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा। जेमिमा ने मीडिया से कहा मैं हैरी दी से कह रही थी कि हम दोनों को जीत तक ले जाना है।

उन्होंने कहा जब वह आउट हुई तो मुझे फिर से फोकस करने में मदद मिली क्योंकि थकान के कारण मेरी एकाग्रता टूट रही थी। हरमन के आउट होने के बाद मुझे लगा कि अतिरिक्त जिम्मेदारी से खेलना होगा। मैंने खुद से कहा कि वह आउट हो गई है तो उसके लिए मैं ही रन बनाऊंगी, मुझे टिककर खेलना है। जेमिमा ने कहा इससे मेरा फोकस फिर बना और मैं समझदारी से खेलने लगी। प्रेस कांफ्रेंस में बार-बार रो पड़ी जेमिमा ने कहा कि भगवान पर अटूट आस्था से उन्हें बेचैनी से उबरने में मदद मिली। उन्होंने कहा मैं प्रार्थना कर रही थी। मैं खुद से बात कर रही थी क्योंकि काफी ऊर्जा खत्म हो चुकी थी। मैं थक गई थी और इसकी वजह से कुछ पेचीदा शॉट खेले। मैं सोच रही थी कि कैसे खेलूं। आक्रामक रहूं या अंत तक टिकी रहूं और मैंने सीखा कि अंत तक डटकर खेलना जरूरी था। उन्होंने कहा मैं खुदा से बात कर रही थी क्योंकि मेरा मानना है कि मेरा उनसे निजी रिश्ता है और जब मैं खुद नहीं कर पाती तो वह मेरे लिए कर देते हैं।

इस पारी से पहले जेमिमा कठिन दौर से गुजर रही थी और टीम से बाहर भी हुई लेकिन उसके साथी खिलाड़ी उसके साथ डटे रहे। उन्होंने कहा कोई अपनी कमजोरियों के बारे में बात नहीं करना चाहता।

टूर्नामेंट की शुरुआत में काफी बैचेनी से गुजर रही थी। अपनी मां को फोन करके पूरा समय रोती रहती थी, क्योंकि जब आप इन हालात से गुजर रहे होते हैं तो कुछ सूझ नहीं पड़ता। उन्होंने कहा समझ में नहीं आता कि क्या करें। ऐसे समय में मेरे माता-पिता ने मेरा खूब साथ दिया। अरूंधति रेड्डी से मैं रोज बात करती थी और उसके सामने रोती थी। स्मृति (मंधाना) ने मेरी काफी मदद की। उसे पता था कि मैं क्या महसूस कर रही हूं। कुछ नेट सत्रों में वह खड़ी रही, कुछ कहा नहीं लेकिन उसे पता था कि उसकी मौजूदगी मेरे लिए अहम है। राधा यादव ने मेरा बहुत ख्याल रखा। जेमिमा ने मैच के बारे में कहा डी वाई पाटिल स्टेडियम पर कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। मैं यही सोच रही थी कि टिके रहना है तो रन खुद ब खुद मिलेंगे।

जेमिमा रॉड्रिग्स ने दर्शकों का अनोखे अंदाज में आभार व्यक्त किया। एजेंसी

हमने ऑस्ट्रेलिया की तरह नहीं खेला : कप्तान हीली

नवी मुंबई : ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली ने भारतीय स्टार जेमिमा रॉड्रिग्स की बेमिसाल मानसिक दृढता की तारीफ की और कहा कि महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में उनकी टीम आस्ट्रेलियाई तेवरों के साथ नहीं खेल सकी।

हीली ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा हम चार या पांच ओवर बाकी रहते मैच में थे, लेकिन क्रिकेट में मजेदार चीजें होती रहती है। अगर आप विरोधी टीम पर पर्याप्त दबाव नहीं बना सकते तो ऐसा होता है। जेमिमा ने शानदार पारी खेली। उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलियाई टीम ने कई गलतियां की जो आम तौर पर टीम नहीं करती है। उन्होंने कहा हमने कई बार जरूरत से ज्यादा खराब गेंदें फेंकी और शायद हमने जो मौके बनाए, उनका फायदा नहीं उठा पाये। हम आम तौर पर जितने आक्रामक होते हैं, उतने आक्रामक नहीं थे।

तेंदुलकर समेत खेल जगत ने महिला क्रिकेट टीम की तारीफों के पुल बांधे

नवी मुंबई, एजेंसी

सचिन तेंदुलकर की अगुवाई में देश के समूचे खेल जगत ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जमकर तारीफ की। तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा शानदार जीत। शानदार प्रदर्शन जेमिमा रॉड्रिग्स और हरमनप्रीत कौर। श्री चरणी और दीप्ति शर्मा ने गेंदबाजी से मैच को जीवंत बनाए रखा। तिरंगे का परचम लहराते रहो।

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने लिखा आस्ट्रेलिया सोच रही थी कि एक और सेमीफाइनल है, आराम से जीतो और पहुंचों फाइनल, लेकिन भारतीय टीम ने कमाल कर दिया।

भारत के पूर्व कोच और महान लेग स्पिनर अनिल कुंबले ने लिखा आस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की बेहतरीन जीत। जेमिमा रौड्रिग्स का संयम और ताकत से भरा जबर्दस्त प्रदर्शन। यह पारी परिपक्वता और आत्मविश्वास की बानगी देती है।

युवराज सिंह ने लिखा कुछ जीत स्कोरबोर्ड के आंकड़ों से भी ऊपर होती है और यह उनमे से एक है। जब पूरी दुनिया देख रही थी और काफी दबाव था, ऐसे में हरमनप्रीत कौर ने असल कप्तान की तरह संयम और दृढता से भरी पारी खेली। वहीं जेमिमा ने कैरियर की सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक खेली। अपने खेल पर और एक दूसरे पर भरोसे के दम पर यह साझेदारी बनी। सेमीफाइनल में ऐतिहासिक जीत और अब फाइनल पर नजरें। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने लिखा शानदार मैच। फाइनल में पहुंचने पर हमारी भारतीय महिला टीम को बधाई।

दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने लिखा टीम इंडिया ने रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करके आस्ट्रेलिया को बाहर किया और उनके जीत के अभियान पर रोक लगाई। सबसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ शानदार प्रदर्शन।

मेरा एक ही संदेश था कि अच्छे से फिनिश करना : कोच मजूमदार

नवी मुंबई : घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बावजूद कभी भारत के लिए नहीं खेल सके भारतीय महिला टीम के कोच अमोल मजूमदार ने कहा कि सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में अपनी टीम को उनका एक ही संदेश था कि अच्छे से फिनिश करना है और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम ने वही किया। मजूमदार ने जीत के बाद कहा कोई बड़ा संदेश नहीं था। हम हमेशा एक दूसरे से कहते रहते हैं कि फिनिश अच्छे से करना है। हम आमतौर पर शुरुआत अच्छी करते हैं, लेकिन फिनिशिंग पर काम करने की जरूरत रहती है। ग्रुप चरण में आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद टीम के प्रदर्शन पर ऊंगलियां उठी थी लेकिन मजूमदार अपने लक्ष्य को लेकर स्पष्ट थे। आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले उन्होंने व्हाइटबोर्ड पर एक ही बात लिखी हमें फाइनल में पहुंचने के लिये बस एक रन अधिक बनाना है। क्रांति गौड़ व श्री चरणी पर भरोसा काम आया।

कप्तान पंत सिर्फ 17 रनों पर आउट

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत ए टीम दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चार दिवसीय क्रिकेट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को 234 रनों पर आउट हो गई, जिसमें ऋषभ पंत 17 रन का ही योगदान दे सके। दक्षिण अफ्रीका ए ने कल के स्कोर नौ विकेट पर 299 रन से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन पहले ही सत्र में 309 रन पर आउट हो गई।

भारत ए का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा और आफ स्पिनर प्रेनेलन सुब्रायेन ने 61 रन देकर पांच विकेट चटकाये जिससे दक्षिण अफ्रीका ए को 75 रन की बढत मिल गई। युवा आयुष म्हात्रे ही टिककर खेल सके जिन्होंने 76 गेंद में 65 रन जोड़े। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने पर दक्षिण अफ्रीका ए ने बिना किसी नुकसान के 30 रन बना लिए थे और अब उसके पास 105 रन की बढ़त हो गई है।

जोर्डन हरमान 12 और लेसेगो सेनोकवाने नौ रन बनाकर खेल रहे हैं। दूसरे दिन सभी की नजरें पंत पर लगी थी जो तीन महीने बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में लौट रहे थे लेकिन विकेट के सामने वह टिक नहीं सके। उन्होंने छठी गेंद पर सुब्रायेन को मिडआन पर चौका लगाया। इसके बाद शेपो मोराकी को स्क्वेयर लेग पर चौका लगाकर क्रीज पर जमने के संकेत दिए। लेकिन जुबैर हमजा की गेंद को खेलें या नहीं खेलें की दुविधा में वह गली में कैच थमाकर पवेलियन लौट गए। इससे पहले चोटिल एन जगदीशन की जगह खेल रहे साइ सुदर्शन 94 गेंद में 38 रन की पारी में कहीं सहज नहीं लगे।

- अफ्रीका ए के खिलाफ चार दिवसीय क्रिकेट मैच का दूसरा दिन
- भारत ए टीम पहली पारी में 234 रनों पर सिमटी

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हॉकी गोलकीपर फ्रेडरिक का निधन

कन्नूर/बेंगलुरु/ नई दिल्ली : भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व गोलकीपर और म्युनिख ओलंपिक 1972 की कांस्य पदक विजेता टीम के सदस्य मैनुअल फ्रेडरिक का शुक्रवार को सुबह बेंगलुरू के एक अस्पताल में निधन हो गया।

वह 78 वर्ष के थे और उनके परिवार में दो बेटियां हैं। उनके परिवार ने बताया कि वह पिछले दस महीने से प्रोस्टेट कैंसर से जूझ रहे थे। केरल के कन्नूर में 20 अक्टूबर 1947 को जन्मे फ्रेडरिक ओलंपिक पदक जीतने वाले प्रदेश के पहले खिलाड़ी थे। उनके अलावा केरल से पी आर श्रीजेश ने तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता है और वह भी हॉकी गोलकीपर रहे हैं। काफी पहले बेंगलुरू में आ बसे फ्रेडरिक एक साल पहले पत्नी शीतला के निधन के बाद से अवसाद में भी थे।

फिडे विश्व कप | आज से शुरू हो रहे मुकाबले में भारत की उम्मीदें अर्जुन और डी गुकेश से भी

ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानानंदा दोहराना चाहेंगे श्रेष्ठ प्रदर्शन

पणजी (गोवा), एजेंसी

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा शनिवार से शुरू हो रहे फिडे विश्व कप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दोहराने की कोशिश करेंगे। जिसमें दुनिया की शीर्ष तीन रैंकिंग में काबिज खिलाड़ी अनुपस्थित रहेंगे। नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन के अलावा अमेरिका के हिकारू नाकामुरा और फैबियानो कारूआना की जोड़ी इस टूर्नामेंट में नहीं खेलेगी।

विश्व चैंपियन डी गुकेश और अर्जुन एरिगेसी 20 लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि के इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करेंगे। पर सबसे अहम चीज यह है कि इस टूर्नामेंट से 2026 फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए तीन क्वालीफिकेशन स्थान सुनिश्चित होंगे। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट से अगले साल होने वाले विश्व चैंपियनशिप मैच का खिलाड़ी तय होगा। गोवा में अगले चार हफ्तों तक 80 देशों के 206 शीर्ष शतरंज खिलाड़ी आठ दौर वाले एकल एलिमिनेशन नॉकआउट टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। प्रत्येक मैच में निश्चित समय में दो क्लासिकल बाजियां होंगी। अगर क्लासिकल बाजियों के बाद स्कोर बराबर रहता है तो खिलाड़ी तीसरे दिन रैपिड और ब्लिट्ज टाई-ब्रेक की एक श्रृंखला खेलेंगे जिससे यह तय होगा कि कौन आगे बढ़ेगा। भारत के शीर्ष तीन खिलाड़ियों में गुकेश विश्व चैंपियन हैं और उन्हें अगले साल के अंत में विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने के लिए कैंडिडेट्स चक्र से गुजरने की जरूरत नहीं है, जिससे उन पर दबाव कम होगा। प्रज्ञानानंदा की अगले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह लगभग पक्की है जबकि एरिगेसी अगले साल की शुरुआत में होने वाले इस टूर्नामेंट में जगह बनाने की कोशिश में जुटे हैं। कैंडिडेट्स से तय होगा कि अगले विश्व चैंपियनशिप मैच में गुकेश को कौन चुनौती देगा। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के तीन स्थान दांव पर लगे हैं तो ऐसे में अनुभवी विदित गुजराती और पी हरिकृष्णा के भी कट बनाने की अच्छी संभावना है।

निहाल और अरविंद प्रबल दावेदार

युवा निहाल सरीन और अरविंद चितंबरम भी इस प्रतियोगिता में प्रबल दावेदार होंगे। पहली बार टूर्नामेंट में 24 भारतीय खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। शीर्ष 50 खिलाड़ियों को दूसरे दौर में सीधे प्रवेश दिया गया है जबकि शेष 156 खिलाड़ी पहले दौर से ही प्रतिस्पर्धा करेंगे। भारतीय खिलाड़ियों ने हाल में शानदार प्रदर्शन किया है जिसमें ओलंपियाड (ओपन और महिला दोनों वर्गों में) जीतना, गुकेश का विश्व चैम्पियनशिप का खिताब जीतना और दिव्या देशमुख का महिला विश्व कप पर कब्जा करना शामिल है। यह घरेलू खिलाड़ियों के लिए अपने कौशल का प्रदर्शन करने का एक शानदार मौका होगा। विदेश की शानदार प्रतिभाएं टूर्नामेंट में होंगी।